Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 35
लखनऊ, शुक्रवार, 22 नवम्बर 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय 10

भारतीय संस्कृति की जड़ों की तरफ लौटें : वेंकैया

शीतकालीन सत्र में गरमाएगा अडानी मुद्दा

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

अरबपति उद्योगपति गौतम अडानी पर अमेरिकी अभियोजकों द्वारा सौर ऊर्जा अनुबंधों के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने की कथित योजना में उनकी भूमिका के आरोप के बाद भारत में एक बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। यह संयोग हो सकता है कि हाल ही में हिंडनबर्ग, पेगासस, सोरोस सहित कुछ प्रमुख विवाद संसद सत्र की शुरुआत से ठीक पहले सामने आए हैं और सोमवार को शीतकालीन सत्र शुरू होने वाला है, जिसमें विपक्ष ने सत्र के दौरान इसे उठाने की घोषणा की है, जबकि सत्तारूढ़ भाजपा ने इसे एक और महत्वपूर्ण सत्र की कार्यवाही को रोकने के लिए एक और 'नाटक' की तैयारी बताया है। सत्तारूढ़ भाजपा ने कहा कि अभियोग में उल्लिखित सभी राज्य उस समय विपक्षी दलों द्वारा शासित थे, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले भारत ब्लॉक के सहयोगियों ने अडानी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। अडानी समूह ने सौर ऊर्जा अनुबंधों के लिए अनुकूल शर्तों को हासिल करने के लिए रिश्वत देने के आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि अमेरिकी अभियोजकों द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं और समूह सभी कानूनों का अनुपालन करता है। इसने कहा कि सभी संभव कानूनी उपाय किए जाएंगे।

न्यूयॉर्क से एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी अभियोजकों ने अडानी और उनके भतीजे सागर और अन्य प्रतिवादियों पर सौर ऊर्जा अनुबंध जीतने के लिए 2020 से 2024 के बीच भारतीय सरकारी अधिकारियों को 25 करोड़ डालर से अधिक की रिश्वत देने का आरोप लगाया, जिससे संभावित रूप से दो अरब अमेरिकी डालर से अधिक का लाभ हो सकता था। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बात अमेरिकी बैंकों और निवेशकों से छिपाई गई, जिनसे अडानी समूह ने इस परियोजना के लिए अरबों डॉलर जुटाए थे। अमेरिकी कानून विदेशी भ्रष्टाचार के आरोपों को आगे बढ़ाने की अनुमति देता है, यदि वे अमेरिकी निवेशकों या बाजारों से जुड़े हों। अभियोग ने अडानी समूह को एक और वित्तीय संकट में डाल दिया है, क्योंकि अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च के गंभीर धोखाधड़ी के आरोपों से उसे झटका लगा है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस नेता जयराम रमेश नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गौतम अडानी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि अब यह अमेरिका में बिल्कुल स्पष्ट और स्थापित हो चुका है कि व्यवसायी ने भारतीय और अमेरिकी कानूनों का उल्लंघन किया है। राहुल ने यह भी मांग की कि अडानी की 'संरक्षक' और सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच को उनके पद से हटाया जाए और जांच शुरू की जाए। विपक्षी सदस्यों सीपीआईएम, टीएमसी, आप, नेशनल कॉन्फ्रेंस, आरजेडी, शिवसेना (उद्धव) ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार 'अब और परदे के पीछे नहीं छिप सकती' और मामले की सीबीआई जांच की मांग की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक हैं तो सुरक्षित हैं' नारे पर कटाक्ष करते हुए राहुल ने कहा कि जब तक प्रधानमंत्री और अडानी साथ हैं, तब तक वे भारत में 'सुरक्षित' हैं। उन्होंने कहा कि वे सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र में इस मुद्दे को उठाएंगे और पूरा विपक्ष इस मामले पर एक साथ है। राहुल जो लगातार अडानी पर हमला करते रहे हैं और प्रधानमंत्री से अपनी निकटता का इस्तेमाल राजनीतिक हमले के लिए करते रहे हैं, ने कहा कि अपराध और भ्रष्टाचार दो (शेष पृष्ठ 9)

'गंभीर' से 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंची हवा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बृहस्पतिवार को भी बहुत खराब श्रेणी दर्ज किया गया। हालांकि एक दिन पहले बुधवार की तुलना में बृहस्पतिवार को एक्यूआई में 400 से 379 में मामूली सुधार दर्ज किया गया। यह राहत का संकेत तो है, लेकिन एक्यूआई अभी भी 'बहुत खराब' श्रेणी में है। इस बीच केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में गंभीर वायु प्रदूषण के चलते कर्मचारियों के लिए काम के आफिस जाने के अलग-अलग समय की घोषणा की है। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए कर्मचारियों से वाहनों में साथ आने-जाने (वाहन पूलिंग) और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने का आग्रह किया गया है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया है कि इसका प्रभाव किसी भी तरह से काम करने की क्षमता और उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े। इन उपायों को मंत्रालयों, विभागों, संगठनों द्वारा अपनी कार्यात्मक आवश्यकताओं के अनुसार अपनाया जा सकता है।

आदेश के अनुसार, दिल्ली में वायु प्रदूषण के गंभीर स्तर को देखते हुए केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और संगठनों को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के संबंध में अलग-अलग समय अपनाने की सलाह दी जाती है। कार्यालय सुबह नौ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक और सुबह 10 बजे से शाम साढ़े छह बजे तक खुले रह सकते हैं। आदेश में कहा गया, निजी वाहनों का उपयोग करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को वाहन प्रदूषण को कम करने के लिए वाहन पूलिंग करने और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। दिल्ली में एक सप्ताह से जारी गंभीर प्रदूषण स्तर के बाद वायु गुणवत्ता में थोड़ा सुधार हुआ है लेकिन यह अब भी बहुत खराब श्रेणी में है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, बृहस्पतिवार सुबह नौ बजे राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 376 दर्ज किया गया। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि केंद्रीय (शेष पृष्ठ 9)

अदालत ने यासीन मलिक केस में कहा, तिहाड़ में कोर्ट रूम बनाएं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी नेता यासीन मलिक के खिलाफ अपहरण मामले में सुनवाई करते हुए बृहस्पतिवार को टिप्पणी की कि अजमल कसाब को भी हमारे देश में निष्पक्ष सुनवाई का मौका मिला था। न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि वह इस मामले में सुनवाई के लिए तिहाड़ जेल में एक अदालत कक्ष स्थापित कर सकता है। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ जम्मू की एक निचली अदालत के 20 सितंबर 2022 के आदेश के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें तिहाड़ जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे मलिक को तत्कालीन गृहमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण मामले में अभियोजन पक्ष के गवाहों से जिरह के लिए प्रत्यक्ष रूप से पेश होने का निर्देश दिया गया था।

पीठ ने हालांकि कहा, ऑनलाइन माध्यम से जिरह कैसे की जाएगी? जम्मू में शायद ही कोई कनेक्टिविटी है...हमारे देश में अजमल कसाब को भी निष्पक्ष सुनवाई का मौका दिया गया था और उसे उच्च न्यायालय में कानूनी सहायता दी गई थी। पीठ ने सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वह इस मामले में गवाहों की कुल संख्या के बारे में निर्देश प्राप्त करें। मेहता ने सुरक्षा संबंधी मुद्दे को उठाया और कहा कि मलिक को सुनवाई के लिए जम्मू नहीं ले जाया जा सकता। सॉलिसिटर जनरल ने मलिक पर प्रत्यक्ष रूप से पेश होने और वकील न रखने के लिए चालाकी करने का आरोप लगाया। मेहता ने कहा कि मलिक कोई साधारण अपराधी नहीं है और इसके साथ ही, सॉलिसिटर जनरल ने आतंकवादी हाफिज सईद के साथ मंच साझा करते हुए मलिक की एक कथित तस्वीर दिखाई। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह संबंधित न्यायाधीश को इस मामले की सुनवाई के लिए राष्ट्रीय राजधानी आने के अलावा जेल के अंदर सुनवाई का आदेश दे सकती है।

हालांकि, पीठ ने कहा कि कोई आदेश पारित करने से पहले मामले में सभी आरोपियों का पक्ष सुना जाना चाहिए। मेहता ने कहा कि मलिक के उच्चतम न्यायालय में व्यक्तिगत पेशी से पहले सुरक्षा संबंधी चिंताएं पैदा हुई थीं। पीठ ने कहा कि मलिक को शीर्ष अदालत की कार्यवाही में वर्चुअल रूप से पेश होने की अनुमति दी जा सकती है। इसके साथ ही इसने मामले की अगली सुनवाई के लिए 28 नवंबर की तारीख तय की। इस बीच, सीबीआई को अपनी याचिका में संशोधन करने और सभी आरोपियों को प्रतिवादी बनाने का निर्देश दिया गया है। मेहता ने 2023 में तत्कालीन केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को पत्र लिखकर मलिक को एक मामले में पेश होने के लिए उच्चतम न्यायालय लाए जाने के बाद गंभीर सुरक्षा चूक की ओर इशारा किया था।

रूस ने इंटरकांटिनेंटल मिसाइल दागी: यूक्रेन

एपी। कीव

यूक्रेन का कहना है कि रूस ने देश के मध्य-पूर्व में स्थित नीपर शहर को निशाना बनाकर रात में एक अंतरमहाद्वीपीय (इंटरकांटिनेंटल) बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जिसकी पुष्टि होने पर, यह पहली बार होगा जब मास्को ने युद्ध में इस तरह की मिसाइल का इस्तेमाल किया है। बृहस्पतिवार को टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर दिए गए एक बयान में, यूक्रेन की वायु सेना ने मिसाइल के सटीक प्रकार के बारे में नहीं बताया, लेकिन कहा कि इसे रूस के आस्ट्राखान क्षेत्र से दागा गया, जो कैस्पियन सागर की सीमा पर है। इसने कहा कि नीपर शहर पर आठ अन्य मिसाइलों के साथ एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई, और यूक्रेनी सेना ने उनमें से छह को मार गिराया।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, हमले के परिणामस्वरूप दो लोग घायल हो गए, और एक औद्योगिक सुविधा और विकलांग लोगों के लिए एक पुनर्वास केंद्र क्षतिग्रस्त हो गया। यूक्रेन के खिलाफ इस्तेमाल के लिए आईसीबीएम की रेंज बहुत ज़्यादा लग सकती है, लेकिन ऐसी मिसाइलों को परमाणु हथियार ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है और इनमें से किसी एक का इस्तेमाल रूस की परमाणु क्षमता की याद दिलाने और संभावित वृद्धि का एक शक्तिशाली संदेश देने का काम करेगा। यह हमला रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा एक संशोधित परमाणु सिद्धांत पर हस्ताक्षर करने के दो दिन बाद हुआ है, जो देश के परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की सीमा को औपचारिक रूप से कम करता है। यूक्रेन ने मंगलवार को कई अमेरिकी आपूर्ति वाली लंबी दूरी की मिसाइलें दागीं और बुधवार को कथित तौर पर ब्रिटेन में बनी स्टॉर्म शैडो को रूस में दागा। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि उसके वायु रक्षा प्रणालियों ने दो ब्रिटिश निर्मित स्टॉर्म शैडो मिसाइलों, छह हिमार्स रॉकेट और 67 ड्रोन को मार गिराया। यूक्रेन में सैन्य कार्रवाइयों के बारे में मंत्रालय की दैनिक समीक्षा में यह घोषणा की गई। बयान में यह नहीं बताया गया कि यह कब या कहाँ हुआ या मिसाइलों का लक्ष्य क्या था। यह मॉस्को द्वारा स्टॉर्म शैडो मिसाइलों को मार गिराने की पहली सार्वजनिक घोषणा नहीं है, क्योंकि रूस ने पहले भी क्रीमिया प्रायद्वीप पर कुछ मिसाइलों को मार गिराने की सूचना दी थी। यह घटनाक्रम ऐसे समय (शेष पृष्ठ 9)

आप प्रत्याशियों की पहली सूची में छह पाला बदल

राजेश कुमार। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) 2025 के दिल्ली चुनाव से पहले 'मजबूत उम्मीदवारों' की तलाश में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच 'मछली पकड़ने' की कोशिश कर रही है। आप ने बृहस्पतिवार को 11 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की, जिसमें छह दलबदलू शामिल हैं, जो कांग्रेस या भाजपा से पार्टी में आएं हैं। यह सूची अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए है।

आप ने तीन मौजूदा विधायकों को चुनाव पास देने से इनकार कर दिया है और बाद की सूचियों से पता चलेगा कि उन्हें अन्य सीटों पर समायोजित किया गया है या नहीं। वे किरारी विधायक ऋतुराज झा, सीलमपुर विधायक अब्दुल रहमान और मटियाला विधायक गुलाब सिंह यादव हैं। यह घटनाक्रम आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में अपने आवास पर पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद सामने आया है। ब्रह्म सिंह तंवर (छतरपुर), अनिल झा (किरारी), बीबी त्यागी (लक्ष्मी नगर) ने हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) छोड़कर आप का दामन थामा है, जबकि जुबैर चौधरी (सीलमपुर), वीर सिंह धिंगान (सीमापुरी) और सोमेश शौकीन

(मटियाला) कांग्रेस छोड़कर आप में शामिल हुए हैं। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर सूची साझा करते हुए आप ने पोस्ट किया- 'दिल्ली चुनाव के लिए आप उम्मीदवारों की पहली सूची जारी!! सभी उम्मीदवारों को शुभकामनाएं। फिर लाएंगे केजरीवाल।' अनुभवी नेताओं और नए लोगों के मिश्रण के साथ आप 2025 के चुनावों में संभावित कठिन लड़ाई की तैयारी कर रही है, जिसका लक्ष्य राष्ट्रीय राजधानी में अपना गढ़ बनाए रखना है। एक चतुर राजनीतिज्ञ के रूप में आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने महसूस किया कि लोग उनके नाम पर या उनके खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण धारणाओं की राजनीति के आधार पर उनकी पार्टी को वोट नहीं देंगे। उन्हें 30 से अधिक सीटों पर सत्ता विरोधी लहर का मुकाबला करने के लिए मजबूत उम्मीदवारों की जरूरत है। गेम प्लान में मौजूदा विधायकों को सत्ता विरोधी लहर से निपटने के लिए हटाया जा सकता है।

आप ने एक बयान में कहा, 'चुने गए उम्मीदवारों में से कई लोगों का अपने समुदायों के लिए अथक काम करने का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है, जिसमें स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और सार्वजनिक सुविधाओं जैसे मुद्दों को संबोधित करना शामिल है। अतीत में चुनावी असफलताओं का सामना करने के बावजूद, इन उम्मीदवारों ने व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ज़्यादा सार्वजनिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए ज़मीन पर अपनी मज़बूत उपस्थिति बनाए रखी है।' केजरीवाल पहले ही दिल्ली के लिए अपनी पार्टी की छह मुफ़्त 'रिवर्स', बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य तीर्थयात्रा और महिलाओं के लिए बस यात्रा को दोहरा चुके हैं।

दिल्ली आप संयोजक गोपाल राय ने कहा कि 2020 में पार्टी जिन आठ सीटों पर जीत हासिल करने में विफल रही थी, उन्हें उम्मीदवारों को अंतिम रूप देते समय प्राथमिकता दी गई क्योंकि पार्टी उन निर्वाचन क्षेत्रों में चौतरफा अभियान चलाना चाहती है। उन्होंने कहा, 11 उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए गए हैं। राय ने कहा, इनमें से अधिकतर सीटें ऐसी हैं, जहां विधायक फिलहाल आप से नहीं हैं। छतरपुर से ब्रह्मा सिंह तंवर चुनाव लड़ेंगे, किराड़ी से अनिल झा आप के उम्मीदवार होंगे। (शेष पृष्ठ 9)

जंगल हमारा घर

गोलाघाट जिले के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में दो भारतीय गैंडे, जिन्हें ग्रेटर वन-हॉर्न्ड गैंडे के नाम से भी जाना जाता है, इग्रेट्स और कॉमन मैना के झुंड के साथ देखे गए। पीटीआई

पटियाला हाउस कोर्ट ने बीकानेर हाउस को कठघरे में खड़ा किया

राजेश कुमार। नई दिल्ली

दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने ऐतिहासिक बीकानेर हाउस को कुर्क करने का निर्देश दिया है, क्योंकि राजस्थान की नोखा नगर परिषद, जो इस ऐतिहासिक इमारत की मालिक है, एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड को 50.31 लाख रुपये की मध्यस्थता अवार्ड देने में विफल रही है। जनवरी 2020 में मध्यस्थ न्यायाधिकरण द्वारा पारित मध्यस्थता पुरस्कार को लागू करने की मांग करने वाली एक अर्जी पर अदालत ने यह आदेश पारित किया। बीकानेर हाउस को बीकानेर रियासत के

राजपूत शासकों के निवास के रूप में डिजाइन किया गया था। बीकानेर हाउस का निर्माण बीकानेर रियासत के महाराजा गंगा सिंह (1887 से 1943 ई.) के शासन के दौरान हुआ था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा ग्रेड टू हेरिटेज बिल्डिंग के रूप में वर्गीकृत, बीकानेर हाउस को सावधानीपूर्वक अपने मूल स्वरूप में बहाल किया गया है। 18 नवंबर 2015 को इसे आम जनता के लिए खोल दिया गया। अटैचमेंट ऑर्डर के बाद नोखा की नगर पालिका इस संपत्ति को बिक्री, उपहार या किसी और तरीके से हस्तांतरित या समाप्त नहीं कर सकती। कोर्ट ने नोखा नगर पालिका के प्रतिनिधि को अगली सुनवाई की तारीख 29 नवंबर को कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया है। इस बीच, राजस्थान सरकार ने कहा कि वह इस मामले में तुरंत कार्रवाई करेगी। (शेष पृष्ठ 9)

बैंड, बाजा, बारात और चोरों का गिरोह

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

आपने शादी में घुसने वालों के बारे में सुना होगा, लेकिन आप उनके एक अलग प्रकार के बारे में सुनकर चौंक सकते हैं कुख्यात 'बैंड, बाजा, बारात' गिरोह जो शहर में आम तौर पर हाई-प्रोफाइल शादी समारोहों में घुसकर मुफ्त में खाना खाने के लिए नहीं बल्कि अनजान मेहमानों से कीमती सामान चुराने के लिए घुसता है। हाल ही में इस गिरोह ने 12 और 17 नवंबर को क्रमश: दिल्ली के अलीपुर और छतरपुर के मैदान गढ़ी में दो भव्य शादियों में लूटपाट की।

दिल्ली से लगभग 800 किलोमीटर दूर स्थित शादी में लूटपाट करने वालों का एक विशेष गिरोह मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के दो गाँवों- कड़िया और गुलखेड़ी से भर्ती करता है, जहाँ परिवार अपने युवा सदस्यों को 'किराए' पर गिरोह में भेजते हैं, जिन्हें शादियों में बिना किसी की नज़र में आए लूटने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

गिरोह का समन्वयक 50 वर्षीय राज कुमार उर्फ राजू टैक्सी के ज़रिए दूर से ही संचालन का प्रबंधन करता है और चोरों को वास्तविक समय में निर्देश देता है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, अपराधी गिरोहों को 'किराए पर' परिवार देने की प्रथा के लिए जाने जाने वाले कड़िया और गुलखेड़ी गांवों के निवासी अक्सर अनुबंध नामक समझौते में प्रवेश करते हैं, जिसमें परिवारों को चोरी की

घटनाओं में भाग लेने के लिए अपने परिवारों को भेजने के लिए वित्तीय मुआवजा मिलता है। गिरोह युवाओं को 'क्रैश कोर्स' देता है ताकि वे बड़ी शादियों से बैग उठा सकें और कीमती सामान चुरा सकें। उन्होंने कहा, 'वे युवा रंगरूटों का उपयोग करते हैं, जिन्हें शादी के समारोहों में घुलने-मिलने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, और उनका उपयोग बिना किसी का ध्यान आकर्षित किए अपराध करने के लिए किया जाता है। इस प्रथा को एक सामाजिक अनुबंध के रूप में देखा जाता है, जहाँ गरीब पृष्ठभूमि के परिवारों को शादियों में चोरी के लिए आपराधिक तत्वों द्वारा शोषण किया जाता है, आमतौर पर अमीर लोगों को निशाना बनाया जाता है।' अधिकारी ने यह भी कहा कि पिछले मामलों में, एक बार आरोपियों को जमानत मिल जाने के बाद, वे कभी भी मुकदमे के लिए कोर्ट में पेश नहीं होते थे, इसलिए पुलिस उन्हें लंबे समय से तलाश रही थी। (शेष पृष्ठ 9)

सीएम योगी ने देखी 'द साबरमती रिपोर्ट', यूपी में टैक्स फ्री हुई फिल्म

● देश के खिलाफ षड्यंत्र कर रहे चेहरों का पर्दाफाश करना जरूरीः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बहुचर्चित फ़िल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' देखी। फिल्म देखने के बाद सीएम योगी ने कहा कि मैं 'द साबरमती रिपोर्ट' की पूरी टीम को बधाई देता हूं जिन्होंने इस वास्तविक सच को देश की जनता के सामने फिल्म के माध्यम से बाहर लाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि हर भारतवासी को 'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म को देखनी चाहिए और गोधरा का सच के नजदीक जाने का प्रयास करना चाहिए। सीएम योगी ने फिल्म को उत्तर प्रदेश में टैक्स फ्री करने की घोषणा की।

सीएम योगी ने कहा देश के खिलाफ और सरकारों के खिलाफ राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने के लिए समाज में वैमनस्यता पैदा करने के लिए देश में जो कृत्य हुए हैं उसे देश की जनता को जानने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि जो राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश के खिलाफ षड्यंत्र कर रहे हैं उन चेहरों को पहचानने के साथ-साथ उनका पर्दाफाश करने की भी आवश्यकता है। सीएम योगी ने कहा कि फिल्म की टीम ने सत्य उजाकर करने के लिए अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। फिल्म के माध्यम से वास्तविक सच को एक बड़े रूप में देश के सामने लाने का प्रयास किया गया है।

सीएम योगी ने कहा कि मामला अयोध्या से जुड़ा है, मैं घटना में मारे गए सभी राम भक्तों को श्रद्धांजलि देता हूं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के साहसिक कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए लोग इस सत्य को अधिक से अधिक देखें। सीएम योगी राज्य सरकार की ओर से 'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म को टैक्स फ्री करने की घोषणा की।

इसके पहले सीएम योगी ने लखनऊ के प्लासियो मॉल के सिनेमाहॉल के ऑडी-7 में पूर्वाह्न 11.30 बजे के शो में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सहित अनेक अनेक जनप्रतिनिधियों और शासन-प्रशासन के अधिकारियों के साथ फ़िल्म देखी। खास मौके पर फ़िल्म के मुख्य अभिनेता विक्रांत मैसी और फ़िल्म यूनिट से जुड़े लोगों की मौजूदगी रही। इससे पहले, बीते मंगलवार को विक्रांत मैसी ने सीएम योगी से भेंट की थी।

बता दें कि 'द साबरमती रिपोर्ट' एक सत्य घटना पर आधारित एक बॉलीवुड ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन रंजन चांडेल द्वारा किया गया है। फिल्म में विक्रांत मैसी, राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा लीड रोल में हैं। यह फिल्म साल 2002 में हुई साबरमती एक्सप्रेस की दिल दहला देने वाली घटना से प्रेरित है। एकता कपूर इस फिल्म की निर्माता है। 15 नवंबर को रिलीज हुई इस फिल्म की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने भी तारीफ की है।

यूपी का विकास मॉडल निजी और सरकारी भागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरणः मुख्यमंत्री

● वर्ल्ड बैंक और गेट्स फाउंडेशन के 'उत्तर प्रदेश-पार्टनरशिप कॉन्क्लेव' में सीएम योगी ने लिया हिस्सा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश में आयोजित 'पार्टनरशिप कॉन्क्लेव' में प्रदेश के सतत विकास और कृषि क्षेत्र में सुधार की दिशा में प्रौद्योगिकी, सरकारी योजनाओं और निजी क्षेत्र की भागीदारी को आवश्यक बताया। वर्ल्ड बैंक और गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सीएम योगी ने प्रदेश की चुनौतियों और उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में किसानों और कृषि क्षेत्र को नई तकनीकों और संसाधनों से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार की उन उपलब्धियों को साझा किया जिनसे पिछले कुछ वर्षों में बड़े बदलाव आए हैं। सीएम योगी ने कहा कि सोलर पैनल से आज प्रदेश के किसान सशक्त हो रहे हैं, प्रदेश ऊर्जा का मजबूत केंद्र बनकर उभरा है।

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में कभी 'मौत का कारण' मानी जाने वाली इंसेफेलाइटिस बीमारी के उन्मूलन को प्रदेश की एक बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि 2017 से पहले हर साल इस बीमारी से 1500 से 2000 बच्चों की मौत होती थी, राज्य सरकार ने गेट्स फाउंडेशन, यूनिसेफ और अन्य संस्थाओं के सहयोग से मात्र तीन वर्षों में इस समस्या को पूरी तरह समाप्त कर दिया। यह शासन, तकनीक और जनसहभागिता का परिणाम है कि आज यूपी में इंसेफेलाइटिस से कोई मौत नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास देश की सबसे उपजाऊ भूमि और जल संसाधन हैं, जो कृषि क्षेत्र में बड़ी संभावनाएं प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में वर्तमान में 89 कृषि विज्ञान केंद्र और 6 कृषि विश्वविद्यालय कार्यरत हैं, जो किसानों को प्रोत्साहित करने और उन्हें नई तकनीकों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अब तक लगभग 1 लाख किसानों को सोलर पैनल उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे सिंचाई और बिजली की समस्याओं को हल करने में मदद मिली है। राज्य सरकार ने किसानों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

सीएम योगी ने कहा कि जब तक किसान नई तकनीकों को अपनाएंगे नहीं, तब तक कृषि क्षेत्र में अपेक्षित वृद्धि नहीं होगी। टेक्नोलॉजी को किसानों तक पहुंचाने के लिए जागरूकता अभियान और एक्सटेंशन प्रोग्राम जरूरी हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से किसानों को प्रायोगिक रूप से दिखाया जाए कि नई तकनीकों से खेती में कैसे बदलाव लाया जा सकता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकारी योजनाओं के साथ-साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी भी जरूरी है। साझेदारी से ही कृषि उत्पादकता को 3-4 गुना तक बढ़ाया जा सकता है। निजी क्षेत्र को इस दिशा में प्रोत्साहित किया जा रहा है कि वे राज्य के विकास में अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराना, जल संसाधनों का सही उपयोग करना और कृषि से जुड़े स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सही योजनाओं और उनके प्रभावी क्रियान्वयन से कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन लाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने गेट्स फाउंडेशन, वर्ल्ड बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में उनके अनुभव और सहयोग से बदलाव की गति तेज हुई है।

स्वच्छता मानकों के कार्यों में शिथिलता व लापरवाही पाए जाने पर होगी सख्त कार्रवाईः एके शर्मा

लखनऊ। नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने कहा है कि प्रदेश के सभी निकाय स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में बेहतर प्रदर्शन करने तथा राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता मानकों की रैंकिंग के सुधार के लिए धरातल पर उतरकर ठोस प्रयास करें। सभी जिम्मेदार अधिकारी/ कार्मिक मुस्तैदी के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे और विगत वर्षों की स्वच्छता सर्वेक्षण की कमियों में सुधार के लिए निरन्तर प्रयास भी करेंगे। सभी निकाय नियमित साफ सफाई, कूड़ा निस्तारण, गार्वेज मुक्ति, सोर्स सेग्रीगेशन पर गम्भीरता से कार्य करेंगे। स्वच्छता मानकों के कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता एवं लापरवाही पर बर्दाश्त नहीं की जायेगी और सख्त कार्यवाही की जायेगी।

शर्मा गुरुवार को जल निगम के फील्ड हास्टल 'संगम', लखनऊ में राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर निकाय कार्यों की वर्चुअल समीक्षा कर रहे थे। विगत दो वर्षों से अधिक समय से निकायों में किये जा रहे कार्यों की मानीटरिंग में शिथिलता रही है। लेकिन अब किसी को भी निकाय कार्यों में शिथिलता की छूट नही होगी। जिस प्रकार से ऊर्जा विभाग में नियमित रूप से लापरवाही पर विद्युत कार्मिकों पर कार्यवाही हो रही है। इसी प्रकार अब निकायों में भी कार्यवाही का दण्ड भुगतने के लिए तैयार रहे।

नगर विकास मंत्री ने कहा कि स्वच्छता कार्यों की नियमित मॉनीटरिंग के लिए सभी निकायों में चेक प्वाइंट बनाये जाए। साथ ही ऐप और आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाए। मुख्यालय स्तर पर भी डीसीसीसी के माध्यम से कार्यों की नियमित मॉनीटरिंग की जाए, जिससे राष्ट्रीय स्वच्छ रैंकिंग में प्रदेश के निकायों के स्तर में सुधार आये। निकायों के वाटर बाडीज, अमृत सरोवरों के जीर्णोद्धार, स्वच्छता, सुंदरता, हरियाली बढ़ाने तथा बुजुर्गो व बच्चों के लिए टैऊक्र पाथ भी बनाने को कहा। इससे वाटर बाडीज को अतिक्रमण से भी मुक्ति मिलेगी और लोगों के लिए दो पल सकून के लिए आश्रय स्थल भी बनेगे। सभी निकायों में नियमित साफ सफाई, डोर टू डोर कूड़ा उठान, कूड़े का निस्तारण, गार्वेज मुक्ति व सोर्स सेग्रीगेसन के लिए प्रयास करेंगे। मैन पावर और मशीनों का बेहतर सदुपयोग हो। जिन निकायों में यूज्ड वाटर प्रोसेसिंग यूनिट कार्य कर रही, उसके प्रोसेस्ड पानी का विभिन्न रूपों में सदुपयोग भी किया जाए। बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने पर ध्यान दिया जाए। मियावाकी गार्डेन का सही से रख रखाव करें, जिससे ये निकायों में आकर्षण का केन्द्र बने। उन्होंने कहा कि सभी निकायों का फीड बैक जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों के माध्यम से मिलता रहता है। सोमवार को ही मुजफ्फरनगर के एक जनप्रतिनिधि ने वहां की साफ सफाई को लेकर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने मुजफ्फरनगर की इओ प्रज्ञा सिंह को बेहतर साफ सफाई कराने के निर्देश दिये। उन्होंने निकाय कार्यों अच्छे से कराने व बेहतर प्रदर्शन कराने के लिए जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों, स्वयंसेवी संस्थाओं व एजेंसियो एवं नागरिकों से भी सुझाव व सहयोग लेने को कहा। उन्होंने सभी निकायों को अपने यहां के एसटीपी एवं एफएसटीपी को क्रियाशील रखने तथा सीवर सिस्टम अच्छे से कार्य करे नियमित निगरानी करने को कहा। सफाई मित्रों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य का सभी निकाय ख्याल रखेगे।

नगर विकास मंत्री ने नगर आयुक्त प्रयागराज को महाकुंभ की तैयारियों में कहीं पर भी चूक न होने तथा सभी कार्य बेहतर तरीके से समयबद्ध रूप से कराने को कहा। जिससे कुम्भ के माध्यम से प्रयागराज की खूबसूरती पूरे देश व दुनिया में फैले। साथ ही स्वच्छ सर्वेक्षण में भी प्रयागराज नगर निगम की स्थिति में राष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग में सुधार देखने को मिले। बैठक में प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात, सचिव नगर विकास अजय कुमार शुक्ला, निदेशक स्थानीय निकाय अनुज कुमार झा, विशेष सचिव सुधाकर सिंह सहित शासन एवं मुख्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे तथा सभी निकायों के नगर आयुक्त एवं अधिशासी अधिकारियों ने वर्चुअल प्रतिभाग किया।

प्रदेश कांग्रेस सेवादल मध्य जोन की कार्यकारिणी का गठन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस सेवादल मध्यजोन के नवनियुक्त अध्यक्ष सुशील तिवारी 'सोनू' ने अपनी कार्यकारिणी गठित कर दी है। उन्होंने अपनी कमेटी में संजीव सिंह एवं प्रेम शंकर द्विवेदी को उपाध्यक्ष तथा अनिल शुक्ला, डी. कादिर बी. 'शिफा, शिरी खान, विवेकानंद चौरसिया, आलेख पाण्डेय, अजय मिश्रा, एवं सूरज शुक्ला को कमेटी में महासचिव बनाया है। कमेटी में आशीष सिंह यादव, अमर सिंह राणा, संतोष द्विवेदी, बबीता आर्या, राम गोपाल दीक्षित, निजाम अहमद, बाल कृष्ण को सचिव तथा मनमीन कौर, अमित द्विवेदी, शबनम खातून सिद्दीकी को संयुक्त सचिव का उत्तर दायित्व सौंपा गया है।अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के अनुमोदनोपरांत रत्नेश शुक्ला को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सेवादल का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही देव नारायण शर्मा को उत्तर प्रदेश कांग्रेस सेवादल का शहर कांग्रेस अध्यक्ष तथा होरी लाल को जनपद हरदोई का अध्यक्ष बनाया गया है।

आकर्षक पर्यटन स्थलों को करें वोट, लखनऊ में 10 स्थानों पर बनाया गया सेल्फी पॉइंटः जयवीर

● पर्यटन मंत्री ने सभी जिलाधिकारियों व मंडलायुक्तों को महाभियान को सफल बनाने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

'देखो अपना देश-पीपल्स चॉइस-2024' महाभियान में प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति को शामिल कराने का लक्ष्य है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 10 स्थानों पर सेल्फी प्वाइंट बनाए गए हैं। यहां लोग क्यूआर कोड स्कैन कर अपने पसंदीदा पर्यटन स्थलों को वोट दे सकते हैं। दूसरे क्यूआर कोड को स्कैन कर अपनी सेल्फी-रील्स आदि पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं। सेल्फी प्वाइंट्स के अलावा सुविधानुसार दूसरी जगह से भी लोग क्यूआर कोड के माध्यम से या सीधे पोर्टल पर वोटिंग कर सकते हैं।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'उत्तर प्रदेश में आम आदमी से लेकर माननीय तक राज्य में स्थित अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल को वोट देंगे। इसके लिए पर्यटन विभाग ने महाअभियान शुरू किया है, जो 25 नवंबर 2024 तक चलेगा। लोग पोर्टल पर डिटेल भरने के बाद अपनी फोटो, रील्स आदि अपलोड कर सकेंगे। इसके लिए क्यूआर कोड बनाया गया है। महाभियान में सबसे अधिक योगदान देने वाले आकर्षक उपहार पाएंगे।

जयवीर सिंह ने बताया कि 'पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के 'देखो अपना देश पीपल्स चॉइस 2024' को प्रदेश सरकार महाभियान के रूप में चला रही है। इसका उद्देश्य आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, भगवान गौतम बुद्ध से जुड़े स्थल, ऐतिहासिक, प्राकृतिक विरासत और वन्यजीव आदि सर्वश्रेष्ठ पर्यटक स्थलों के सबंध में आम लोगों की राय जानना है। ताकि, इन स्थलों को विश्व स्तरीय पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित किया जा सके। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में चारबाग रेलवे स्टेशन, चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, हजरतगंज में हनुमान मंदिर के बगल, बड़ा इमामबाड़ा, रेजिडेंसी, चिड़ियाघर, पर्यटन मंत्री के कैंप कार्यालय, यूपी दर्शन पार्क, लखनऊ विश्वविद्यालय, पर्यटन भवन गोमतीनगर आदि स्थलों पर लगाया गया है। लोग क्यूआर कोड के अलावा पोर्टल पर पर फार्म भर कर अपने पसंदीदा पर्यटन आकर्षण को बता सकते हैं। इसके साथ ही हाल में कहां घूमे हैं, कहां घूमने की योजना बना रहे हैं, इस तरह की अन्य सूचनाएं भी दर्ज करनी होंगी। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश में इसे महाभियान के रूप में चलाया जा रहा है। इसके लिए सामान्य अधिकारी से लेकर मंत्री, सांसद, विधायक अन्य जनप्रतिनिधि, अफसर, छात्र-छात्राएं, पर्यटक सहित अन्य लोगों को भी शामिल किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने शक्तिपीठ मां पाटेश्वरी देवी मंदिर में की पूजा-अर्चना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ बलरामपुर

● बलरामपुर दौरे के दूसरे दिन पर योगी आदित्यनाथ ने की गौ सेवा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय बलरामपुर दौरे के दूसरे दिन गुरुवार को श्री मां पाटेश्वरी शक्तिपीठ मंदिर, देवीपाटन में पूजा-अर्चना की और मंदिर की गोशाला में गौ सेवा की।

उन्होंने मंदिर परिसर में आयोजित धार्मिक गतिविधियों में भाग लिया और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इससे पहले बुधवार शाम को मुख्यमंत्री ने तुलसीपुर स्थित श्री मां पाटेश्वरी शक्तिपीठ मंदिर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। मंदिर के विकास कार्यों की समीक्षा की और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए थे। इस दौरान मंदिर के महंत मिथिलेश नाथ योगी सहित अन्य साधु-संत उपस्थित रहे।

एसडीआरएफ व 10वीं वाहिनी पीएसी बाराबंकी में भी स्थापित होगा पुलिस माडर्न स्कूल

● डीजीपी प्रशांत कुमार ने प्रस्ताव तैयार करने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी प्रशांत कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को पुलिस मुख्यालय में केन्द्रीय निदेशक मण्डल, उप्र पुलिस शिक्षा समिति की बैठक में पुलिस माडर्न स्कूलों से प्राप्त अवसंरचनात्मक एवं प्रशासनिक विकास के प्रस्तावों पर चर्चा की गई। डीजीपी द्वारा बैठक के दौरान विद्यालय भवन की मरम्मत एवं अवसंरचनात्मक विकास के निमित्त प्राप्त सभी प्रस्तावों पर स्वीकृति प्रदान की गयी तथा एसडीआरएफ एवं 10 वीं वाहिनी पीएसी बाराबंकी में पुलिस माडर्न स्कूल स्थापित करने सम्बन्धी प्राप्त प्रस्ताव पर विस्तृत मंथन कर विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने हेतु निर्देशित किया गया।

पुलिस माडर्न स्कूलों को कहा गया कि पुलिस माडर्न स्कूलों में अच्छे फर्नीचर, स्मार्ट क्लासरूम एवं उच्च स्तरीय शिक्षकों की व्यवस्था की जाये। विद्यालयों की रोजमर्रा की आवश्यकताओं के त्वरित समाधान हेतु स्थानीय प्रबन्ध समिति के वित्तीय अधिकारों में बढ़ोत्तरी की गयी। बैठक के दौरान सचिव, उप्र पुलिस शिक्षा समिति एवं पुलिस महानिरीक्षक, पीएसी द्वारा विद्यालयों से प्राप्त प्रस्तावों पर तथ्यगत विवरण प्रस्तुत किया गया, जिसे विचारोपरान्त समिति द्वारा 39वीं वाहिनी पीएसी मीरजापुर, 20वीं पीएसी आजमगढ़, छठी वाहिनी पीएसी मेरठ, 35वीं पीएसी लखनऊ, 15वीं पीएसी आगरा, 38वीं पीएसी अलीगढ़ में संचालित पुलिस माडर्न स्कूलों एवं जनपद मथुरा, इटावा, झाँसी एवं जनपद मुजफ्फरनगर एवं कमिश्नरेट, लखनऊ में संचालित पुलिस माडर्न स्कूलों से प्राप्त प्रस्तावों पर सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी।

अपर पुलिस महानिदेशक पीएसी द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि सभी प्रस्तावों का स्थानीय स्तर पर विधिवत परीक्षण एवं स्थलीय निरीक्षण कराया जा चुका है तथा विद्यालय प्रबन्धकों से वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से प्रस्ताव के औचित्यपर विचार-विमर्श करने के उपरान्त ही प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।

विदित हो कि उप्र पुलिस के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के बच्चों को न्यूनतम शिक्षा शुल्क पर उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 1994 से उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा उप्र पुलिस शिक्षा समिति गठित कर अपने कर्मचारियों के स्वैच्छिक अंशदान से पुलिस माडर्न स्कूल संचालित किये जा रहे हैं जिनमें से 19 विद्यालय विभिन्न पीएसी वाहिनियों में, 11 विद्यालय विभिन्न जनपदों में तथा 1 विद्यालय पुलिस अकादमी मुरादाबाद में संचालित है। अपर पुलिस महानिदेशक पीएसी, उपाध्यक्ष, पुलिस महानिरीक्षक पीएसी, सचिव एवं सदस्य के तौर पर अपर पुलिस महानिदेशक पुलिस मुख्यालय, अपर पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था, अपर पुलिस महानिदेशक / पुलिस महानिदेशक के जीएसओ के साथ-साथ पुलिस महानिरीक्षक स्थापना सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

सपा प्रदेशभर में आज सादगी से मनाएगी मुलायम सिंह यादव की 85वीं जयंती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव की 85वीं जयंती 22 नवम्बर 2024 को प्रदेश में सादगी से मनाई जाएगी। स्व.यादव की स्मृति में 20 नवम्बर 2024 से ही विविध कार्यक्रम प्रारम्भ हो गए हैं। कल गाजियाबाद के इंदिरापुरम में कम्बल वितरण तथा भण्डारा आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी थे। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर आज राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा ने सैफई जाकर मुलायम सिंह यादव के समाधि स्थल पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और मोमबश्री जलाकर नमन किया। नंदा के साथ समाजवादी युवजन सभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास यादव भी थे। समाजवादी शिक्षक सभा की राष्ट्रीय कार्यसमिति द्वारा आज श्रद्धेय नेताजी की 85वीं जयंती विचार गोष्ठी के रूप में मनाई गई। विचार गोष्ठी में मुख्य अतिथि समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर बी. पांडे एवं विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय महासचिव कुलदीप यादव रहे। गोष्ठी उपहार लाल जेहटा माल रोड लखनऊ में हुई।

कार्यक्रम का आयोजन शिक्षक सभा के राष्ट्रीय सचिव डॉ अजयवीर ने किया। विचार गोष्ठी का मुख्य विषय शिक्षा और भारतीय भाषाओं के अग्रदूत नेताजी थे। समाजवादी शिक्षक सभा ने पूरे सप्ताह सेवा सप्ताह के रूप में मनाने का संकल्प लिया है। इस अवसर पर प्रोफेसर बी. पांडे ने कहा कि जब-जब नेताजी सत्ता की कुर्सी पर बैठे, उन्होंने भारतीय भाषाओं के स्तर को ऊंचा उठाने का काम किया, सदैव हिंदी को एक राष्ट्रीय भाषा में पहचान दिलाने का काम किया। कुलदीप यादव ने कहा कि 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार बनाने और श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री की कुर्सी में सत्तासीन करने का संकल्प ले। कार्यक्रम को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ0 रूदल, श्री मणींद्र मिश्र एवं श्री नरेन्द्र सिंह ने भी सम्बोधित किया।

नेताजी की 85वीं जयंती की पूर्व संध्या पर मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड द्वारा रानी लक्ष्मी बाई हॉस्पिटल राजाजीपुरम लखनऊ में मरीजों को फल वितरित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष अनीस राजा, अमित यादव, अजय यादव, बिल्लू पांडेय, अरमान खान, मनोज सिंह, बॉबी धानुक, शिवा ठाकुर, कैफ सिद्दीकी, शाश्वत अग्रवाल, राजा सिंह, हर्षित यादव, सतीश यादव, प्रियांशु पाल, राज यादव, रचित राज, शिवा सिंह, रोहित वर्मा, अजीत सिंह, दीप राज भारती, ध्रुव सिंह एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। 22 नवम्बर 2024 को समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय 19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ में प्रातः नेताजी की जयंती मनाने के बाद सायंकाल मुशायरा-कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

यूपी पुलिस की सबसे बड़ी सिपाही भर्ती की लिखित परीक्षा का परिणाम जारी

● तय पदों के सापेक्ष ढाई गुना अधिक 174316 अभ्यर्थियों को अभिलेखों की जांच और शारीरिक मानक परीक्षण के लिए बुलावा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी सिपाही भर्ती परीक्षा की लिखित परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। चयन परीक्षाओं की शुचिता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुरूप आयोजित इस परीक्षा के घोषित परिणाम के अनुसार, आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए, प्राप्तांकों की श्रेष्ठता के आधार पर निर्धारित पदों के सापेक्ष लगभग ढाई गुना अधिक यानी कुल 1,74,316 अभ्यर्थियों को अगले चरण के लिए अर्ह घोषित किया गया है। यह चयनित अभ्यर्थी अब चयन प्रक्रिया के अगले चरण में अभिलेखों की संवीक्षा और शारीरिक मानक परीक्षण के लिए आमंत्रित किए जाएंगे। यह प्रक्रिया दिसंबर के तीसरे सप्ताह में होगी।उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष राजीव कृष्ण ने बताया कि आरक्षी (नागरिक पुलिस) के पदों पर सीधी भर्ती-2023 के लिए आयोजित इस लिखित परीक्षा में समान कट ऑफ अंक पाने वाले सभी अभ्यर्थियों को अगले चरण की अर्हता सूची में सम्मिलित किया गया है।

अभिलेखों की संवीक्षा और शारीरिक मानक परीक्षण के लिए अर्ह अभ्यर्थियों की सूची बोर्ड की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है, जहां अभ्यर्थी अपनी पंजीकरण संख्या अथवा परीक्षा अनुक्रमांक से अपना परिणामदेख सकते हैं। बोर्ड के अध्यक्ष ने बताया कि अभ्यर्थियों के अभिलेखों की संवीक्षा और शारीरिक मानक परीक्षण की कार्यवाही दिसंबर के तीसरे सप्ताह में होगी, जबकि अभिलेखों की संवीक्षा और शारीरिक मानक प्रशिक्षण में अर्ह अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा जनवरी, 2025 के तीसरे सप्ताह में आयोजित की जाएगी। बोर्ड ने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए चयन से संबंधित अपडेट के लिए नियमित तौर पर बोर्ड की वेबसाइट विजिट करने की अपील की है।

आपत्तियों का समुचित निस्तारण कर जारी किया गया परिणाम

बोर्ड के अध्यक्ष राजीव कृष्ण ने बताया कि चयन बोर्ड द्वारा परीक्षा की सभी 10 पालियों के प्रश्न पत्रों तथा उत्तर कुंजी को 11 सितंबर से 19 सितंबर तक बोर्ड की वेबसाइट पर प्रदर्शित करते हुए अभ्यर्थियों से आपत्तियों आमंत्रित की गईं। सभी स्रोतों से प्राप्त आपत्तियों पर गहन विचार किया गया तथा आवश्यकता अनुसार विषय विशेषज्ञों के पैनल से अभिमत भी प्राप्त किए गए। लिखित परीक्षा के बाद ओएमआर आंसर शीट की स्कैनिंग की कार्यवाही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ संपन्न कराई गई। इसके लिए पर्याप्त मात्रा में सुरक्षाकर्मी और सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए थे। 24 घंटे लाइव मॉनिटरिंग की गई। प्रावधानों के अनुसार स्कैनिंग के बाद अभ्यर्थियों के प्राप्तांकों के प्रसमान्यीकरण की कार्यवाही की गई है।

कई नवाचारों की साक्षी रही परीक्षा

परीक्षाओं की शुचिता के लिए संकल्पित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने पुलिस भर्ती परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और सकुशल संपन्न कराने के लिए हर संभव प्रबंध सुनिश्चित किये थे। तकनीक की मदद, गोपनीयता, और पुख्ता इंतजामों ने ऐसा व्यूह रचा, जिसने नकल माफिया और साल्वर गैंग के मंसूबों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की अहम भूमिका रही। इसके जरिये परीक्षा में किसी भी तरह की धांधली को रोकने में लिए पुख्ता इंतजाम किये गये थे। इसके अलावा न केवल प्रश्नपत्रों की सुरक्षा को मजबूत किया गया, बल्कि उनकी गोपनीयता भी सुनिश्चित की गई। प्रश्नपत्रों को गोपनीय चिन्हों से सुरक्षित किया गया और मल्टी-लेयर पैकेजिंग की गई ताकि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न हो सके। योगी सरकार के मजबूत सुरक्षा उपायों ने नकल माफियाओं के मंसूबों को विफल कर दिया और पुलिस भर्ती परीक्षा को एक सफल और निष्पक्ष आयोजन में तब्दील कर दिया। सीएम योगी की सीधी मॉनीटरिंग से देश की सबसे बड़ी परीक्षा में शुमार पुलिस भर्ती परीक्षा पूरे देश में एक मॉडल बन गयी। 48 लाख से अधिक युवाओं की सहभागिता वाली इस परीक्षा में कई नवाचार अपनाए गए।

राज्यपाल ने बच्चों संग मनाया जन्मदिवस

● मंत्रीगण, विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण और अधिकारियों ने दी शुभकामनाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को राजभवन में बच्चों के साथ अपना जन्मदिवस मनाया। इस अवसर पर राज्यपाल ने बच्चों को भोजन परोसा और उनके साथ खुशियां बांटी। उन्होंने कहा कि बच्चों की मुस्कान से बढ़कर कोई उपहार नहीं है और उनके साथ समय बिताना एक विशेष अनुभव है। यह आयोजन राज्यपाल के सादगी और सेवा भाव का प्रतीक बनकर सभी के लिए प्रेरणादायक रहा।

राज्यपाल ने बच्चों से बातचीत करते हुए उनकी शिक्षा, रुचियों और सपनो के बारे में जाना। बच्चों ने भी राज्यपाल को अपने हाथों से बनाए हुए पेंटिंग, पत्र और कार्ड उपहार स्वरूप भेंट किए। राज्यपाल ने बच्चों के हुनर की सराहना की। उन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले राजभवन के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद दिया और कहा कि ऐसे आयोजन न केवल खुशी का माध्यम बनते हैं, बल्कि बच्चों के साथ जुड़ाव बढ़ाने का भी एक सुंदर अवसर प्रदान करते हैं। इस अवसर पर प्रदेश के मंत्रीगण विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति और राजभवन के अधिकारियों/कर्मचारियों ने राज्यपाल जी को जन्मदिवस की अनंत शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने सभी से मिले स्नेह और शुभकामनाओं के लिए आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव, राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ. पंकज एल. जानी सहित राजभवन के अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को राजभवन जाकर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

एलडीए में हुआ जनता अदालत का आयोजन 41 प्रकरणों में से 13 का मौके पर हुआ निस्तारण

लखनऊ। एलडीए के प्राधिकरण दिवस व जनता अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान नामांतरणए रजिस्ट्री, फ्री.होल्ड व अवैध निर्माण आदि से सम्बंधित कुल 41 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 13 प्रकरणों का निस्तारण कर दिया गया। शेष प्रकरणों के निस्तारण के संबंध में प्राधिकरण के उपाध्यक्ष व सचिव द्वारा समय.सीमा निर्धारित करते हुए अधिकारियों को कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। एलडीए में जनता अदालत में एलडीए उपाध्यक्ष ने फरियादियों की समस्याओं को सुनकर निस्तारण किया। अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि जन सामान्य एवं आवंटियों की समस्याओं एवं उनके कार्यों को त्वरित गति से शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित किये जाने के उद्देश्य से गुरूवार को प्राधिकरण भवन के पारिजात सभागार में प्राधिकरण दिवस/जनता अदालत का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय दत्तकग्रहण जागरूकता माह कान्क्लेव-2024 का हुआ आयोजन

लखनऊ। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में महिला एवं बाल विकास विभाग उप्र द्वारा प्रत्येक वर्ष मनाये जाने वाले राष्ट्रीय दत्तकग्रहण जागरूकता माह के अंतर्गत प्रदेशव्यापी कान्क्लेव- 2024 का आयोजन बुधवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में किया गया। कान्क्लेव दत्तकग्रहण तथा फोस्टर केयर के माध्यम से बड़े बच्चों को पुनर्वासन के थीम पर आधारित था। कान्क्लेव के माध्यम से प्रदेश में दत्तकग्रहण तथा फोस्टर केयर के माध्यम से बड़े बच्चों के पुनर्वास को सकारात्मक बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। कान्क्लेव में राज्य मंत्री, महिला एवं बाल विकास, भारत सरकार, सावित्री ठाकुर, मंत्री, महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार, उप्र, बेबी रानी मौर्या, अध्यक्ष, राज्य महिला आयोग, उप्र बबीता सिंह चौहान तथा उपाध्यक्ष, राज्य महिला आयोग, उप्र अपर्णा यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। कान्क्लेव के दौरान सावित्री ठाकुर ने कहा कि दत्तक-ग्रहण जागरूकता अभियान 2024 के अंतर्गत हम 6 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों के पालन-पोषण विषय पर वार्षिक कॉनक्लेव का आयोजन कर रहे हैं। उप्र सरकार की सहायता से राजधानी लखनऊ में हमारे हितधारक और माता-पिता एकत्रित हुए हैं। यहाँ हम दत्तक परिवारों से चर्चा कर बच्चों को गोद लेने के उनके अनुभवों के बारे में जान रहे हैं, वहीं हम अपने हितधारकों के साथ कानूनी दत्तक-ग्रहण की सभी प्रक्रियाओं पर परिचर्चा कर रहे हैं। उन्होंनें कहा कि इस बार हमारे पूरे अभियान का थीम फॉस्टर केयर और फोस्टर अडॉप्शन के ज़रिए बड़ी उम्र के बच्चों का पुनर्वास है। 6 साल से अधिक उम्र के बच्चे जिनका अडॉप्शन आसानी से नहीं हो रहा, उनके लिए हमारे सिस्टम में फोस्टर केयर का एक विकल्प मौजूद है। इस विकल्प के ज़रिए 'नो विज़िटेशन' और 'अनफ़िट गार्डियन्स/पेरेंट्स' की श्रेणी के अंतर्गत आने वाले बच्चों को अस्थायी पारिवारिक देखरेख प्रदान की जाती है। मंत्री बेबी रानी मौर्या ने अपने संबोधन में कहा कि बाल संरक्षण उत्तर प्रदेश सरकार के लिए प्राथमिकता का विषय रहा है। महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान ने कहा बच्चा दत्तकग्रहण के माध्यम से एक परिचित वातावरण में रहे और भाषाई या सामाजिक-सांस्कृतिक स्तर पर बड़ी चुनौतियाँ ना पेश करे, यह आवश्यक है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग लीना जौहरी ने विभागीय गतिविधियों की विस्तार से जानकारी प्रदान की। कान्क्लेव में सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार, अनिल मलिक, संयुक्त सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार, प्रीती पन्त, सदस्य सचिव, कारा, भावना सक्सेना सहित प्रदेश में गठित बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष व सदस्य, चिकित्सा विभाग के पदाधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के पदाधिकारी, यूनिसेफ, चाइल्ड हेल्प लाइन, जिला बाल संरक्षण इकाई, देखरेख संस्थाओं तथा विशेषिकृत दत्तक ग्रहण अभिकरणों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बीज भण्डार पर पहुंचा अतिरिक्त आवंटन, किसानों में बंटा 150 कुंतल गेहूं का बीज

मोहनलालगंज। बीज की किल्लत से राजकीय कृषि बीज भण्डार के चक्कर काट रहे किसानों को गुरुवार को राहत मिल गई। जिला कृषि अधिकारी की पहल पर किसानों को डेढ़ सौ कुंतल बीज वितरित किया गया। हालांकि अभी भी कई किसान बीज का अतिरिक्त आवंटन करने की मांग कर रहे हैं। मोहनलालगंज ब्लॉक के राजकीय कृषि बीज भण्डार में तकरीबन 10 दिन से गेहूं के नए बीज की किल्लत थी। लिहाजा बुवाई के लिए प्रतिदिन कई किसान राजकीय बीज भण्डार के चक्कर काट रहे थे।

निर्माणाधीन बिल्डिंग भरभरा कर गिरी, दबे कई मजूदर

लखनऊ। नाका क्षेत्र के राजेंद्रनगर में गुरुवार दोपहर रो हाउस निर्माण के दौरान मिट्टी धसकने से तीन मजदूर दबे गए। चीख पुकार मचने पर ठेकेदार और मजदूरों ने घायलों को बाहर निकाल कर इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया। एलडीए अफसरें मौके पर पहुंचे। संबंधित बिल्डिंग का निर्माण मानकों को ताख पर रखकर बिल्डिंग बनायी जा रही थी। सेफ्टी मानकों का ख्याल न रखने पर भरभराई कर बिल्डिंग गिर गयी। नाका क्षेत्र के राजेंद्रनगर नवयुग कॉलेज रोड निवासी वैभव गुप्ता प्लॉट संख्या 303 में रोहाउस का निर्माण करा रहे हैं। करीब दस दिन से बेसमेंट खुदाई का काम चल रहा था। अचानक निर्माधीन बहुमंजिला बिल्डिंग भरभरा गयी। बिल्डिंग गिरने से कामगार मजदूर अंदर फंस गए। मजदूरों के फंसने के बाद वहां अफरा तफरी का माहौल मच गया। तुरंत स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया जिसके बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ। पुलिस के आने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ और उसके बाद काफी मशक्कत से तीनों मजदूरों को मलबे से बाहर निकाला जा सका। बाहर निकालने के बाद मजदूरों को तुरंत बलरामपुर अस्पताल भेजा गया,जहां उनका इलाज जारी है। प्राथमिक जांच में बेसमेंट की बेतरतीब हुई खुदाई को दुर्घटना की वजह बताई जा रही है। घटना होने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि ऐशबाग पुल के पास राजेन्द्र नगर में एक दीवार गिर गयी है, जिसके मलबे के नीचे 3 व्यक्ति दब गये हैं। इस सूचना पर तुरंत नाका थाने की पुलिस और एलडीए के अधिकारी मौके पर पहुंची और मलबे के नीचे से तीनों घायल व्यक्तियों को निकाला गया, जो व्यक्ति घायल हैं वो सभी सीतापुर के रहने वाले हैं। एलडीए सूत्रों की मानें तो मानकों को ताख पर रखकर बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा था। जबकि इसके लिए जरूरी सेफ्टी संबंधी उपाय नही ंकिए गए थे। इसमें एक का नाम दयालू है तो दूसरे का नाम सरोज है और तीसरा सरोज की पत्नी फूलमती है। इन सभी को पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से निकाल कर इलाज के लिए एंबुलेंस से बलरामपुर अस्पताल भिजवाया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

राधा गौशाला का प्रमुख सचिव ने किया निरीक्षण, खिलाया गुड़

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

इंदिरानगर में नगर विकास के प्रमुख सचिव द्वारा जरहारा स्थित राधा गौशाला का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरा प्रमुख सचिव द्वारा श्वान बंधयाकरण केंद्र और राधा गौशाल की देख रेख और बेहतर करने का निर्देश दिया गया। प्रमुख सचिव द्वारा मुख्य अभियंता कों विश्व स्तरीय ट्रेनिंग सेंटर बनाने के लिए निर्देश दिए गए। साथ ही साथ वर्तमान ए बी सी सेंटर के सौंदर्यीकरण कर उच्चकृत करने के लिए निर्देशित किया गया।

प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात और विशेष सचिव नगर विकास महेंद्र बहादुर सिंह ने नगर निगम के संचालित इंदिरानगर के जरहरा स्थित श्वान बंध्याकरण केंद्र का निरीक्षण किया, जिसका संचालन ह्यूमन सोसाइटी इंटरनेशनल इंडिया संस्था द्वारा किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने प्रस्तावित एनिमल बर्थ कण्ट्रोल ट्रेनिंग सेंटर की प्रगति के विषय में स्थालीय निरिक्षण कर जानकारी ली। मुख्य अभियंता महेश वर्मा कों विश्व स्तरीय ट्रेनिंग सेंटर बनाने के लिए निर्देश दिए। साथ ही साथ वर्तमान ए बी सी सेंटर के सौंदर्यीकरण कर उच्चकृत करने के लिए निर्देशित किया, प्रमुख सचिव ने सम्पूर्ण एबीसी कार्यक्रम की जानकारी ली और निर्देशित किया कि सार्वजनिक स्थलों, पार्को, स्कूल, कॉलेज के आस पास सघन कार्यक्र म चलाया जाय और स्कूल के बच्चों और वेटरीनरी कॉलेज के बच्चों की एक्सपोज़र विजिट कराई जाय जिससे उन्हें भी प्रक्रि या और एबीसी कार्यक्रम की जानकारी हो सके। प्रमुख ने क्रिया संस्था के एप के विषय में जानकारी ली कि कैसे उसी स्थल पर बंध्याकरण पश्चात वापस छोड़ा जाता है।

श्वानों के रखरखाव की व्यवस्था कों संतोषजनक पाया और अधिक बंध्याकरण करने पर बल दिया। नगर निगम ने 2019 से वर्तमान तक 84500 श्वानों का सफल बंध्याकरण और टीकाकरण किया जा चुका है, श्वानों की कुल संख्या अनुमानित 1,10000 के आस पास है। इसके बाद प्रमुख सचिवालय ने राधा उपवन गौशाला का निरीक्षण किया।

गौशाला में गायों की सेहत देखकर प्रमुख सचिव ने अति प्रसन्ता व्यक्त की। उनके द्वारा गायों कों गुड़ भी खिलाया गया और फोटोग्राफ भी खींचे गए और राधा उपवन गौशाला और गोवंश फेटो नगर विकास के पोर्टल पर अपलोड किये जाने के लिए निर्देशित किया। पशुओं पर आरोपित जुर्माना की जानकारी ली और निर्देश दिए कि पशुपालको से ऑनलाइन जुर्माना लेने की व्यवस्था विकसित की जाए और पशुओं कों दूध देने के उपरांत खुला छोड़ने पर अधिकतम जुर्माना लिया जाय। गौशाला के सौंदरियकरण के लिए मुख्य अभियंता कों निर्देशित किया। निरीक्षण के समय एबीसी मॉनिटरिंग कमिटी की राज्य सदस्य गौरी मुलेखी, अपर निदेशक मो असलम अंसारी, अपर नगर आयुक्त डॉ अरविन्द राव, मुख्य अभियंता महेश वर्मा, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह, पशु कल्याण अधिकारी डॉ अभिनव वर्मा सहित कई अधिकारी कर्मचारी उपस्थिति रहे।

लोगों को भटकने से मिला छुटकारा, खतौनी में अंश निर्धारण की त्रुटियां होंगी दूर

मोहनलालगंज। खतौनी में अंश निर्धारण के दौरान हुई त्रुटियां दूर कराने के लिए अब लोगों को तहसील के चक्कर काटने से छुटकारा मिल सकेगा। राजस्व परिषद ने इसके लिए पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की सुविधा मुहैया करा दी है। आवेदन पर लेखपाल और राजस्व निरीक्षक की जांच रिपोर्ट को तहसीलदार से अनुमति मिलते ही खतौनी पर अंश निर्धारण सम्बन्धित त्रुटि दुरुस्त कर दी जाएगी। खतौनी से अंश निर्धारण के दौरान हुई गलतियां दूर करने के लिए राजस्व परिषद ने भूलेख पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की सुविधा दे दी है। अंश निर्धारण सम्बन्धित त्रुटियां दूर कराने के लिए ऑनलाइन आवेदन किसान के साथ ही लेखपाल और राजस्व निरीक्षक स्वयं भी कर सकेंगे। तहसीलदार शशांक नाथ उपाध्याय ने बताया पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्राप्त होते ही लेखपाल और राजस्व निरीक्षक से जांच रिपोर्ट मांगी जाएगी।

एलडीए ने ट्रांसपोर्ट नगर में चलाया अभियान पांच अवैध व्यावसायिक बिल्डिंग सील

लखनऊ। एलडीए द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर में अवैध बिल्डिंग पर सीलिंग कार्रवाई की गयी। विहित प्राधिकारी द्वारा अवैध बिल्डिंग बिना मानचित्र पास कराए बनाए जाने पर नोटिस देकर सीलिंग के आदेश दिए गए थे। आदेश पर प्रवर्तन टीम द्वारा गुरूवार को सरोजनी नगर के ट्रांसपार्ट नगर में अभियान चलाया। बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्मित की जा रहीं 5 व्यावसायिक बिल्डिंग को सील किया गया। ट्रांसपोर्ट नगर में एलडीए ने पांच बिल्डिंगों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की। प्रवर्तन जोन.2 के जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह ने बताया कि संजय सिंह व अन्य द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर में भूखण्ड संख्या.जी.1/123 पर लगभग 430 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अवैध रूप से व्यावसायिक गोदाम का निर्माण करवाया जा रहा था। इसी तरह नरेश खेतान, सुनीता खेतान, मनीष अग्रवाल व अन्य द्वारा भूखण्ड संख्या.सी.1/17 पर लगभग 865 वर्गमीटर क्षेत्रफल में व्यावसायिक भवन का निर्माण कराया जा रहा था। अमित सिंहए दुर्गा प्रसाद तिवारी व अन्य द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर के फेस.2 में भूखण्ड संख्या.एमजी.4 पर लगभग 150 वर्गमीटर क्षेत्रफल में व्यावसायिक भवन का निर्माण करवाया जा रहा था। प्रदीप कुमार द्वारा भूखण्ड संख्या.ई.22 पर लगभग 450 वर्गमीटर क्षेत्रफल में वेयर हाउस का निर्माण करवाया जा रहा था। सबज्ञान इन्फ्रास्ट्रक्चर एलएलपी के ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह द्वारा भूखण्ड संख्या.ई.59 पर लगभग 919 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बिल्डिंग का निर्माण करवाया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना किये जा रहे इन पांच निर्माण कार्यों के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। अवर अभियंता प्रमोद कुमार पाण्डेय व भरत पाण्डेय द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से इन सभी अवैध निर्माणों को सील कर दिया गया।

डीआरटी के पीठासीन अधिकारी पर लगे आरोपों की जांच सीबीआई को

● हाईकोर्ट ने 15 दिन में कार्रवाई की रिपोर्ट भी तलब की

लखनऊ (विधि संवाददाता)। हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने ऋण वसूली अधिकरण (डीआरटी) के एक तत्कालीन पीठासीन अधिकारी के खिलाफ लगे आरोपों की जांच का आदेश सीबीआई को दिया है। पीठ ने इसके साथ ही सीबीआई से 15 दिन में कृत कार्रवाई की रिपोर्ट भी तलब की है। मामले की अगली सुनवाई 10 दिसंबर को होगी। जस्टिस पंकज भाटिया की एकल पीठ ने यह आदेश बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से दाखिल एक याचिका पर दिया है। याचिका में कहा गया है कि 18 सितंबर 2024 को इस मामले की सुनवाई कर रहे एक तत्कालीन पीठासीन अधिकारी ने बैंक के विरुद्ध व निजी प्रतिवादियों के पक्ष में आदेश पारित किया। जबकि उस दिन पीठासीन अधिकारी कोर्ट में बैठे ही नहीं। इस अनियमितता को दूर करने के लिए पीठासीन अधिकारी ने 27 सितंबर 2024 को एक कोरिजेण्डम आदेश जारी करते हुए कहा कि 18 सितंबर 2024 के आदेश को 24 सितंबर 2024 का आदेश पढ़ा जाए। दलील दी गई कि 24 सितंबर को बैंक का मुकदमा सूचीबद्ध ही नहीं था और 24 सितंबर का कोरिजेण्डम आदेश भी रिकॉर्ड पर नहीं था। 27 सितंबर को ही उक्त पीठासीन अधिकारी सेवानिवृत हो गए। पीठ ने सुनवाई करते हुए डीआरटी के रजिस्ट्रार से रिपोर्ट तथा सम्बंधित रिकॉर्ड तलब किया। पीठासीन अधिकारी के स्टेनोग्राफर से जानकारी लेने को कहा कि 18 सितंबर 2024 को क्या उससे कोई आदेश लिखवाया गया था। पीठ के इस आदेश के अनुपालन में रजिस्ट्रार ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि 18 सितंबर को स्टेनोग्राफर को आदेश नहीं लिखवाया गया था तथा 27 सितंबर का कोरिजेण्डम भी आउटसोर्स स्टेनोग्राफर से लिखवाया गया। पीठ ने यह भी पाया कि पूर्व में दो और याचिकाओं में उसी पीठासीन अधिकारी पर गंभीर आरोप लग चुके हैं, एक मामले में केंद्र सरकार को जांच का आदेश दिया गया था। दूसरे मामले में उक्त अधिकारी के समक्ष सुनवाई रोक दी गई थी। एकल पीठ ने सभी परिस्थितियों को देखते हुए सीबीआई को मामले की जांच करने व किसी के दोषी पाए जाने पर आरोप पत्र दाखिल करने का आदेश दिया।

कानूनगो ने एसडीएम कोर्ट में भेजी रिपोर्ट, खतौनी में दिव्यांग का हिस्सा होगा दर्ज

मोहनलालगंज। खतौनी में दिव्यांग किसान का हिस्सा अंकित करने के लिए राजस्व कर्मियों ने आखिरकार गुरुवार को एसडीएम कोर्ट में रिपोर्ट भेज दी। अब सुनवाई के बाद जल्द ही किसान की खतौनी में की गईं त्रुटि दूर कर दी जाएगी। मोहनलालगंज के दहियर निवासी दिव्यांग किसान श्रीकान्त पाण्डेय की रियल टाइम खतौनी में उनकी जमीन का बचा हुआ हिस्सा ही गायब कर दिया गया। जरूरत पड़ने पर किसान ने खतौनी निकलवाई तो उनके पैरों तले की जमीन खिसक गई। किसान श्रीकान्त पाण्डेय ने शनिवार को ही सम्पूर्ण समाधान दिवस में पूरे मामले की शिकायत अधिकारियों से की। लेकिन राजस्व निरीक्षक पांच दिन तक किसान की अर्जी दबाए रखी। गुरुवार को पायनियर में प्रमुखता से खबर प्रकाशित होने के बाद आनन फानन मामले की जांच रिपोर्ट अधिकारियों को भेजी गई।

लखनऊ मेट्रो के कर्मचारियों ने 48 हजार रुपयों से भरा बैग यात्री को किया वापस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ मेट्रो की सतर्क सुरक्षा व्यवस्था और स्टेशन परिसरों एवं ट्रेनों में लगे अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरों की सहायता से यात्रियों का खोया हुआ सामान सही हाथों तक शीघ्रता से लौटाया जा रहा है। सचिवालय मेट्रो स्टेशन पर एक यात्री के सफेद रंग का पेपर बैग, जिसमें 48,177 नगद और अन्य सामग्री ;इटैलियन साबुन का पैक, गुलाब, बिल, बॉक्स और कुछ लिफाफे शामिल थे, मेट्रो कर्मचारियों द्वारा सुरक्षित यात्री को वापस सौंप दिया गया।

गुरूवार को सचिवालय मेट्रो स्टेशन पर हुई एक घटना में कर्मचारियों के ऐसे ही व्यवहार ने एक यात्री का खोया हुआ बैग लौटाकर उनके चेहरे पर मुस्कान वापस लौटा दी। सचिवालय मेट्रो स्टेशन पर यात्री का खोयार बैग वापस मिल गया। राजाजीपुरम, आवास विकास के राकेश चंद्र श्रीवास्तव सचिवालय से सीसीएस एयरपोर्ट तक मेट्रो से यात्रा के दौरान सुरक्षा जांच के दौरान अपना बैग स्टेशन पर ही भूल गए। बैग की सूचना मिलने पर स्टेशन कंट्रोलर ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आवश्यक औपचारिकताओं के बाद बैग के मालिक राकेश चंद्र श्रीवास्तव को सौंप दिया। यात्री ने बैग में अपने 48,177 नगद सुरक्षित पाकर मेट्रो कर्मचारियों की ईमानदारी और तत्परता के लिए आभार व्यक्त किया। विदित हो कि लखनऊ मेट्रो की टीम हर परिस्थिति में यात्रियों की सहायता के लिए पूरी प्रतिबद्धता से खड़ी रहती है। लखनऊ मेट्रो की लॉस्ट एंड फ ाउंड सेल ने यात्री सेवाएं शुरु होने के बाद से अब तक लगभग 43 लाख रूपए नगद 192 लैपटॉप और 720 स्मार्टफोन यात्रियों को सुरक्षित लौटाए हैं। इस अवसर पर उप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लि. (यूपीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कहा किए यात्रियों की जानमाल की सुरक्षा एवं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना हमारी टीम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। लखनऊ मेट्रो का हर कोना सीसीटीवी की निगरानी में है। लखनऊ मेट्रो के सभी स्टेशनों पर 50 से 60 एवं ट्रेनों में 24 सीसीटीवी कैमरों की मदद से कड़ी निगरानी रखी जाती है। हम इसी तरह यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं देने की दिशा में लगातार प्रयासरत रहेंगे।

मुंशीपुलिया चौराहे का नाम मुलायम सिंह यादव के नाम पर रखने की मांग

लखनऊ। महानगर अध्यक्ष व सपा पार्षद दल सहित अन्य सदस्यों के प्रतिनिधि मंडल द्वारा महापौर से भेंट की गयी। प्रतिनिधि मंडल द्वारा मुंशीपुलिया के चौराहे क ा नाम पूर्व सीएम पद्म विभूषण से अलंकृत सपा प्रमुख केनाम पर रखने के नाम की है। सपा लखनऊ महानगर के प्रतिनिधिमंडल ने महापौर सुषमा खर्कवाल से मुलाकात की। सपा महानगर अध्यक्ष फखिर सिद्दीकी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने शहर के प्रमुख चौराहों पर मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा लगवाने तथा चौराहों के नाम नेताजी के नाम पर करने की मांग की। इंदिरानगर स्थित मुंशीपुलिया चौराहे का नाम नेताजी के नाम पर किया जाए। यहां उनकी प्रतिमा लगवाई जाए। इस्माइलगंज. प्रथम वार्ड का नाम बदलकर पद्म विभूषण नेता जी मुलायम सिंह यादव के नाम पर कर दिया जाए। महासचिव इरशाद अहमद गुड्डू, मीडिया प्रभारी गौरव सिंह यादव, कामरान बेग, पूर्व पार्षद दल नेता यावर हुसैन रेशू, वरिष्ठ पार्षद शफीकुर्रहमान, प्रदेश सचिव प्रदीप कन्नौजिया शामिल थे।

काबू में रहेंगे दाम, चाइनीज लहसुन की तस्करी पर लगेगी लगाम

● बढ़ेगा देशी लहसुन का उत्पादन, अच्छे बीज से सुधरेगी उपज और गुणवत्ता

लखनऊ। देशी लहसुन का उत्पादन बढ़ेगा। मांग और आपूर्ति में संतुलन रहने पर कीमतें काबू में रहेंगी। ऐसे में चीन से जरिए तस्करी आने वाले लहसुन की इंट्री अपने आप बंद हो जाएगी। चूंकि भारत लहसुन का निर्यात भी करता है। ऐसे में उत्तर प्रदेश के किसानों को भी निर्यात की संभावनाओं का लाभ मिलेगा। योगी सरकार इसके लिए प्रदेश में वैश्विक स्तर की बुनियादी संरचना (एक्सप्रेस वेज) तैयार कर चुकी है। साथ ही जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास ही सरकार किसानों और बागवानों के हित में एक्सपोर्ट हब की भी स्थापना कर रही है। इसे कहते हैं,एक तीर से कई निशाने।

प्याज और लहसुन एक दूसरे के पूरक हैं। भोजन की लज्जत बढ़ाने में दोनों का समान रूप से महत्व है। रही औषधीय गुणों की बात तो लहसुन,प्याज पर भारी पड़ता है। बावजूद इसके प्याज की तुलना में लहसुन को सुर्खियां कम मिलती हैं। अलबत्ता देशी लहसुन की कीमतों के आसमान छूने पर चाइनीज लहसुन की तस्करी पर इसे थोड़ी सुर्खियां मिल जाती हैं। इस साल ही लहसुन 400 रुपए प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड भाव पर बिका। लहसुन की मंहगाई की वजह से आम आदमी की भोजन की लज्जत प्रभावित न हो इसके लिए योगी सरकार एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत विशेष योजना के तहत लहसुन की खेती को बढ़ावा दे रही है।

योजना के तहत प्रदेश में प्रति हेक्टेयर 30,000 रुपये की अनुमान्य इकाई लागत तय की गई है। इसमें किसानों को प्रति हेक्टेयर अधिकतम 12,000 रुपये (40 फीसद)का अनुदान दिया जाएगा। योजना के तहत करीब 10,000 हेक्टेयर अतिरिक्त रकबे पर किसानों को लहसुन की खेती को विस्तार देना है। किसी भी फसल की उत्पादकता में गुणवत्तापूर्ण बीज का योगदान करीब 25 फीसद होता है। इसीलिए सरकार ने फैसला लिया है कि किसानों को बीज राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, (नई दिल्ली)द्वारा किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। एक किसान न्यूनतम 0.2 हेक्टेयर और अधिकतम 4.0 हेक्टेयर तक लहसुन की खेती पर योजना का लाभ ले सकता है। बीज की कीमत 370 से 390 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच रखी गई है।

किसान इस योजना का लाभ प्रथम आवक-प्रथम पावक के आधार पर प्राप्त कर सकते हैं। इच्छुक किसानों को अपने जनपद के जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में संपर्क करना होगा। इसके साथ ही, किसान योजना में पंजीकरण करने के लिए विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर भी ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। परंपरागत रूप में उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर लहसुन की खेती मध्य प्रदेश और राजस्थान से लगे कुछ जिलों में होती है। सरकार ने इसे विस्तार देते हुए 45 जिलों को खेती के लिए चुना है। इन जिलों में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बुलन्दशहर, गाजियाबाद, बरेली, मुरादाबाद, आगरा, मथुरा, मैनपुरी, हाथरस, कानपुर, इटावा, कन्नौज, लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, रायबरेली, बाराबंकी, सुल्तानपुर, प्रयागराज, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, बस्ती, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, बलिया, कुशीनगर, महराजगंज, बांदा, हमीरपुर, जालौन, चित्रकूट, महोबा, ललितपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र, भदोही, गोरखपुर, झांसी, अयोध्या एवं फर्रूखाबाद शामिल हैं।इस योजना में आने वाले खर्च का 60 फीसद केंद्र और 40 प्रतिशत राज्य सरकार वहन करेगी। अक्टूबर के लास्ट से नवंबर तक लहसुन की बुआई की जाती है। बुआई के करीब दो से तीन हफ्ते में इसकी पत्तियां इस्तेमाल योग्य हो जाती है। अगले दो तीनमहीने तक मन करे तो इन पत्तियों का चटनी बनाएं या तड़के के लिए इस्तेमाल करें। फसल परिपक्व होने पर इसके बल्ब का कायदे से भंडारण कर साल भर इसका उपयोग कर सकते हैं। इसका आचार और पेस्ट भी बनाया जा रहा सकता है।

भाजपा का केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन

सीएम आवास विवाद

● पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए, कई नेता हिरासत में, रिहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वीरेन्द्र सचदेवा की अगुवाई में पार्टी कार्यकताओं ने केजरीवाल आवास के बाहर प्रदर्शन करते हुए। फोटो: रंजन डिमरी

6 फ्लैग स्टाफ रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास की साज सज्जा का मामला फिर गहरा गया है। इस मामले को लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा की अगुवाई में पार्टी कार्यकताओं ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल आवास के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया और शीशमहल बंगले के निर्माण में साज सज्जा और उपलब्ध सुविधाओं की उच्चस्तरीय जांच की मांग की।

भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में बृहस्पतिवार को अशोका रोड पर एकत्र हुए और वहाँ से पूर्व मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल के फिरोजशाह रोड स्थित निवास की तरफ नारे लगाते हुए आगे बढ़े लेकिन पुलिस ने पहले ही उन्हें बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक दिया। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारी बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश तो पुलिस पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले संसद मार्ग थाने ले गई जहां से कुछ देर बाद प्रदर्शनकारियों को चेतावनी देकर छोड़ दिया।

इस दौरान वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि वह पहले दिन से इस बात को कह रहे हैं कि यह शीशमहल बंगला जनता की करोड़ों रुपये की गाढ़ी कमाई के गबन का नतीजा है और भ्रष्टाचार का प्रतीक है क्योंकि उन्होंने कभी नहीं सुना है कि सोने का कमोड होता है। जब केजरीवाल को पीडब्ल्यूडी द्वारा मकान दिया गया था तब पीडब्लूडी ने इन्वेंटरी में सिर्फ एक पेज में ही सारे सामानों का लेखा जोखा बनाया था लेकिन आज जब इनसे मकान वापस लिया गया है तो आठ पेज भी इन्वेंटरी बनाने को कम पड़ गए हैं।

सचदेवा ने दावा किया कि सोने का कमोड, सोने की वाश बेसिन, चाँदी का डिनर सेट और 50 लाख की कालीन, आठ लाख के पर्दे करोड़ों रुपये के पत्थर और सभी कमरों में ही नही टायलेट में भी बॉस के स्पीकर लगाने का काम अरविंद केजरीवाल ने किया है।

सवाल है कि जब पीडब्लूडी ने सोने की टायलेट सीट सहित यह सारा कीमती सामान नहीं लगाया तो आखिर ये सामान कहाँ से आया है। साथ ही अरविंद केजरीवाल जो आम आदमी बनने का नाटक करते हैं उनके पास इतने पैसे कहाँ से आए। उन्होंने कहा कि एक ऐसे व्यक्ति के घर में 12 गोल्ड टॉयलेट सीट का लगना जो खुद को आम आदमी कहता हो काफी हैरान करने वाली है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को सलाह है कि जल्दी से 12 टॉयलेट सीट का हिसाब दें नहीं तो भाजपा कार्यकर्ता अपना आंदोलन और तेज करेंगे।

सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल ने जो शीशमहल बनवाया उसके लिए उन्होंने नक्शा तक नहीं पास करवाया और साथ ही दर्जनों पेड़ अवैध रूप से कटवा दिया। दिल्ली में कोई छोटा सा घर भी बनाता है तो तुरंत नोटिस आ जाता है और उसे तुड़वा दिया जाता है लेकिन केजरीवाल ने अपने शीश महल बनाने में किसी भी नियम का पालन नहीं किया।

पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि जिस प्रकार से वह इन्वेंटरी पीडब्लूडी के अधिकारी ने जारी की है वह बेहद चौंकाने वाली है।

गहलोत ने कहा उन्होंने अपने आवास में रह कर आम आदमी पार्टी में राजनीति की। वह आम आदमी हैं मंत्री के नाते मुझे जो सरकारी बंगला मिला था उसमें न मैं रहा ना ही मैंने उसे देखा। इस मौके पर सांसद योगेन्द्र चांदोलिया, मनोज तिवारी, कमलजीत सहरावत, नेता प्रतिपक्ष विजेन्द्र गुप्ता, राजकुमार आनंद, प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल सहित वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

47 सिख दंगा पीड़ितों को मिला नियुक्ति पत्र

● 6 नामांकित उत्तराधिकारियों को भी दिए जाएंगे नियुक्ति प्रस्ताव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर में 1984 के सिख विरोधी दंगों के 47 पीड़ितों को नियुक्तियों के प्रस्ताव वितरित किए। इसके अलावा अंतरिम अवधि के दौरान उन लाभार्थियों के नामांकित उत्तराधिकारियों को 6 अतिरिक्त ऐसे पत्र जारी किए जाएंगे जिनकी सेवा की आयु अधिक हो गई है। यह कदम चार दशकों के विलंब के बाद तब सामने आया है, जब हाल ही में एलजी ने सिख विरोधी दंगा पीड़ितों की भर्ती के लिए योग्यता में छूट को मंजूरी दी थी। प्रक्रियात्मक देरी और असंवेदनशीलता और लालफीताशाही के कारण, दशकों से लंबित इस निर्णय ने उम्मीदवारों के एक बड़े समूह को इसके लिए पात्र बनाया है और अपने लिए रोजगार सुरक्षित करने में सक्षम बनाया है।

इस अवसर पर कॉलोनी के लोगों को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने घोषणा की कि नियुक्तियों के लिए आवेदनों के शेष 437 मामलों का सत्यापन किया जा रहा है और राजस्व विभाग को इन आवेदनों के निपटान के लिए जल्द से जल्द विशेष शिविर लगाने का निर्देश दिया गया है। इस कॉलोनी में मुख्य रूप से 1984 के सिख विरोधी दंगा पीड़ित ही रहते हैं।

एलजी ने कहा कि यह घटना, किसी भी दूसरी चीज से अधिक संतुष्टि का पल है, क्योंकि आखिरकार इससे उन्हें न्याय मिला। उन्होंने यह भी घोषणा की कि सिख विरोधी दंगा पीड़ितों की आवासीय कॉलोनी, जिसे दुखद रूप से 'विधवा कॉलोनी' कहा जाता था, का नाम स्थानीय निवासियों की सिफारिशों के अनुसार बदला जाएगा। मालूम हो कि विभिन्न समूह, जन प्रतिनिधि, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति और पीड़ितों के एक प्रतिनिधिमंडल ने पिछले महीने उपराज्यपाल से मुलाकात कर उनसे भर्ती के लिए, उन सभी पात्र आवेदकों पर विचार करने का अनुरोध किया था, जो या तो उम्रदराज हो चुके हैं या जिनका निधन हो चुका है। इसके बाद, सक्सेना ने संबंधित विभागों से इस मुद्दे को सहानुभूतिपूर्वक देखने और आगे का रास्ता सुझाने का निर्देश दिया था। उन्होंने 1984 के दंगों को भारतीय लोकतंत्र पर एक धब्बा बताते हुए भर्ती योग्यताओं में ढील देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। उन्होंने कहा था कि सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों द्वारा झेले गए दर्द, कठिनाइयों और पिछले चार दशकों से जिन परिवारों को राहत नहीं मिली है, उनके लिए एक मानवीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

बस चालक से विवाद के बाद किशोरी चलती बस से कूदी

● प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोपियों को पीटा, पुलिस ने लिया हिरासत में

● बुराड़ी में बुधवार शाम दो व्यक्तियों से किसी बात को लेकर हुई थी कहासुनी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली में बस चालक और एक अन्य व्यक्ति के साथ विवाद होने के बाद एक नाबालिग लड़की चलती मिनी बस से कूद गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना बुधवार शाम बुराड़ी के नाथपुरा इलाके में घटी। अधिकारी ने बताया कि लड़की इब्राहिमपुर चौक पर बस में चढ़ी थी और चालक दीपक व मनोज नामक एक अन्य व्यक्ति से उसकी बहस हो गई। दीपक व मनोज दोनों एक-दूसरे को जानते थे। उन्होंने कहा, मौका पाकर वह चलती गाड़ी से कूदकर भागने लगी। पुलिस ने बताया कि दो प्रत्यक्षदर्शियों को इसमें गड़बड़ी का संदेह हुआ और उन्होंने शालीमार पैलेस चौक के पास बस को रोक लिया।

यौन उत्पीड़न की अफवाह फैलने के बाद वहां भीड़ इकट्ठा हो गई और उसने मनोज तथा दीपक के साथ मारपीट की। अधिकारी ने कहा, पीसीआर कॉल मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और नाबालिग लड़की और दोनों पुरुषों को चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल ले गई। लड़की ने अपना बयान दर्ज कराया, जिसमें उसने यौन उत्पीड़न, छेड़छाड़ या उत्पीड़न के आरोपों से इनकार किया।

चिकित्सकीय जांच से भी उसके बयान की पुष्टि हुई। लड़की के बयान के आधार पर पुलिस ने बुराड़ी थाने में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारी ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है।

नगर निगम और दिल्ली जल बोर्ड पर 50 करोड़ का जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करने को लेकर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) पर बृहस्पतिवार को 50 करोड़ रुपए से अधिक का जुर्माना लगाया। एनजीटी ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) यमुना नदी से मिलने वाले बरसाती नालों में सीवेज (जलमल) के बहाव को रोकने में अपने वैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन करने में विफल रहा है। एनजीटी ने कहा कि एमसीडी ने दक्षिण दिल्ली में एक बरसाती नाले की स्थिति और कार्यात्मक क्षमता को बदलने के लिए अपने अधिकार क्षेत्र से हटकर काम किया। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने कहा, यमुना नदी की ओर जाने वाले बरसाती नालों में सीवेज के बहाव को रोकने में डीजेबी की विफलता पहली बार नहीं देखी गई और इसकी निंदा की गई बल्कि (पिछले) विभिन्न आदेशों से स्पष्ट है कि बार-बार निर्देश जारी किए गए, समय और अवसर दिए गए लेकिन सभी प्रयास विफल रहे। अधिकरण ने कहा कि कुशक नाले की कार्यात्मक क्षमता में परिवर्तन करके एमसीडी ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर काम किया है और वह प्रदूषण फैलाने तथा पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करने में समान रूप से दोषी है।

शिक्षा आप सरकार की प्राथमिकता: आतिशी

● रोहिणी सेक्टर-27 में नए स्कूल का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आप सरकार ने रोहिणी सेक्टर-27 में एक नवनिर्मित स्कूल के रूप में नई सौगात दी है। मुख्यमंत्री आतिशी ने नवनिर्मित स्कूल का उद्घाटन किया। इस मौके पर आतिशी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में दिल्ली की सरकार लगातार शिक्षा को पहली प्राथमिकता पर रखती है।

उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों से जब से दिल्ली के लोगों ने अरविंद केजरीवाल को अपना मुख्यमंत्री बनाया, जब से आम आदमी पार्टी की सरकार चुनी है, तब से इस सरकार ने बच्चों की शिक्षा को, उनके भविष्य को अपनी पहली प्राथमिकता बनाया है। मुझे खुशी है कि आज रोहिणी सेक्टर-27 के बच्चों को अपने घर के बगल में एक शानदार स्कूल मिला है। अब उन्हें 10-15 किलोमीटर की दूसरी पर स्कूल नहीं जाना पड़ेगा। स्कूल के उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री आतिशी ने स्कूल की इमारत का दौरा भी किया। इस दौरान सीएम आतिशी ने कहा कि जब से दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार आई है तब से दिल्ली में शिक्षा की क्रांति आई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार ने बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता पर रखा है।

स्कूल की विशेषता

121 कमरे, 10 लैब, शानदार लाइब्रेरी, लिफ्ट सहित तमाम अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस स्कूल से आसपास के 2000 बच्चों को पढ़ने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और घर के नज़दीक ही उन्हें सबसे अच्छी शिक्षा मिलेगी।

निगम ने 53 किमी सड़क को किया अतिक्रमण मुक्त

नई दिल्ली। अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत नवंबर में अब तक दिल्ली नगर निगम के सिटी एसपी जोन ने करीब 53 किलोमीटर सड़क को अतिक्रमण मुक्त किया है और करीब 453 सामान जब्त किया है।

निगम ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग, चर्च मिशन रोड, पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, खारी बावली और आर्य समाज रोड पर अनाधिकृत अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। इस कार्रवाई के दौरान अस्थायी ढांचे और चबूतरे को हटाया गया है।

निगम द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान कुल 5 ट्रक सामान जब्त किया गया है।

बिभव को अहम पद मिलने पर भड़की स्वाति

● बोली, गंड़े सरकार चलाएंगे तो महिला कैसे रहेंगी सुरक्षित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने एक बार फिर आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा है। स्वाति ने सुबह पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को निशाने पर लेते हुए कहा कि मुझे मारने पीटने लाडले गुंडे बिभव कुमार को बड़े-बड़े ईनाम दिए है।

पंजाब मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार का बेशकीमती पद, जो कि राज्य का सबसे बड़ा प्रशासनिक पद है। पंजाब पुलिस अब आप सरकार का मुख्य सचिव अब गुंडे को रिपोर्ट कर रहे हैं। पंजाब के प्रतिभाशाली युवा देश छोड़कर जा रहे हैं और यहां गुंडों को लाखों रुपये की वेतन, गाड़ियां-बंगले और नौकर चाकर दिए गए हैं। अंत में स्वाति ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को टैग करते हुए पूछा है, मैं भगवंत मान से पूछना चाहती हूँ- अगर गुंडे पंजाब सरकार चलाएंगे, तो पंजाब की महिलाएं कैसे सुरक्षित रहेंगी?

आपके भी घर पर बहन बेटी है। एक मुख्यमंत्री को अपने आपको इस प्रकार रबर स्टांप नहीं बनने देना चाहिए।

आप का खत्म हो रहा जनाधार : देवेंद्र यादव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी की 11 उम्मीदवारों की पहली सूची पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस नेता का कहना है कि इस सूची ने केजरीवाल की घबराहट और पार्टी के घटते जनाधार को उजागर कर दिया है। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि 11 उम्मीदवारों में छह उम्मीदवार बाहरी हैं।

आप ने तीन सीटों पर कांग्रेस छोड़कर आप में आए नेताओं को टिकट दिया गया है। मौजूदा विधायकों के टिकट काटना और कांग्रेस से आए नेताओं को मौका देना केजरीवाल की सत्ता विरोधी लहर से निपटने की कोशिश है। देवेंद्र यादव ने कहा कि जनता के बीच हो रही उपेक्षा और पद यात्राओं में आम को जनसमर्थन नहीं मिल रहा है। इससे केजरीवाल को यह एहसास हो गया है कि विधानसभा चुनाव में उनकी विदाई नजदीक है। आप में कलह भी बढ़ती जा रही है। कैलाश गहलोत का पार्टी छोड़ना इसका प्रमाण है। क्यों केजरीवाल, आतिशी, मनीष सिसोदिया और गोपाल राय जैसे बड़े नाम पहली सूची में शामिल नहीं हैं। आप के पास वर्ष 2025 विधानसभा चुनाव में उतारने के लिए उम्मीदवार ही नहीं है, जिसक कारण है कि दूसरी पार्टियों को भ्रमित कर रही है।

केजरीवाल की दिल्ली से विदाई तय : कपूर

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है की जब किसी पार्टी को अपने पहले 11 में 6 चुनाव प्रत्याशी बाहरी घोषित करने पड़ें जिसमें पार्टी अध्यक्ष अथवा किसी वरिष्ठ नेता या मंत्री का नाम नहीं तो समझ लेना चाहिए उस पार्टी के नेतृत्व को एंटी इनकमबेंसी समझ आ गई है। सचदेवा के नेतृत्व में बृहस्पतिवार को भाजपा ने केजरीवाल के आवास के बाहर भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इससे मीडिया का ध्यान भटकाने के लिए इन सौदेबाजी की टिकटों की घोषणा की गई है। केजरीवाल समझ लेना चाहिए कि उनकी दिल्ली से विदाई तय है।

घोंडा चौक पर दुकान लूटने के प्रयास में चली गोली

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में कलपुर्जों की एक दुकान के बाहर तीन लोगों ने लूटपाट की कोशिश में गोलीबारी की। एक पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह घटना शाम करीब साढ़े सात बजे हुई।

पुलिस ने बताया कि यह घटना तब हुई जब बुधवार को 67 वर्षीय शिकायतकर्ता जितेंद्र गुप्ता पत्नी के साथ यमुना विहार रोड पर घोंडा चौक के निकट अपनी दुकान पर थे। पुलिस अधिकारी ने कहा, 20-25 वर्ष की आयु के दो व्यक्ति कुछ कलपुर्जे खरीदने के बहाने दुकान में घुसे। जब वे गुप्ता से उलझ रहे थे तो तीसरे व्यक्ति ने दुकान का शटर बाहर से जबरदस्ती बंद करने का प्रयास किया।

एलिस वाज दिल्ली की मुख्य निर्वाचन अधिकारी नियुक्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग ने भारतीय प्रशासनिक सेवा की वरिष्ठ अधिकारी आर एलिस वाज को दिल्ली की नई मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के तौर पर नियुक्ति को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी।

राष्ट्रीय राजधानी में अगले साल फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले इस नियुक्ति को काफी अहम माना जा रहा है। अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) कैडर की 2005 बैच की आईएएस अधिकारी वाज दिल्ली के उच्च शिक्षा निदेशालय में सचिव के पद पर कार्यरत हैं। वह पी कृष्णमूर्ति का स्थान लेंगी, जिन्हें अगस्त 2023 में दिल्ली का सीईओ नियुक्त किया गया था। पिछले महीने केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप में कृष्णमूर्ति की नियुक्ति को मंजूरी दी थी। निर्वाचन आयोग ने एक आदेश में कहा, आयोग ने आईएएस अधिकारी पी कृष्णमूर्ति के स्थान पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए आर एलिस वाज (एजीएमयूटी: 2005 बैच आईएएस) के नाम को मंजूरी दे दी है।

संक्षिप्त समाचार

पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज टॉप-20 में शामिल

नई दिल्ली/हरिद्वार। नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (एनसीआईएसएम) की तरफ से आयुर्वेद कॉलेजों की जारी रेटिंग में पतंजलि भारतीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान (पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज), हरिद्वार को ए ग्रेड के साथ टॉप-20 कॉलेजों में स्थान मिला है। संस्थान की इस उपलब्धि पर पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने कहा, पतंजलि विश्वविद्यालय ए+ ग्रेड प्राप्त शिक्षण संस्थान है। वहीं आयुर्वेद शिक्षा के क्षेत्र में देशभर के 552 आयुर्वेद कॉलेजों में पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालय का नाम टॉप 20 कॉलेज में होना आयुर्वेद के क्षेत्र में पतंजलि द्वारा किए जा रहे कार्यों को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा, पतंजलि का टॉप-20 में होना हमारे लिए गौरव की बात है।

कनॉट प्लेस के पार्क में गाएंगे कैलाश खेर

नई दिल्ली। कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में इस रविवार की शाम सभी संगीत प्रेमियों के लिए खास होने वाली है। पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर अपने कैलासा एंटरटेनमेंट के साथ भारत की लोक विरासत के उत्सव मेहर रंगत 2024 में कार्यक्रम पेश करेंगे। सबसे खास बात यह है कि इस कार्यक्रम में प्रवेश निशुल्क है। इस कार्यक्रम को सैमटेल एवियोनिक्स द्वारा संचालित एवं गलगोटियास यूनिवर्सिटी के संयोजन में रविवार को शाम 5 बजे से शुरू किया जायेगा। इस उत्सव में देशभर के के बेहतरीन लोक कलाकारों और प्रसिद्ध कैलाश खेर के जादू से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।

विधि छात्रों को पुनर्मूल्यांकन की मिलेगी अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) अपने विधि छात्रों को अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करने की अनुमति देगा। यह विकल्प अगले शैक्षणिक वर्ष में एलएलबी छात्रों के लिए शुरू होने की उम्मीद है और बाद में इसे प्रबंधन और चिकित्सा के साथ-साथ अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए भी लागू किया जाएगा। डीयू में अधिकतर अन्य स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए पुनर्मूल्यांकन पहले से ही उपलब्ध है। डीयू के एक अधिकारी ने कहा, इस बदलाव से यह सुनिश्चित होगा कि व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के छात्रों के पास भी पुनर्मूल्यांकन का विकल्प होगा, यदि उन्हें लगता है कि उनके उत्तरों का उचित मूल्यांकन नहीं किया गया है। डीयू का विधि संकाय (जिसमें 10,000 से अधिक छात्र हैं)।

शाही सफर की साक्षी बनेगी गोल्डन चैरियट लग्जरी ट्रेन

● कर्नाटक की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का शाही अंदाज में कर सकेंगे दीदार

● 40 केबिन वाले शाही ट्रेन में 80 यात्री सफर कर सकते हैं

ज़ाहिद अली। नई दिल्ली

भारतीय रेलवे और आईआरसीटीसी की लग्जरी ट्रेनों में से एक गोल्डन चैरियट (स्वर्ण रथ) लग्जरी ट्रेन एकबार फिर यात्रियों को शानदार अनुभव प्रदान करने के लिए ट्रैक पर उतरने के लिए तैयार है।

कर्नाटक की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाली गोल्डन चैरियट ट्रेन इस बार 14 दिसंबर को रवाना होगी। इस ट्रेन में 13 डबल बेड केबिन, 26 ट्विन बेड केबिन और दिव्यांग मेहमानों के लिए 1 केबिन है। 40 केबिन वाले इस शाही ट्रेन में 80 यात्री सफर कर सकते हैं। इतना ही नहीं मेहमानों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करने के लिए पूरी ट्रेन सीसीटीवी कैमरे और फायर अलार्म सिस्टम से लैस है। पूरी ट्रेन किसी 7 स्टार होटल से कम नहीं है। यात्रियों की सेहत और आरामदायक सफर के लिए इस गोल्डन चैरियट ट्रेन में आरोग्य स्पा भी हैं, जहां स्पा थेरेपी समेत कई स्पा का आनंद लिया जा सकता है। यही नहीं सेहत का ख्याल रखने के लिए एक हाइटेक जिम भी है जहां वर्काउट के लिए बेहद आधुनिक एक्सरसाइज मशीने हैं।

राजसी सुविधाओं का एहसास

यात्रियों को शाही सुविधाओं का एहसास कराने के लिए ट्रेन के सभी आलीशान केबिन एयर कंडीशनर और वाई-फाई से लैस हैं। जिसमें गद्देदार फर्नीचर, लग्जरियस बाथरूम, आरामदायक बेड और कई ओटीटी प्लेटफॉर्म से लैस टीवी की भी सुविधा है। ट्रेन में सैलून का भी खास इंतजाम है।

पांच रातें और 6 दिन का सफर

लग्जरी ट्रेन 5 रातें और 6 दिन गुजारने के लिए आपको मात्र 4,00,530 और 5 प्रतिशत जीएसटी देना होगा। जिसमें रहना, खाना, शराब, प्रवेश टिकट, गाइड आदि शामिल है। अधिक जानकारी के लिए www.goldenchariot.org वेबसाइट पर विजिट करें या फिर goldenchariot@irctc.com पर अपने सवाल भेजें। इसके साथ ही +91 8585931021 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

देशी-विदेशी व्यंजनों का प्रबंध

गोल्डन चैरियट लग्जरी ट्रेन में देशी और विदेशी व्यंजनों का विशेष प्रबंध किया गया है। जिसके लिए रुचि और नालापक नाम के दो बेहतरीन रेस्तरां हैं। जहां शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह के व्यंजन इंटरनेशनल ब्रांडों के क्रॉकरी और कटलरी में परोसे जाएंगे। यहां वाइन, बीयर व मदीरा मौजूद है।

इस साल के रूट

1. कर्नाटक का गौरव (5 रातें/6 दिन) - बेंगलुरु से शुरू होकर बांदीपुर, मैसूर, हलेबिदु, चिकमंगलूर, हम्पी, गोवा और वापस बेंगलुरु।

2. दक्षिण के रत्न (5 रातें/6 दिन) - बेंगलुरु से शुरू होकर मैसूर, कांचीपुरम, महाबलीपुरम, तंजावुर, चेट्टीनाड, कोचीन, चेरतला और वापस बेंगलुरु।

जनजाति गौरव दिवस का हुआ आयोजन

● धरती आवक योजना से 176 जनजाति बहुल गांवों का होगा विकास

● प्रभारी मंत्री और वन मंत्री ने फासिल्स पार्क का किया निरीक्षण

संवाददाता। सोनभद्र

जनजाति गौरव दिवस का आयोजन रामलीला मैदान सलखन में किया गया, इस मौके पर प्रदेश सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, रवीन्द्र जायसवाल, असीम अरून, डॉ0 अरून कुमार, संजीव कुमार गौंड़, जीत सिंह खरवार, नन्दलाल गुप्ता, पूर्व राज्यसभा सांसद रामसकल द्वारा दीप प्रज्जवलन व बिरसा मुण्डा के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इस मौके पर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने उपस्थित जनमानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अनुसूचित जाति, जनजाति के लोगों को विकास की मुख्य धारा में लाने के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं प्रारंभ की गयी है, जिससे अनुसूचित जनजाति समाज के लोगों का चैमुखी विकास हो रहा है। प्रभारी मंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने कहा कि सरकार के नेतृत्व में हर घर को नल से जल की सुविधा उपलब्ध हो रही है, वनवासी आदिवासी क्षेत्रों में पीने की पानी की बहुत बड़ी समस्या थी, जिसका निराकरण हर घर को नल से जल देकर योजना के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है।

समाज कल्याण मंत्री असीम अरून ने उपस्थित जनमानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा ने 25 वर्ष की उम्र में ही काफी संघर्ष किये, बिरसा मुण्डा की जयंती को जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाये जाने की घोषणा देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के कारण ही अब देश में रहने वाले अति पिछड़े समाज के लोगों को मुख्य धारा में जोड़ा जा रहा है, जनजाति समाज के विकास के लिए धरती आवक योजना के माध्यम से जनपद के 176 गांवों को चिन्हित किया गया है, जो जनजाति बाहुल्य ग्राम पंचायत हैं, इन ग्राम पंचायतों को केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित सम्पूर्ण योजनाओं से संतृप्त किया जायेगा।

इस अवसर पर वन मंत्री अरून कुमार सक्सेना ने उपस्थित जनमानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा ने आदिवासी स्वतंत्रा सेनानी थे, उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ कठिन संघर्ष किया और अंग्रेजों के खिलाफआन्दोलन को चलायें व धार्मिक नेता के साथ ही लोक नायक भी थे, उन्होंने आदिवासी समाज के लिए कठिन संघर्ष किया, उनकी 185वीं जयंती के अवसर पर जनजाति गौरव दिवस का आयोजन किया जा रहा है।

प्रभारी मंत्री रवीन्द्र जायसवाल एवं राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार वन पर्यावरण एवं जन्तु उद्यान डॉ0 अरूण कुमार ने सलखन फासिल्स पार्क का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने कहा कि सलखन फासिल्स को बेहतर ढंग से विकसित किया जाये, जो पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बिन्दु बने। जनपद के प्रभारी मंत्री रवीन्द्र जायसवाल व डॉ0 अरूण कुमार ने जनप्रतिनिधिगण, औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधि व अधिकारियों के साथ बैठक की, बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री ने कहा कि जनपद में इंको टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाये और इंको टूरिज्म के क्षेत्र में शामिल होने वाले उद्यमियों को सहायता प्रदान की जाये, सोनभद्र जनपद में वन्य जीव प्राकृतिक स्थल की प्रचूरता है, जिससे नेचर टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा सकता है, इस दौरान प्रभारी मंत्री द्वारा औद्योगिक समूह के प्रतिनिधियों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण हेतु निर्देशित किया।

व्यापारियों की समस्याओं का नहीं हो रहा है निराकरण

● उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र की बैठक हुई सम्पन्न

संवाददाता। सोनभद्र

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र की बैठक जिला उपाध्यक्ष नागेंद्र मोदनवाल के आवास पर संपन्न हुई जिसमें व्यापारी समस्याओं के संदर्भ में व्यापक विचार विमर्श किया गया वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान परिवेश में सरकार के स्पष्ट निर्देश के बावजूद व्यापारियों की समस्याओं का निराकरण नहीं हो पा रहा है। समस्याओं का अंबार लगा हुआ है।

जिलाध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र की आबादी लगभग डेढ़ लाख होने के बावजूद कोई सीटी अस्पताल नहीं है श्री शर्मा कहा कि अगर समस्याएं अभिलंब पूरी नहीं की गई तो धरना प्रदर्शन भी किया जाएगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी, जिला महामंत्री प्रितपाल सिंह ने कहा कि जिला अस्पताल की दूरी लगभग पांच किलोमीटर दूर होने के कारण रात्रि में कोई साधन उपलब्ध नहीं हो पाता रात्रि में मेडिकल हाल भी खोले जाने की मांग एक लंबे अरसे से की जा रही है जिससे जीवन रक्षक दवाई मिल सके। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष धर्मराज सिंह ने कहा कि किसानों को न हीं डीएपी खाद मिल पा रही है न ही पर्याप्त बिजली पानी मिल पा रहा है। नगर अध्यक्ष प्रशांत जैन ने कहा कि ट्रांसपोर्ट नगर एवं पार्किंग के लिए एक लंबे अरसे से मांग की जा रही है जिसके चलते व्यापारियों को शोषण का शिकार होना पड़ता है ई चालान की बढ़ती संख्या व्यापारियों के लिए समस्या पैदा कर रही है। नगर महामंत्री जसकीरत ने कहा कि जिला अस्पताल में आए मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

1981 से वेतन के लिए संघर्ष कर रहे रेलवे कर्मी को मिली बड़ी राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज के कर्मचारी मलिक हाफिज उद्दीन की 13 जनवरी 1981 में मैटीरियल क्लर्क पद पर प्रोन्नति मामले में बडी राहत दी है। श्रम अदालत ने रेलवे कर्मी की 1981 से प्रोन्नति मानते हुए वेतन भुगतान करने का अवार्ड दिया था। जिसे केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण प्रयागराज ने भी सही माना किंतु भारत सरकार और रेलवे ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने श्रम अदालत के निष्कर्ष को सही करार देते हुए हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया और भारत संघ की याचिका खारिज कर दी है।

यह आदेश न्यायमूर्ति अंजनी कुमार मिश्र तथा न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी की खंडपीठ ने भारत संघ व अन्य की तरफ से दाखिल याचिका पर दिया है। कर्मचारी के बेटे अधिवक्ता इर्फान अहमद मलिक ने भारत सरकार की याचिका का विरोध किया। मालूम हो कि मलिक हाफिज उद्दीन 1967 में रेलवे में खलासी नियुक्त हुए।और डिविजनल सुप्रिटेंडेंट इंजीनियर प्रयागराज ने 13 जनवरी 1981 को उसे मैटीरियल क्लर्क पद पर पदोन्नति दी। किंतु वेतन नहीं दिया गया। रेलवे की तरफ से कहा गया कि यह प्रोन्नति नियमानुसार नहीं थी। बिना टेस्ट के पदोन्नति दी गई थी। वास्तव में उसे 23 अगस्त 91 को टेस्ट लेकर प्रोन्नति दी गई है।

किंतु श्रम अदालत द्वारा 1981 में प्रोन्नति मानते हुए वेतन देने के आदेश को रेलवे ने चुनौती नहीं दी थी। कई दौर की मुकद्दमेबाजी के बाद भी रेलवे ने कर्मी की मांग नहीं मानी और कैट में चुनौती दी तो वहां भी उसे निराशा ही मिली।कैट ने कहा श्रम अदालत के निष्कर्ष के विपरीत नहीं जाया जा सकता।

श्रम अदालत ने 1981 में प्रोन्नति मानी है और उसे चुनौती नहीं दी गई है। ऐसे में कैट और श्रम अदालत के फैसले पर हस्तक्षेप का कोई वैध आधार नहीं है और याचिका खारिज कर दी।

नगर पालिका अध्यक्ष को डंप कूड़ा हटाने का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुरादाबाद की बिलारी नगर पालिका परिषद के चेयरमैन को गांव खाबरी अव्वल में सड़क किनारे डंप कूड़े को नौ दिसंबर तक हटा लेने का निर्देश दिया है और कहा है कि यदि कूड़ा नहीं हटा तो चेयरमैन ऐसा न कर पाने की परिस्थितियों का खुलासा करते हुए व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करें। याचिका की अगली सुनवाई नौ दिसंबर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति एम के गुप्ता तथा न्यायमूर्तिफ अनीस कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने खाबरी अव्वल गांव के निवासी करण वीर सिंह की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याचिका पर अधिवक्ता संजय कुमार पाण्डेय ने बहस की। इनका कहना है का नगर पालिका परिषद से गांव पांच किलोमीटर दूर है। गांव के बीच से लोक निर्माण विभाग की सड़क जाती है। सड़क के दोनों तरफ गांव वालों के आवासीय भवन बने हैं। चौधरी चरण सिंह पार्क के सामने नगर पालिका परिषद सड़क के दोनों तरफ कस्बे का कूड़ा कर्कट डंप कर रही है।

जीएम उत्तर मध्य रेलवे ने किया प्रयागराज जंक्शन का निरीक्षण

संवाददाता। प्रयागराज

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे उपेंद्र चन्द्र जोशी ने महाकुंभ के दृष्टिगत प्रयागराज जंक्शन स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने यात्री सुविधाओं एवं विकास कार्यों का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निर्माण उत्तर मध्य रेलवे विपिन कुमार मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज हिमांशु बडोनी अपर मंडल रेल प्रबंधक सामान्य संजय सिंह एवं अन्य अधिकारी उनके साथ थे।

महाप्रबंधक निरीक्षण के दौरान स्टेशन पुनर्विकास योजना के अंतर्गत विकसित किए जा रहे प्रयागराज जंक्शन के विकास कार्यों को गहनता से देखा और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। निर्माणाधीन कार्यों के निरीक्षण के बाद महाप्रबंधक महोदय ने महाकुम्भ के दृष्टिगत प्रयागराज जंक्शन पर की जा रही तैयारियों को भी देखा। निरीक्षण के दौरान यात्री आश्रय में प्रकाश पेयजल शौचालय टिकट खानपान सेवाओं किस तरह कार्य करेंगी। इस पर अधिकारियों से विस्तृत बातचीत की। प्रयागराज जंक्शन पर महाकुंभ में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को यात्रा का सुखद अनुभव देने के लिए रेलवे पुख्ता तैयारी कर रहा है।

आसान टिकट वितरण यात्री आश्रय स्टेशन भवन प्लेटफॉर्म कवर शेड का निर्माण विस्तार सुधार अतिरिक्त एफओबी का निर्माण मरम्मत वाशिंग लाइनों का निर्माण उन्नयन यात्री सूचना प्रणाली का विस्तार सर्कुलेटिंग एरिया में सुधार रेलवे परिसर में बाउंड्री का निर्माण सड़कों का सुधार एवं चौड़ीकरण सीसीटीवी और सुरक्षा व्यवस्था प्रकाश व्यवस्था जलापूर्ति में वृद्धि साइनेज एग्जीक्यूटिव लाउंज का निर्माण शौचालय सुविधाओं में वृद्धि कर रेलवे अपनी सर्वोत्तम सेवाएं देने के लिए तैयारी कर रहा है। महाप्रबंधक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि चल रहे कार्यों से रेल यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो कार्य की उच्चतम गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए।

क्विक न्यूज

मुआवजे की राशि हस्तांतरित क्यों नहीं की गईः उच्च न्यायालय

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने किसानों को मुआवजा राशि नहीं दिए जाने पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक से शपथपत्र के यह स्पष्ट करने को कहा कि मुआवजा निर्धारित होने के बाद राशि को लंबे समय तक स्वीकृत क्यों नहीं की गई। मुआवजे की धनराशि अभी तक हस्तांतरित क्यों नहीं की गई। यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता ने शिव पाल सिंह और 17 अन्य की याचिका पर दिया है। बस्ती के ग्राम महरीपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग 233 बनाया जा रहा है। इसमें कई किसानों की जमीन अ?धिग्रहीत की गई है। मुआवजा 25 मार्च 2022 को घोषित हुआ लेकिन अभी तक एनएचएआई ने मुआवजा राशि सक्षम प्राधिकारी के खाते में स्थानांतरित नहीं किया है। ऐसे में अभी तक किसानों को मुआवजा नहीं मिला है। किसानों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर मुआवजे की मांग की।न्यायालय ने एनएचएआई से जवाब मांगा और सुनवाई के लिए 4 दिसंबर 2024 की तिथि नियत की है। एनएचएआई के वकील ने स्वीकार किया कि स्वीकृत मुआवजा राशि अभी तक सक्षम प्राधिकार को उपलब्ध नहीं कराई गयी है।

शाहजहांपुर डीएम के खिलाफ जमानती वारंट जारी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश की अनदेखी करने वाले शाहजहांपुर के जिलाधिकारी के कृत्य को गंभीरता से लेते हुए जमानती वारंट जारी किया है। न्यायालय ने पुलिस अधीक्षक से कहा अगली सुनवाई की तिथि चार दिसंबर को जिलाधिकारी की उपस्थिति कोर्ट में सुनिश्चित कराएं। यह आदेश न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान ने बलवीर सिंह की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया। कोर्ट ने तीन सितंबर को पहली बार मामले की सुनवाई करते हुए सरकारी वकील को दो सप्ताह का समय जवाब के लिए दिया था। न्यायालय में यह भी स्पष्ट किया था कि यदि इंस्ट्रक्शन नहीं आता है तो वह व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर इंस्पेक्शन लाने का कारण स्पष्ट करेंगे। इसके बाद 24 अक्टूबर को राज्य सरकार के वकील ने यह बताया था कि जिलाधिकारी का कोई जवाब नहीं मिला है जबकि उसने पत्राचार किया है। इस पर कोर्ट ने डीएम को सशर्त अगली सुनवाई की तिथि 19 नवंबर को उपस्थित होने का आदेश दिया था। इस बार भी सरकारी वकील की तरफ से जब यह जानकारी दी गई कि कोई जवाब नहीं मिला है। न्यायालय ने जमानती वारंट जारी करने का आदेश दिया है।

महानिबंधक हाईकोर्ट से वेबसाइट दुरुस्त करने की मांग

प्रयागराज। प्रयागराज अधिवक्ता संघ ने महानिबंधक से हाईकोर्ट वेबसाइट दुरुस्त कराने की मांग की है और कहा है कि आए दिन वेबसाइट बंद होने और मंद गति से चलने के कारण वकीलों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। जब वेबसाइट चालू होती है तो केस स्टेटस रिपोर्ट में रिकार्ड नाट फाउंड दिखा रहा होता है जबकि उसी समय केस लिस्ट पर लगा होता है। स्टेटस रिपोर्ट से जानकारी नहीं मिलती एडवोकेट रोल से केस की जानकारी मिल पाती है। पुराने केसों जिसमे एडवोकेट रोल नहीं जुड़ा है उसकी जानकारी स्टेटस रिपोर्ट से मिलती थी इसके सही काम न करने के कारण तमाम केस अदम पैरवी में खारिज हो रहे हैं। जिसकी जानकारी कभी नहीं मिल पाती।हाईकोर्ट परिसर में वेबसाइट डाउन होने के कारण आदेश या स्टेटस सर्च नहीं हो पाता। कोर्ट व्यू न चलने के कारण डिस्प्ले बोर्ड मोबाइल पर उपलब्ध नहीं होने से केस सुनवाई की जानकारी के लिए हाईकोर्ट डिस्प्ले बोर्ड या कोर्ट तक पहुंचना पड़ता है। हाईकोर्ट में याचिका आन लाइन दाखिल होती है। कुछ लोग आनलाइन बहस भी करते हैं। साइट ठीक से न चलने के कारण योजना सफल नहीं हो पा रही है। संघ की बैठक की अध्यक्षता एन के चटर्जी और संचालन महासचिव राजेश त्रिपाठी ने किया। विचार रखने वाले अधिवक्ताओं में मृत्युंजय तिवारी अशोक सिंह बी के सिंह रघुवंशी आदि शामिल रहे।

युवाओं को बिना गारंटी के पांच लाख तक का ऋण

चंदौली। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र ने अवगत कराया है कि उत्तर-प्रदेश सरकार द्वारा सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (मुख्यमंत्री युवा) के अन्तर्गत प्रदेश में प्रतिवर्ष 1 लाख युवाओं को बिना गारण्टी 5 लाख तक ऋण दिये जाने हेतु कवायद शुरू कर दी है। योजना हेतु पात्रता में आवेदक उत्तर प्रदेश का निवासी होना चाहिए एवं 21 से 40 वर्ष आयु होनी चाहिए तथा शैक्षिक योग्यता न्यूनतम कक्षा 8 उत्तीर्ण होना चाहिए। आवेदक सरकार द्वारा संचालित प्रशिक्षण योजनाओं अथवा किसी मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान से कौशल सम्बंधी सर्टिफिकेट/डिप्लोमा होना चाहिए। योजनान्तर्गत उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की अधिकतम रू0 5 लाख तक की परियोजनाओं के ऋण पर 10 प्रतिशत मार्जिन मनी सब्सिडी के रूप में दिया जाएगा एवं ऋण के शत-प्रतिशत ब्याज का उपादान 4 वर्षो के लिए दिया जाएगा।अधिक जानकारी के लिये किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, चंदौली से सम्पर्क कर सकते हैं।

ग्रामीण की हत्या का पुलिस ने किया चौबीस घंटे में खुलासा, दो गिरफ्तार

संवाददाता। उरई, जालौन

बीती रात्रि ग्राम सैदनगर में शराब पार्टी के दौरान ग्रामीण की हत्या कर शव को खंडहरनुमा मकान में फेंकने का पुलिस ने चौबीस घंटे में न केवल खुलासा किया बल्कि दो हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर आलाकत्ल भी बरामद कर लिया।

ग्रामीण की हत्या का खुलासा करते हुये पुलिस अधीक्षक डा. दुर्गेश कुमार ने बताया कि ग्राम सैदनगर निवासी वादी तौफीक पुत्र मुन्ना उर्फ साबिर ने कोटरा थाना पुलिस को सूचना दी थी कि मेरे पिता मुन्ना उर्फ साबिर पुत्र नासिर को गांव के ही राजपूत धीमर व मिंटू धीमर अपने साथ ले गये थे बाद में बीती रात्रि मेरे पिता मिंटू धीमर के घर के सामने खंडहर में मृत अवस्था में पड़े मिले थे। वादी की तहरीर पर कोटरा पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 73/2024 धारा 103 (1), 238 (ए) बीएनएस बनाम राजपूत धीमर पुत्र बलराम व मिंटू पुत्र मूलचंद्र धीमर निवासी ग्राम सैदनगर के विरुद्ध दर्ज कर ली थी।

इसके बाद पुलिस हत्यारोपियों सरगर्मी से तलाश में जुट गयी और करथरा तिराहे के पास मंदिर के चबूतरे से राजपूत धीमर व मिंटू को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर आलाकत्ल बरामद डंडा बरामद किया। बाद में जब पुलिस ने दोनों से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि हम लोग मुन्ना उर्फसाबिर को मछली खाने के लिये अपने घर पर बुलाया था जहां हम तीनों शराब पी रहे थे तभी मुन्ना उर्फ साबिर अचानक राजपूत धीमर को गालियां देने लगा तभी उसने मुन्ना को दो थप्पड़ मार दिया जिससे दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गयी तभी मैंने व मिंटू ने साबिर के दोनों पैरों को पकड़ लिया और चूल्हे के पास रखे डंडे से साबिर के सिर पर मार दिया जिससे उसकी मौत हो गयी।

बाद में हम दोनों ने मुन्ना उर्फ साबिर को घसीटकर राजपूत धीमर के घर के सामने स्थित पप्पू के मकान के बगल में खंडहर में फेंक दिया और भाग गये।

'दि साबरमती रिपोर्ट' फिल्म भारतीयों के लिये प्रेरणाः उर्विजा

उरई, जालौन। गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के द्वारा अर्चना पैलेस कालपी रोड उरई में द साबरमती रिपोर्ट फिल्म भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित के नेतृत्व में जनपद के जनप्रतिनिधि एवं पार्टी पदाधिकारी व अधिकारियों ने सामूहिक तौर पर फिल्म को देखा। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष ने बताया कि फिल्म का जो उद्देश्य की हम सभी भारतवासी एक रहे एक भारत नेक भारत श्रेष्ठ भारत बना रहे जिसमें हिन्दू, मुस्लिम व अन्य समाज के सभी भाई बहन माताएं बहने एक साथ मिलकर रहें इस फिल्म से हम सभी को यह प्रेरणा मिलती है। इस दौरान मुख्य रूप से उपस्थित सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा मूलचंद्र निरंजन, जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी, आदि शामिल रहे।

मुख्य अभियंता के नेतृत्व में चलाया चेकिंग अभियान, कटे 32 कनेक्शन

जालौन, उरई। झांसी से आए बिजली विभाग के मुख्य अभियंता के नेतृत्व में नगर में बिजली विभाग के बड़े बकाएदारों के कनेक्शन काटे गए। इस दौरान 32 कनेक्शन काटे गए और आठ लाख रुपये की वसूली भी की गई। झांसी से आए बिजली विभाग के मुख्य अभियंता महेंद्र सिंह के नेतृत्व में अधिशासी अभियंता प्रथम जितेंद्रनाथ, द्वितीय महेंद्रनाथ भारती, एसडीओ रामसुधार, प्रवर्तन दल प्रभारी सीपी यादव, जेई नवीन कंजोलिया, टीजीटू नरेंद्र सोलंकी की टीम ने नगर में बकाएदारों के खिलाफ अभियान चलाया। नगर में बाजार बैठगंज, चौधरयाना, भवानीराम, बालमभट्ट आदि मोहल्लों में चलाए गए अभियान में बिजली विभाग के बड़े बकाएदार 32 लोगों के कनेक्शन बिल जमा न होने पर काट दिए गए। इन पर लगभग 35 लाख रुपये की बकाएदारी थी। टीम द्वारा बिल जमा करने की बात कहने पर भी जब उनके द्वारा बिल का भुगतान नहीं किया गया तो टीम ने उनके कनेक्शन काट दिए। इसके अलावाउ उन्हें चेतावनी दी गई कि बिना बिल का भुगतान किए यदि वह चोरी से बिजली का कनेक्शन जोड़ते हैं तो उनके खिलाफविधिक कार्रवाई की जाएगी। चौकिंग के दौरान टीम ने बकाएदारों से आठ लाख रुपये भी वसूले।

खाद कारोबारियों ने मौका देख किसानों की आपदा को अवसर में बदला

● उर्वरक विक्रेताओं ने ट्रिपल सुपर फास्फेट को डीएपी खाद के विकल्प के रूप में बेचना शुरू किया

संवाददाता। कालपी, जालौन

डीएपी खाद की कमी से किसानों के खेतों की बुवाई में देरी हो रही है जिससे वह परेशान है लेकिन खाद कारोबारियों ने उनकी आपदा को अवसर मान लिया है और उन्होंने ट्रिपल सुपर फास्फेट को डीएपी खाद के विकल्प के रूप में बेचना शुरू कर दिया है जबकि यह खाद गेहूं के लिए उपयुक्त नहीं होती हैं।

शासन किसानों की आय दोगुनी करने की कवायद में लगा है जिसके लिए फसलो की एमएसपी बढ़ाने के साथ किसानों को पशुपालन एवं उन्नति किस्म के बीज छूट पर उपलब्ध करा रहा है लेकिन खाद की कमी शासन की इस मंशा पर पानी फेर रहा है आलम यह है कि गेहूं की बुबाई का समय चल रहा है लेकिन सहकारी समितियों के साथ बाजार से भी डीएपी गायब हो गई है। किसान एक एक बोरी पाने के लिए जद्दोजहद कर रहा है जिससे उनके खेतों में गेहूं की बुवाई का समय निकल रहा है जिससे किसानों को नींद नहीं आ रही है।

लेकिन खाद कारोबारियों ने किसानों की इस परेशानी को अवसर में बदल लिया है और उन्होंने किसानों की मजबूरी का फायदा उठाना शुरू कर दिया है इसके लिए उन्होंने डीएपी के विकल्प के रूप में टीएसपी नामक खाद को बाजार में उतार दिया है। जानकारों की माने तो इस खाद सिंगल सुपर फास्फेट का दूसरा रूप है जिसमें उससे तीन गुणा फास्फोरस होता है जो चना की बुवाई के काम आती है लेकिन जिले के खाद माफिया ने इसकी खपत के लिए इसे ऐसे समय में बाजार में उतारा है जब डीएपी बाजार से गायब है और आलम यह है कि जानकारी के अभाव में किसान उसे खरीदने में लगा है। कृषि के जानकारों की माने तो गेहूं की बुवाई के लिए फास्फोरस के साथ नाइट्रोजन की भी जरूरत होती है जो इसमें नहीं है। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि उन्होंने बुवाई के लिए दो बोरी टीएसपी में एक बोरी यूरिया मिलानी पड़ेगी अन्यथा की स्थित में उनकी फसल खराब हो सकती है।

विदित हो कि पहली बार टीएसपी के नाम से आया खाद का यह नया ब्राण्ड 1300 रुपये में बिक रहा है जबकि डीएपी खाद की कीमत भी 1350 रुपये है इतना ही नही खाद बिक्रेता इस बोरी के साथ खरपतवार नाशक दवा भी लगा रहे हैं जिससे उसकी कीमत और ज्यादा हो जा रही है जबकि वह डीएपी के आगे कुछ भी नहीं है क्योंकि डीएपी फास्फोरस 46 प्रतिशत होती है और नाइट्रोजन भी 16 प्रतिशत होता है लेकिन इसकी कीमत बराबर होने के बाद भी मिश्रण में काफी कमजोर है लेकिन किसान मजबूरी में उसे खरीद रहे हैं।

घर से बाजार गयी युवती पांच दिनों से लापता

जालौन, उरई। पांच दिन पूर्व घर से बाजार गई युवती लापता हो गई है। पीड़ित भाई ने बहिन की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए कोतवाली में तहरीर दी है। कोतवाली क्षेत्र निवासी एक भाई ने पुलिस को बताया कि उनकी 30 वर्षीय बहिन बीती 16 नवंबर को दोपहर करीब एक बजे घर से बाजार जाने की बात कहकर निकली थी। शाम तक जब वह बाजार से वापस नहीं लौटी तो उसकी तलाश शुरू की। सभी नाते रिश्तेदारों और जान पहचान वालों के यहां पूछतांछ करने के बाद भी उसका कहीं पता नहीं चला। बताया कि उसकी सहेलियों से भी जानकारी की लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चला। भाई ने बहिन की सकुशल बरामदगी की गुहार पुलिस से लगाई है।

अतिक्रमण हटाने को सड़कों पर उतरा प्रशासनिक अमला

जालौन, उरई। नगर में जाम की समस्या से लोग परेशान हैं। जाम का प्रमुख कारण नगर की सड़कों पर अतिक्रमण है। इस अतिक्रमण को हटवाने के लिए और नगर की जनता को जाम की समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए नगर में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया। हालांकि यह बात और है कि अतिक्रमण हटाने के बाद पुनः नगर की सड़कों पुनः अतिक्रमण पसर गया।

नगर की जनता को जाम की समस्या से काफी समय से निजात नहीं मिल पा रही है। जाम की समस्या का प्रमुख कारण दुकानदारों और ठेले ठिलिए वालों का सड़क तक किए जाने वाला अतिक्रमण है। हालात यह है कि जाम के झाम के चलते अक्सर दुकानदारों और वाहन चालकों के बीच झगड़े तक की नौबत आ जाती है। झंडा चौराहे के चारों ओर, पत्थर वाली गली, सब्जी मंडी, पानी की टंकी के पास अतिक्रमण की सबसे अधिक समस्या है। यहीं पर अक्सर जाम की भी स्थिति बनती है। नगर की सड़कों पर जाम से मुक्ति दिलाने के लिए एसडीएम विनय मौर्य के नेतृत्व में नगर पालिका ईओ सुशील कुमार व कोतवाली प्रभारी वीरेंद्र पटेल द्वारा टीम के साथ नगर पालिका परिषद के सामने, झंडा चौराहा के चारों ओर, पत्थर वाली गली और सब्जी मंडी में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया।

चेकिंग के नाम पर शोषण का आरोप लगाते हुए किया विरोध प्रदर्शन

सकलडीहा, चन्दौली। भाकपा माले के पदाधिकारियों ने गुरूवार को सकलडीहा विद्युत वितरण उपखंड तृतीय अधीशासी अभियंता कार्यालय पर बिजली विभाग और विजलेंस की मनमानी को लेकर विरोध जताया। आरोप लगाया कि कनेक्शन होने के बाद भी चोरी की फर्जी मुकदमा दर्ज कर सुबह शाम पुलिस विभागीय कर्मचारी अधिकारी घर घर पहुंचकर शोषण और परेशान कर रही है। बिजली विभाग की मनमानी को बंद करने को लेकर अधीशासी अभियंता को पत्रक सौपा। अधिकारियों ने अनावश्यक रूप से परेशान नही किये जाने का आश्वासन दिया। भाकपा माले के श्रवण कुशवाहा और शशिकांत सिंह ने बताया कि चहनिया क्षेत्र के मजदाहा(इजरा) गांव में बीते दिनों बिजलीं विभाग और बिजलेंस की टीम चेकिंग करने पहुची। जहा हरिनारायण मौर्य का कनेक्शन होने के बाद भी चार किलोवाट बिजलीं चोरी का मुकदमा दर्ज कर दिया गया। इसके अलावा सकलडीहा में कई घरों का कामर्सियल कनेक्शन मनमानी ढ़ग से कर दिया गया। बीते दिनों कई घरों में कनेक्शन होने के बाद भी कागजात नही दिखा पाने पर एफआईआर कर दिया गया। इसके साथ ही मीटर खराब होने पर भी परेशान किया जाता है। कनेक्शन ऑनलाइन आवेदन करने के बाद स्टीमेट के नाम पर भारी भरकम स्टीमेट बना दिया जाता है। आये दिन सुबह शाम विजलेस और विभागीय कर्मचारी घर घर पहुंचकर शार्ट आउट के नाम पर गरीबों का शोषण करने का आरोप लगाया।

मणिपुर में अशांति

चिंताजनक हालात

मणिपुर फिर से जल रहा है और ऐसा लगता है कि कोई नहीं जानता कि हिंसा को कैसे नियंत्रित किया जाए जिसने राज्य में गृहयुद्ध का रूप ले लिया है। 7 नवंबर, 2024 को भड़की नवीनतम अशांति के परिणामस्वरूप जान-माल की हानि हुई है, बड़े पैमाने पर संपत्ति का नुकसान हुआ है और पहले से ही अस्थिर राज्य में तनाव बढ़ गया है। इसका तात्कालिक कारण जिरीबाम जिले में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों द्वारा अपहृत छह शवों की खोज थी - जिनमें दो बच्चे भी शामिल थे। उसी दिन, ज़ैरावन गांव में एक दुखद हमला हुआ, जहां एक सशस्त्र मैतेई समूह ने कथित तौर पर एक महिला के साथ बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी और एक स्कूल सहित कई घरों में आग लगा दी। इन घटनाओं ने जवाबी हमलों की एक श्रृंखला शुरू कर दी। 11 नवंबर को, सुरक्षा बलों ने बोरोबेक्रा में एक संघर्ष के दौरान दस संदिग्ध कुकी उग्रवादियों को मार गिराया। इस बीच, उग्रवादियों ने एक मैतेई परिवार के छह सदस्यों का अपहरण कर लिया, जिसमें दो बुजुर्ग व्यक्ति मारे गए। इसके बाद के दिनों में, घरों, चर्चों और सार्वजनिक संपत्तियों को निशाना बनाया गया, जिससे हिंसा का चक्र बढ़ गया। मणिपुर की आबादी में विविधतापूर्ण समुदाय हैं, जिनमें मैतेई भी शामिल हैं और मुख्य रूप से इम्फाल घाटी में रहते हैं। कुकी और नागा सहित आदिवासी मुख्य रूप से आसपास के पहाड़ी जिलों में रहते हैं। मैतेई मुख्य रूप से हिंदू हैं, जबकि कुकी और नागा में ईसाई आबादी काफी है। मैतेई राज्य के राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों पर हावी हैं। भूमि, प्रवास और राजनीतिक मान्यता को लेकर

लंबे समय से चल रहे विवादों ने तनाव को बढ़ा दिया है। मई 2023 में मैतेई की अनुसूचित जनजाति (एसटी) की स्थिति की मांग और कुकी बस्तियों को निशाना बनाकर बेदखली अभियान से भड़की हिंसा मौजूदा संकट की एक महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि बनाती है। बढ़ती हिंसा के जवाब में, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठकें कीं और मणिपुर में लगभग 7,000 अतिरिक्त अर्धसैनिक बलों के जवानों को भेजा।

गृह मंत्रालय ने सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम के अधिकार क्षेत्र को छह और पुलिस स्टेशनों तक बढ़ा दिया है, जिससे सेना को परिचालन नियंत्रण में वृद्धि मिली है। इन प्रयासों के बावजूद, हिंसा जारी है, जिसमें मुख्यमंत्री बीरेन सिंह जैसे विधायकों के घरों पर हमले और व्यापक संपत्ति का विनाश शामिल है। सरकार ने गलत सूचना को रोकने और आगे बढ़ने से रोकने के लिए कर्फ्यू और इंटरनेट प्रतिबंध लागू किए हैं। मणिपुर की स्थिति एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण की मांग करती है। सरकार को सामुदायिक संवाद और सशस्त्र समूहों के साथ युद्धविराम समझौतों सहित विश्वास-निर्माण उपाय शुरू करने चाहिए। इसके अलावा, सार्थक बातचीत और संघर्ष समाधान के लिए मैतेई और आदिवासी समुदायों के बीच बातचीत के लिए तटस्थ मंच बनाए जाने चाहिए। राज्य में सामान्य स्थिति लाने के लिए विश्वास को फिर से बनाने के लिए राजनीतिक प्रतिनिधित्व, भूमि स्वामित्व और सामाजिक-आर्थिक समानता के मुद्दों को प्राथमिकता पर लिया जाना चाहिए अन्यथा इसका उत्तर पूर्व के पूरे क्षेत्र की राजनीति पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। मणिपुर में हिंसा के चक्र को तोड़ने के लिए समावेशी शासन, समान विकास और ईमानदारी से सुलह के प्रयास महत्वपूर्ण हैं।

पूंजीवाद : दोहरा चरित्र और झूठा बयान

कांग्रेस पार्टी ने अडानी साम्राज्य के विकास और विस्तारीकरण में सामने आकर एक बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। ऐसे एक नहीं बल्कि सैकड़ों उदाहरण हमें कांग्रेस शासित प्रदेशों में देखने को आसानी से मिल जाएंगे।

सैयद ज़फर इस्लाम
(लेखक, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं)

कांग्रेस और अडानी समूह के बीच गठजोड़ और सियासी रिश्ता किसी पाखंड की पराकाष्ठा से कम नहीं है। कांग्रेस अडानी और बीजेपी गठजोड़ की सभी मोर्चों पर मुखर होकर आलोचना करती है। लेकिन, दोनों के रिश्तों और सियासी लाभ की बात की जाए, तो कांग्रेस के अडानी साम्राज्य के साथ अतीत और वर्तमान रिश्ते कुछ और ही कहानी बयां करते हैं, जो सियासी लाभ की ओर इशारा करते हैं।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कांग्रेस को पूंजीवाद के खिलाफ एक योद्धा के रूप में पेश करने की कोशिश में लगे हैं, लेकिन सच्चाई बिल्कुल इसके दूर की कोड़ी दिखाई देती है। कांग्रेस पार्टी ने अडानी साम्राज्य के विकास और विस्तारीकरण में सामने आकर एक बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। ऐसे एक नहीं बल्कि सैकड़ों उदाहरण हमें कांग्रेस शासित प्रदेशों में देखने को आसानी से मिल जाएंगे। अडानी पर कांग्रेस के हमले सिर्फ उसके दोहरे चरित्र को उजागर करने, कमजोर योजनाएं और नाकाम रणनीति को छिपाने का काम करते हैं।

साल 1988 में अस्तित्व में आया अडानी समूह के विकास का तथ्यात्मक और विश्लेषणात्मक अंदाजा लगाना हो तो आसानी से 1990 के दशक में लगाया जा सकता है, क्योंकि कांग्रेस उस समय सत्ताधारी दल था। साल 1993 में, गुजरात में पूर्ण बहुमत की कांग्रेस सरकार का नेतृत्व चिमनभाई पटेल कर रहे थे, इसी सरकार के दौरान अडानी को उनके मुंद्रा पोर्ट प्रोजेक्ट के लिए सिर्फ 10 पैसे प्रति वर्ग मीटर पर जमीन दी गई थी।

इसके अलावा आगे भूमि आवंटन शंकर सिंह वाघेला द्वारा किया गया था, वाघेला को कांग्रेस पार्टी का समर्थन प्राप्त था। इससे भी ज्यादा दिलचस्प बात यह है कि गुजरात में अडानी के कुल भूमि अधिग्रहण का लगभग एक तिहाई हिस्सा नरेन्द्र मोदी के मुख्यमंत्री रहते हुए प्राप्त हुआ था। यह तुलनात्मक अध्ययन गुजरात में अडानी साम्राज्य के विकास की एक

जीती जागती बानगी है।

गौतम अडानी पर कांग्रेस सांसद के लगातार हमलों के बावजूद, कांग्रेस शासित राज्यों ने समूह के विकास को फलने-फूलने और विस्तारीकरण के लिए दिल खोलकर सहयोग देना जारी रखा। पहले बात राजस्थान की जाए तो, तत्कालीन अशोक गहलोत सरकार ने अडानी समूह के विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। गहलोत के मुख्यमंत्री रहते हुए सरकार ने 10,000 मेगावाट की विशाल सौर ऊर्जा परियोजना के लिए अडानी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए और जयपुर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का परिचालन नियंत्रण सौंप दिया।

समूह के विस्तार का क्रम यहां कहां रूकने वाला था। राजस्थान के बाद, अगर नजर छत्तीसगढ़ पर डाली जाए तो भूपेश बघेल सरकार में कोयला ब्लॉकों के लिए खदान डेवलपर और ऑपरेटर के रूप में अडानी समूह ने अहम भूमिका निभाई। तीनों राज्यों में अडानी साम्राज्य के विस्तार की कहानी आपके सामने हैं। इन राज्यों के बाद हिमाचल की सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की बात की जाए तो, यहां भी अडानी समूह के लिए पलख पांवड़े बिछाए गए।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अडानी के स्वामित्व वाले सीमेंट संयंत्रों को फिर से खोलने के लिए एक समझौता किया। जिससे अडानी का साम्राज्य भी

गौतम अडानी पर कांग्रेस सांसद के लगातार हमलों के बावजूद, कांग्रेस शासित राज्यों ने समूह के विकास को फलने-फूलने और विस्तारीकरण के लिए दिल खोलकर सहयोग देना जारी रखा। पहले बात राजस्थान की जाए तो, तत्कालीन अशोक गहलोत सरकार ने अडानी समूह के विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी।

हिमाचल में बाकी राज्यों की तरह फल फूल सके। यह कांग्रेस शासित प्रदेशों में समूह के साथ पारस्परिक सहयोग और व्यापक लाभ को दर्शाता है। समूह के विकास, विस्तार और व्यापक स्तर के लिए कांग्रेस सक्रिय रूप से भूमिका निभाती रही। बावजूद, इसके कांग्रेस के शीर्ष नेता राष्ट्रीय स्तर पर लगातार आलोचना करते हैं, खुद पूंजीवाद का धुर विरोधी बताते हैं। यह कांग्रेस के दोहरे चरित्र की ओर इशारा इंगित करता है।

कांग्रेस का यह दोहरा दृष्टिकोण केवल एक राजनीतिक रंगमंच से कम नहीं है बल्कि बेहद निंदनीय कृत्य है। अडानी समूह ने व्यापक स्तर पर बुनियादी ढांचे की परियोजनाएं, निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक कदम उठाया था। कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकारें और उद्योग जगत इसे आवश्यक मानती आई लेकिन, कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने अडानी समूह को राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करके और बीजेपी के खिलाफ राजनीतिक लाभ लेने का बीड़ा उठाया। यह एक ऐसी रणनीति है जो इसकी जटिलता को छिपाकर जनता को बरगलाने का काम करती है, साथ ही कई विरोधाभासों को जन्म देती हैं जिससे यह आम जनता का ध्यान आकर्षित कर सकें।

इसी को ध्यान में रखते हुए राहुल गांधी ने राजनीतिक लाभ के लिए अडानी समूह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमले को केन्द्र बिन्दु बनाकर रखा। जिससे समूह को पूंजीवाद का बड़ा लाभार्थी बनाया जा सके, लेकिन कांग्रेस नेता की यह बयानबाजी उस समय जांच के दायरे में आ जाती है, जब अडानी के साथ कांग्रेस की पुरानी चल रही साझेदारी उसके हमलों को खोखला बताती है।

ऐसे में एक बड़ा सवाल यह भी खड़ा होता है कि अगर कांग्रेस पार्टी अडानी को भारत की आर्थिक व्यवस्था में हर गड़बड़ी का प्रतीक मानती है, तो राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश में उनकी मजबूत और बुनियादी परियोजनाओं को बढ़ावा देना क्यों जरूरी रखती है? कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व अडानी के उत्थान में अपनी भूमिका को स्वीकार करने से इनकार क्यों करता है, 1990 के दशक से लेकर यूपीए शासन के भूमि आवंटन तक इस समूह को प्रत्याशित और अप्रत्याशित तौर पर वित्तीय लाभ मिला है। अडानी समूह की वृद्धि और विस्तार किसी एक राजनीतिक दल या सरकार तक सीमित नहीं है। समूह ने विभिन्न राज्यों में कांग्रेस पार्टी, क्षेत्रीय दलों और अन्य विपक्षी दलों के नेतृत्व वाली सरकारों से परियोजनाएं, निवेश और रोजगार को लेकर समझौता किया है। कांग्रेस का पूंजीवाद को लेकर हमला सिर्फ दोहरापन ही नहीं बल्कि खराब राजनीति है, जो देश के लिए सही नहीं है।

इससे एक बात स्पष्ट हो जाती है कि अडानी समूह पर कांग्रेस द्वारा किया गया चयनात्मक हमला आर्थिक एकाग्रता और नियामक कब्जे के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाता है। हालांकि, राष्ट्रीय स्तर पर कॉर्पोरेट प्रभाव के बारे में चिंताएं वैध हैं। लेकिन, इसे किसी भी तरह का राजनीतिक लाभ के लिए मुद्दा नहीं बनाना चाहिए।

कांग्रेस का झूठ का पुलिंदा सिर्फ एक पाखंड ही नहीं बल्कि विश्वासघात भी है। यह वास्तविकता और बयानबाजी के बीच का अंतर राजनीतिक अवसरवाद के रूप में रूचि रखने वाली पार्टी को दर्शाता है। देश की जनता को विपक्ष के दोहरे मानदंडों और अवसरवाद को समझना चाहिए। देशहित के लिए समावेशी विकास के लिए आगे आना चाहिए। सत्ताधारी दल निराधार हमलों और आरोपों की परवाह किए बिना सुशासन, आर्थिक सुधार और सामाजिक कल्याण के अपने एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगा।

डोनाल्ड ट्रंप की धमाकेदार वापसी

"विभिन्न सर्वेक्षणों ने यह भी दर्शाया दिया कि अमेरिकियों को सबसे अधिक चिंता अर्थव्यवस्था, आव्रजन और मुद्रास्फीति के मुद्दों से थी।"

जीशान अली
(लेखक, पत्रकार हैं)

डोनाल्ड जे ट्रम्प ने डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस पर भारी जीत हासिल करके अमेरिकी राजनीतिक इतिहास में सबसे बड़ी वापसी की है। वह 1892 में ग्रोवर क्लीवलैंड के बाद से दो गैर-लगातार कार्यकाल जीतने वाले एकमात्र राष्ट्रपति भी बन गए। लगभग सभी सर्वेक्षणों ने पूर्व राष्ट्रपति और मौजूदा उपराष्ट्रपति के बीच कांटे की टक्कर का संकेत दिया था, लेकिन मंगलवार रात को जैसे-जैसे नतीजे आने लगे, यह अपेक्षाकृत जल्दी ही स्पष्ट हो गया कि डेमोक्रेटिक पार्टी न केवल व्हाइट हाउस बल्कि सदन और सीनेट पर भी नियंत्रण खो देगी। ट्रम्प ने न केवल इलेक्टोरल कॉलेज में भारी जीत हासिल की (312-220), बल्कि 20 वर्षों में लोकप्रिय वोट जीतने वाले पहले रिपब्लिकन उम्मीदवार भी बन गए। राष्ट्रपति-चुनाव ट्रम्प की जीत को अमेरिकी राजनीति में एक बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें कामकाजी वर्ग के अमेरिकियों के बहु-नस्लीय गठबंधन ने पूर्व रियलिटी-टीवी स्टार के लिए दूसरे कार्यकाल के लिए मतदान किया, जो 2020 का चुनाव जो बिडेन से हार गए थे।

उस चुनाव को स्वीकार करने से इनकार करने के बावजूद, 6 जनवरी, 2021 को यूएस कैपिटल में हुए हिंसक विद्रोह, दो महाभियोग और उनके पुनर्मिलन अभियान की शुरुआत के साथ ही एक मुकदमे में 34 गुंडागर्दी के लिए दोषी ठहराए जाने के बावजूद, डोनाल्ड ट्रम्प ने सभी बाधाओं को पार किया और अमेरिकी लोगों से एक ऐतिहासिक जनादेश प्राप्त किया। डोनाल्ड ट्रम्प की जीत की निर्णायकता इस तथ्य से रेखांकित हुई कि उन्होंने सभी 7 स्विंग राज्यों में जीत हासिल की। पूर्व राष्ट्रपति ने उत्तरी कैरोलिना को बरकरार रखा, और नेवादा, एरिज़ोना और मध्यपश्चिम में तीन ब्लू वॉल राज्यों - विस्कॉन्सिन, मिशिगन और पेंसिल्वेनिया को

पलट दिया। ट्रम्प ने न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी जैसे गहरे नीले राज्यों में डेमोक्रेटिक पार्टी की पारंपरिक रूप से बड़ी बढ़त को 10-12 प्रतिशत अंकों से कम करने में कामयाबी हासिल की। उन्होंने अफ्रीकी-अमेरिकी, हिस्पैनिक अमेरिकी, अरब अमेरिकी और कई अन्य जातीय समूहों के साथ भी बेहतर प्रदर्शन किया। पिछले दो चुनावों की तुलना में, डोनाल्ड ट्रम्प ने कॉलेज की डिग्री वाली श्वेत महिलाओं को छोड़कर मतदाताओं के सभी जनसांख्यिकीय समूहों के साथ बेहतर प्रदर्शन किया। चुनाव की रात के बाद की रिपोर्टों ने सुझाव दिया कि डेमोक्रेट परिणामों से चौंक गए थे। हालांकि, सभी के लिए कई संकेत थे। डेमोक्रेट ने अभियान में जाने के लिए केवल 107 दिन शेष रहते अपने उम्मीदवार को बदल दिया। डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ एक विनाशकारी राष्ट्रपति पद की बहस के बाद 81 वर्षीय जो बिडेन को दौड़ से बाहर होना पड़ा, जब उनकी घटती मानसिक क्षमताओं के बारे में बढ़ती चिंताएं पार्टी के दाताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बिंदु पर पहुँच गईं। बिडेन के निर्णय के समय और कमला हैरिस के उनके समर्थन का मतलब था कि एक और प्राथमिक की कोई संभावना नहीं थी और निवर्तमान उपराष्ट्रपति को नामांकन मिला - कुछ ऐसा जिसे मतदाताओं ने, एग्जिट पोल के आंकड़ों के अनुसार, अर्जित लोकतांत्रिक नामांकन के बजाय राज्याभिषेक के रूप में अधिक माना। तथ्य यह है कि जब वह 2020 में पहली बार राष्ट्रपति पद के लिए दौड़ी थीं, तो वह प्राइमरी के पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थीं, जिसने इस कहानी को और मजबूत किया। चुनाव से पहले हुए सर्वेक्षणों के अनुसार, सबसे बड़े संकेतकों में से एक यह था कि 4 में से 3 अमेरिकियों ने सोचा था कि देश वर्तमान प्रशासन के तहत गलत रास्ते पर है।

विभिन्न सर्वेक्षणों ने यह भी सुझाव दिया कि अमेरिकियों को सबसे अधिक चिंता अर्थव्यवस्था, आव्रजन और मुद्रास्फीति के मुद्दों से थी और रिपब्लिकन ने इन तीनों मुद्दों पर डेमोक्रेट्स की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया। मौजूदा राष्ट्रपति की ऐतिहासिक रूप से कम अनुमोदन रेटिंग ने केवल उपराष्ट्रपति की परेशानियों को बढ़ाया, और यह स्पष्ट था कि हैरिस की जीत के लिए प्रतिकूल परिस्थितियां काफी मजबूत थीं। इसके अलावा, डेमोक्रेटिक पार्टी अभियान के दौरान मुख्य निर्वाचन क्षेत्रों में समर्थन खो रही थी। अश्वेत पुरुषों के बीच मतदान और उत्साह बेहद कम था और यह अंतिम परिणामों में परिलक्षित हुआ जब ट्रम्प ने अफ्रीकी अमेरिकी पुरुषों के बीच अपना समर्थन दोगुना कर दिया।

और भले ही हैरिस, जब सभी वोटों का हिसाब लगाया जाता है, लगभग 80 प्रतिशत अश्वेत वोट के साथ जीत हासिल करेंगी, यह बिडेन की 2020 की जीत से 10 प्रतिशत अंकों की गिरावट को दर्शाता है जिसमें उन्होंने 10 में से 9 अश्वेत वोट जीते थे। इस बीच, कुछ विश्लेषक मिशिगन में रिपब्लिकन की सफलतापूर्वक जीत का श्रेय अरब अमेरिकियों के बीच डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए घटते समर्थन को देते हैं - जो राज्य के मतदाताओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं - जो गाजा में युद्ध पर वर्तमान प्रशासन के रुख के परिणामस्वरूप है। हालांकि, डेमोक्रेटिक पार्टी को सबसे बड़ा झटका हिस्पैनिक अमेरिकियों से लगा, जब लगभग 45 प्रतिशत लैटिनो ने डोनाल्ड ट्रम्प को वोट देने का विकल्प चुना, बावजूद इसके कि डेमोक्रेट्स ने ट्रम्प की मैडिसन स्क्वायर गार्डन रैली में एक स्टैंड-अप कॉमेडियन द्वारा प्यूर्टो रिको के बारे में कथित रूप से नस्लवादी मजाक किया

आप की बात

खतरनाक प्रदूषण

दिल्ली का प्रदूषण स्तर एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, दीवाली के दो दिन बाद ही वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के स्तर को पार कर गया। रविवार की सुबह तक, शहर में खतरनाक हवा की स्थिति देखी गई, जिसमें वायु गुणवत्ता सूचकांक विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अनुशंसित सीमाओं से 65 गुना अधिक था। धुंध की मोटी चादर छाने से शहर की वायु गुणवत्ता खतरनाक श्रेणी में प्रवेश कर गई। संदर्भ के लिए, 450 से ऊपर के एक्यूआई स्तर को गंभीर-प्लस के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जो गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन संबंधी समस्याओं वाले व्यक्तियों जैसी कमजोर आबादी के लिए। शनिवार की रात को, दिल्ली का एक्यूआई 327 था, लेकिन महज 12 घंटे के भीतर यह 447 तक बढ़ गया, कई लोगों ने खराब वायु गुणवत्ता और आंखों में जलन के कारण सांस संबंधी समस्याओं की शिकायत की, जो घने धुंध का सीधा प्रभाव है। ये लक्षण दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता के तत्काल स्वास्थ्य नतीजों को उजागर करते हैं। पंजाब और हरियाणा सहित पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की वार्षिक कृषि प्रथा दिल्ली की धुंध में योगदान करती है। वायु गुणवत्ता संकट में इसका कायम रहना एक महत्वपूर्ण कारक बना हुआ है।

- **संजीव सक्सेना,** नोएडा

जनसंख्या और शहरीकरण

बढ़ती आबादी के कारण महानगरों का शहरी बुनियादी ढांचा भारी दबाव में है। शहरी बुनियादी ढांचे के तत्काल पुनर्गठन, रेट्रोफिटिंग और नवीनीकरण के लिए मजबूत शहरी शासन आवश्यक है। राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दों से लेकर वित्तीय और बुनियादी ढांचे के मुद्दों और इससे भी महत्वपूर्ण, सामाजिक-पर्यावरणीय मुद्दों तक, महानगरीय प्रणाली को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान संस्थागत संरचना को सार्वजनिक भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए योजना और विकास एजेंसियों जैसे अधिकारियों द्वारा फिर से तैयार किया जाना चाहिए। शहरीकरण राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक उन्नति का एक साधन रहा है, लेकिन इसके परिणामस्वरूप कई सामाजिक-आर्थिक मुद्दे भी सामने आए हैं। उत्तर प्रदेश के शहरीकरण के बावजूद, राज्य में निश्चित रूप से बड़ी शहरी आबादी है। अधिकारियों के सामने इस महानगरीय आबादी को अनियंत्रित और अव्यवस्थित विकास पैटर्न में प्रबंधित करने की चुनौती है। एक संतुलित दृष्टिकोण का उपयोग करके, राज्य शहरी व्यवस्थाओं का विकास कर सकता है। मगर पहले जनसंख्या नियंत्रण आवश्यक है उसके साथ-साथ बढ़ते शहरीकरण की समस्या सुलझ सकती है।

- **विकास गुप्ता**, कानपुर

कनाडा में हमले

कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर पर हाल ही में हुए हमले ने एक बार फिर भारत और कनाडा के बीच तनावपूर्ण कूटनीतिक स्थिति को उजागर कर दिया है, जिसमें दोनों देश घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के जटिल जाल में उलझे हुए हैं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देशों के बीच व्यापक राजनयिक संबंध काफी तनाव में हैं, हाल ही में आरोप-प्रत्यारोपों ने आपसी अविश्वास की भावना पैदा की है। पिछले सितंबर में, ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि भारत एक प्रसिद्ध खालिस्तानी कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की मौत में शामिल हो सकता है, जिसकी कनाडा में रहस्यमय परिस्थितियों में हत्या कर दी गई थी। हालांकि कनाडाई प्रधानमंत्री ने अभी तक इस दावे के लिए ठोस सबूत नहीं दिए हैं, लेकिन इस आरोप ने दोनों देशों के बीच मतभेदों को और गहरा कर दिया है, जिससे भारत को इस तरह की किसी भी संलिप्तता का खंडन करने और कनाडाई सरकार के रुख की आलोचना करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। मंदिर पर हमले जैसी घटनाओं के साथ निगरानी की मौजूदगी ने इस धारणा को बढ़ावा दिया है कि खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों का हौसला बढ़ रहा है। ऐसे में भारत सरकार को कड़ा रुख अपनाते हुए हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी।

- **श्रीराम अचल,** आगरा

ट्रंप से उम्मीदें

ट्रंप के राष्ट्रपति पद पर वापस आने से अमेरिकी विदेश नीति में एक नया अध्याय जुड़ गया है, जिसका भारत के लिए काफी महत्व है। हालांकि, निवर्तमान बिडेन प्रशासन भारत के प्रति उदासीन नहीं था, लेकिन भारत में घरेलू राजनीति के तरीके को लेकर उसे कुछ संदेह था। लेकिन ट्रंप के सत्ता में आने के बाद यह संदेह चुपचाप दूर हो सकता है और ट्रंप प्रशासन नई दिल्ली को समायोजित करने के लिए अतिरिक्त कदम उठा सकता है। ट्रंप की जीत रणनीतिक गठबंधनों को नया आकार दे सकती है, व्यापार संबंधों को फिर से परिभाषित कर सकती है और नई दिल्ली के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रीय गतिशीलता को प्रभावित कर सकती है। ट्रंप के पिछले कार्यकाल के दौरान अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों में काफी प्रगति हुई थी। उन्होंने चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए भारत को इंडो-पैसिफिक में एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार के रूप में बढ़ावा दिया। अब ट्रंप के वापस आने से भारत और अमेरिका संबंधों का स्वरूप बेहतर होने की उम्मीद काफी प्रबल हो गई। खासकर ट्रंप के हालिया बयानों से सकारामक संकेत मिले हैं।

- **नमिता व्यास**, प्रयागराज

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

चीनी मिल के संचालन में सभी का सहयोग अपेक्षित: पीएन सिंह

● बजाज हिन्दुस्थान लि. कुन्दुरखी चीनी मिल में पेराई का हुआ शुभारम्भ

संवाददाता। गोंडा

बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड कुन्दुरखी के पेराई सत्र 2024-2025 का शुभारम्भ गुरूवार को विधायक तरबगंज प्रतिनिधि व ब्लाक प्रमुख मनोज पाण्डेय, विक्रमजोत केन सोसायिटी के चेयरमैन अरविन्द सिंह, करनैलगंज केन सोसायिटी के चेयरमैन चन्द्रेश प्रताप सिंह, गोंडा केन सोसायिटी के चेयरमैन भारत सिंह, नवाबगंज केन सोसायिटी के चेयरमैन सुरेन्द्र सिंह, बहराइच के पूर्व केन सोसायिटी चेयरमैन राघवेन्द्र प्रताप सिंह, इकाई प्रमुख पी0एन0 सिंह एवं जोनल एच0आर0 हेड एन.के. शुक्ला ने विधि-विधान व वैदिक मंत्रोचार से पूजा अर्चना कर डोंगे में गन्ना डालकर किया। इसके पूर्व चीनी मिल परिसर में 20 नवम्बर 2024 को अखंड श्रीराम चरित मानस पाठ का आयोजन हुआ। जिसका अयोध्या से पधारे आचार्य डा. अखिलेश वेदान्ती व चीनी मिल के पुजारी आचार्य अनिल कुमार ने विधि-विधानपूर्वक 21 नवम्बर 2024 को समापन कराया। इस मौके पर इकाई प्रमुख पी0एन0 सिंह महाप्रबन्धक गन्ना डा0 ए0के0 तिवारी व महाप्रबन्धक इंजीनियरिंग जगजीत सिंह ने चीनी मिल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नारियल फोड़कर, काँटें पर गन्ना लदी टैक्टर ट्रॉली एवं ट्रक की पूजा किया। पेराई सत्र के शुभारम्भ समारोह के दौरान इकाई प्रमुख पी0एन0 सिंह ने कहा कि बजाज चीनी मिल किसान हितों के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि चीनी मिल संचालन में सभी का सहयोग अपेक्षित है। यह भी कहा कि किसान हितों को ध्यान में रखते हुए विगत पेराई सत्र के बकाया धनराशि का सम्पूर्ण भुगतान शीघ्र ही करा दिया जायेगा। जोनल एच0आर0 हेड एन0के0 शुक्ला ने अतिथियों व किसानों का आभार प्रकट किया। साथ ही उन्होंने आश्वस्त किया कि पेराई के दौरान कृषकों को अपना गन्ना बेचने में किसी भी प्रकार की समस्या आने नहीं दी जायेगी।

इस मौके पर सपा नेता सूरज सिंह, चारों गन्ना समितियों के सचिवगण, चीनी मिल के उत्पादन प्रमुख आमोद विश्नोई, वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक (आई0टी0) प्रदीप कुमार, उप महाप्रबन्धक (वित्त व लेखा) एस0एन0 शुक्ला, प्रबन्धक (वित्त व लेखा) राजीव पाण्डेय, वरिष्ठ प्रबन्धक (क्यू.सी.) मनोज सिंह सहित चीनी मिल परिक्षेत्र के तमाम गणमान्य कृषकगण मौजूद रहे।

देवरिया में हुई हत्याओं के मामले में डीएम के माध्यम से सीएम को भेजा ज्ञापन

रायबरेली। आजाद शक्ति सेवा संगठन के अध्यक्ष गोविंद सिंह एडवोकेट के द्वारा दर्जनों अधिवक्ताओं के साथ देवरिया में लगातार हुई हत्याओ को लेकर जिलाधिकारी रायबरेली के माध्यम से सीएम योगी को ज्ञापन भेजा गया। .इसमें मुख्यमंत्री से मांग की गई कि उपरोक्त हत्याओं के सीबीआई जांच हो और इसका मुकदमा फास्ट ट्रैक ट्रायल में चलाया जाएएमृतकों के परिजनो को एक एक करो रुपए की मुआवजा धनराशि मिलेए सरकार मृतकों के परिवार से एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दे परिवार के बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी सरकार उठाए अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी हो और कठोर सजा दी जाए।

प्रशासन पर भारी पड़ रहे अतिक्रमणकारी प्रतिदिन लगने वाले जाम से हाल बेहाल

संवाददाता। जगदीशपुर, अमेठी

समस्त नियम व कानून की धज्जियां उडाते हुए आजाद अतिक्रमणकारी सडको पर कब्जा करके प्रशासन पर भारी पड़ते नजर आ रहे हैं। आने जाने वाले मुसाफिर भाइयों जरा संभल कर चलना क्योंकि जगदीशपुर का जाम मशहूर है। जहां आए दिन वीआईपी वाहन से लेकर एंबुलेंस तक की गाडियां जाम मे फंसकर हाय तौबा करते रहते हैं। जिम्मेदार अधिकारीगण बेखबर हैं ।

थानाक्षेत्र के अंतर्गत जगदीशपुर कस्बा स्थित पुलिस बूथ चौराहे से लेकर बाजार शुकुल मोड़ समेत अन्य सडकों पर दुकानदारों की आजादी इस तरह हावी है कि डामर रोड तक अपनी दुकान का सामान लगाकर अपना कमाऊ धंधा चटका रहे हैं। दूसरी तरफ पुलिस बूथ के निकट स्थित बस स्टाप जहां हर वक्त आने जाने वाली परिवहन निगम की बसें सड़क पर खडी कर सवारियां चढाते उतारते रहते हैं। इसी बीच मे ई- रिक्शा समेत अनेको डग्गामार वाहनों की भरमार होकर सडकों पर फर्राटे भरते रहते हैं जिसके चलते आए दिन जाम की विकराल स्थिति बनी रहती है।

जिसका खामियाजा आने जाने वाले लोगो को भुगतना पड़ रहा है ढ्ढ काफी इंतजारी के बाद जब पुलिस डंडा लेकर सड़क पर दौडती है तो बमुश्किल आवागमन का संचालन होता है।

पूर्व मे जाम के चलते कई यात्री चोटहिल होकर अस्पताल पहुंचे तो कुछ को जिंदगी भी गंवानी पड़ी। गौरतलब हो कि लगभग चार वर्षो पूर्व प्रशासन द्वारा बडा अभियान चलाकर सडक पर फैला अतिक्रमण हटाया गया था उसके उपरांत केवल लाउडस्पीकर द्वारा अतिक्रमण हटाने का हवा हवाई एलाउंस जरूर किया गया था ढ्ढ परंतु अतिक्रमण हटाने का कार्यक्रम ठंडे बस्ते मे डाल दिया गया जिसके चलते अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंदियों पर हैं। प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारीगण सबकुछ जानते हुए भी अंजान बने हुए हैं ढ्ढ यदि यही आलम बना रहा तो प्रशासन की किरकिरी होकर यात्री जाम मे फंसकर चोटहिल होते रहेंगे।

इस सम्बन्ध मे एसडीएम प्रीती तिवारी ने बताया कि मामला संज्ञान मे है जैसे मुसाफिर खाना व अन्य स्थानों का अतिक्रमण हटा उसी तर्ज पर जल्द ही जगदीशपुर मे अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया जाएगा।

गोधरा कांड पर आधारित फिल्म देखने पहुंचे राज्य मंत्री

गौरीगंज, अमेठी। गोधरा कांड पर आधारित फिल्म को आज गौरीगंज स्थित डी.डी.सिनेमा जामों में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री एवं तिलोई के विधायक राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने गौरीगंज विधायक राकेश प्रताप सिंह भाजपा जिला अध्यक्ष राम प्रसाद मिश्रा एवं सभी प्रमुख जिला पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठकर के दिखा। पूरी फिल्में जिस प्रकार से अयोध्या से जा रही साबरमती ट्रेन को गोधरा स्टेशन पर साजिश के तहत एक विशेष वर्ग ने जलाया और उसमें बैठे हुए राम भक्त कारसेवक जो की ढोल हारमोनियम से राम भजन कर रहे थे।निर्दोष कारसेवकों को एस6 एवं एस7 बोगी को पूर्ण रूप से जला दिया गया उसके बाद में देश की आसुरी शक्तियों ने जिस प्रकार से गोधरा कांड को छिपाने का काम किया एवं विभिन्न प्रकार से पूरे देश को साजिश के तहत जलाने का काम किया पूरी फिल्में उन सभी पहलुओं को दिखाया गया है गोधरा कांड पूरे देश के लिए एक कलंक था राम भक्तों का निर्दोष जल जाना पूरे विश्व के लिए एक कलंक था इन सब का चरित्र चित्रण बखूबी फिल्म में किया गया है।

बेसिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का डीएम-एसपी ने किया शुभारंभ

● चुनाव के मद्देनजर डीजे और हुड़दंगियों पर पुलिस की रहेगी नजर

संवाददाता। अमेठी

डॉ भीमराव अंबेडकर स्टेडियम अमेठी में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय बेसिक क्रीडा प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक समारोह 2024-25 का आज जिलाधिकारी निशा अनंत व पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर तथा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने गुब्बारे और शांति का प्रतीक कबूतर उड़ाकर प्रतियोगिता शुरू कराई।

बच्चों द्वारा निकाली गई मार्च पास्ट की सलामी ली। उच्च प्राथमिक विद्यालय पूरब गांव की छात्राओं ने वाणी वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। बीईओ पूजा ने डीएम को बैज और टोपी लगाकर स्वागत किया। कंपोजिट विद्यालय कमरौली की छात्राओं ने फास्ट फूड के सेवन से बचने और संतुलित आहार पर आधारित एक सुंदर नाटिका का प्रदर्शन किया। डीएम ने 200 मीटर दौड़ और कबड्डी जूनियर बालिका मैच देखकर खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। वहीं बालिकाओं के 200 मीटर दौड़ कराई गई।

जिसमें काजल अमेठी ने प्रथम, खुशी पाल भादर ने द्वितीय और प्रियांशी भेंटुआ ने तृतीय स्थान हासिल किया जिन्हें जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने मेडल पहना कर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डीएम ने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं आगे बढ़ाने और बेहतर करने की सीख और अवसर प्रदान करती हैं।

सभी प्रतिभागी जो यहां तक आए हैं वह विजेता से काम नहीं है खेल बच्चों को आगे बढ़ाने के साथ उनके आत्मविश्वास को और मजबूत करते हैं हमारा हर दिन पिछले दिन के सापेक्ष बेहतर होना चाहिए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी के द्वारा जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि आज इस प्रतियोगिता में जनपद के 13 विकासखंडों के 1500 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है।

उन्होंने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा पहले न्याय पंचायत स्तर पर तथा ब्लॉक स्तर पर इस प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया था उसके उपरांत आज जनपद स्तर पर डॉ भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा है जिसका कल समापन होगा। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, बैडमिंटन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ रमेश सिंह ने किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक दिनेश कुमार मिश्रा, उप क्रीड़ाधिकारी मोहम्मद शमीम, मुशर्रफ खां सहित सभी खंड शिक्षा अधिकारी, अध्यापकगण व प्रतिभागी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने की समीक्षा

अमेठी। जिलाधिकारी निशा अनंत ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक कर स्वास्थ्य कार्यक्रमों को प्राथमिकता के साथ संचालित करने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए साथ ही विशेष प्रयास कर प्रगति में सुधार लाने को कहा, इसके साथ ही जिलाधिकारी ने शासन द्वारा संचालित समस्त स्वास्थ्य योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन करते हुए अधिक से अधिक जन सामान्य को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

बैठक में समिति के समक्ष अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर करने तथा संस्थागत प्रसव, जननी सुरक्षा योजना, नवजात शिशु टीकाकरण, आशा भुगतान, आशा रिपोर्टिंग, नियमित टीकाकरण, फैमिली प्लानिंग, सहित अन्य योजनाओं/कार्यक्रमों की समीक्षा किया तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं/कार्यक्रमों का सही ढंग से क्रियान्वयन करने एवं स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक बेहतर करने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि सभी सीएचसी, पीएचसी, हेल्थ वेलनेस सेंटर आदि का निरीक्षण कर लें तथा जहां पर जो भी कमियां हैं उसमें सुधार करें। अस्पतालों में व्यवस्थाओं को और बेहतर करने के निर्देश दिए, जो आवश्यक सामग्री, उपकरण उपलब्ध नहीं है उन्हें खरीदने को कहा।

बैठक में जिलाधिकारी ने बिना लाइसेंस के संचालित अस्पताल, नर्सिंग होम, अल्ट्रासाउंड सेंटर, मेडिकल स्टोर के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित सभी एमओआईसी को दिया इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जनपद में जो आशा सही ढंग से कार्य नहीं कर रहीं हैं उनको हटाया जाए।

प्रधान प्रतिनिधि के समर्थन में प्रधान संघ ने थाने का किया घेराव ,सौंपा ज्ञापन

शुकुल बाजार, अमेठी। जैनबगंज में हुई मारपीट में अहमदपुर प्रधान प्रतिनिधि संजय मौर्य पर मुकदमा दर्ज होने से नाराज प्रधान संघ ने ब्लाक अध्यक्ष सतीश मिश्र के नेतृत्व में क्षेत्र के ग्राम प्रधानों/प्रतिनिधियों ने गुरुवार को थाने पहुंचकर प्रदर्शन किया और पुलिस पर भेदभाव पूर्ण कार्रवाई करने का आरोप लगाया। उसके बाद सात सूत्रीय ज्ञापन थानाध्यक्ष दयाशंकर मिश्र को सौंपा । मांगे न पूरी होने पर प्रधान संघ ने दी अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी दी है। दिए गए ज्ञापन में प्रधान प्रतिनिधि अहमदपुर के संजय मौर्या का नाम विवेचना से निकाला जाय ग्राम विकास के कार्यों में पुलिस प्रधानों सह?योग नहीं करती है । आरोप लगाया कि.थाने पर आज कल तथाकथित यटूबर बैठकर सभी मामलो मे अनावश्यक दवाव बनाते है व दलाली करते हैं जो बिलकुल गलत है इनका प्रवेश थाने मे बन्द होनी चाहिए। क्षेत्र में हो रही अवैध लकडी कटान गौकशी बन्द हो साथ ही नादी पीपा पुल पर आने वाले राहगीरों से पुलिस द्वारा वसूली की जाती है। थाना अध्यक्ष दयाशंकर मिश्र को पांच दिवस का समय देते हुए मांगे न पूरी होने पर प्रधान संघ ने दी अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी दी है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

शुकुल बाजार। अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रुप से घायल हो गया। जिसे राहगीर ने संवेदना दिखाते हुए प्राइवेट वाहन से इलाज के लिए सीएचसी लाए जाने पर डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आगे की कार्रवाई शुरू की है।बताया जा रहा है मृतक बी एचएल में आइसोलेटर प्लांट में नौकरी करता था। गुरुवार की दोपहर शुकुल बाजार-इन्हौना मार्ग पर सराय गोपी पुलिस चौकी के पास किसी वाहन ने एक बाइक में टक्कर मार दिया। जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। सड़क के किनारे घायल व्यक्ति को देख राहगीरों ने संवेदना दिखाते हुए प्राइवेट वाहन से उसे सीएचसी शुकुल बाजार भेजवाया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में 47 करोड़ बीस लाख का प्रस्ताव हुआ पारित

सेमरियावा, संतकबीरनगर। जनपद के सबसे बड़े ब्लाक सेमरियावां क्षेत्र पंचायत की बैठक ब्लाक प्रमुख मजहरून्निसां की अध्यक्षता में ब्लाक सभागार में भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सकुशल संपन्न हुई। इस दौरान विभिन्न योजनाओं का 47 करोड़ 20 लाख का प्रस्ताव पास किया गया।

दोपहर 12.15 बजें से सदन की कार्रवाई शुरू हुई और 12.28 मिनट पर समाप्त हो गयी। इस दौरान बैठक में शामिल हो रहे क्षेत्र पंचायत सदस्य व ग्राम प्रधान को गेट पर ही प्रशासन द्वारा ब्लॉक स्तर से जारी हुई आईडी से मिलान करते हुए अंदर प्रवेश दिया गया।

13 मिनट तक चली सदन की कार्रवाई में खंड विकास अधिकारी विजय कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र पंचायत की बैठक सकुशल संपन्न हुई। बैठक में 14 करोड़ राज्य वित्त, 26 करोड़ मनरेगा, 7 करोड़ 20 लाख पीएम आवास का प्रस्ताव पास किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रमुख मुमताज़ अहमद सहित 23 प्रधान और 42 बीडीसी सदस्यों ने शिरकत की। चप्पे चप्पे पर तैनात रही पुलिस क्षेत्र पंचायत की बैठक सकुशल संपन्न कराने के लिए उपजिलाधिकारी सदर शैलेष दूबे, क्षेत्राधिकारी सदर अजीत चौहान, तहसीलदार जनार्दन, प्रशिक्षु सीओ/ थानाध्यक्ष प्रियम राज शेखर पाण्डेय के नेतृत्व में जनपद के नौ थानों की पुलिस सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह मुस्तैद रही। इस्लामाबाद चौराहा और टेमा मार्ग पर बैरिकेटिंग लगाकर आवाजाही पूरी तरह बंद रहा।

बिगरा और इस्लामाबाद चौराहे से बैठक के दौरान रहा रूट डायवर्ट क्षेत्र पंचायत की बैठक के दौरान अवस्थाआ पहले इसके लिए प्रशासन ने सेमरियावां चौराहे से पहले इस्लामाबाद और बिगड़ मोड़ से आने वाले वाहनों चार पहिया वाहनों रुट डायवर्ट कर दिया था।

धर्मांतरण कराने के आरोपी की जमानत अर्जी को अदालत ने किया निरस्त

संवाददाता। संतकबीरनगर

जिला शासकीय अधिवक्ता विशाल श्रीवास्तव ने बताया कि खलीलाबाद थाना अंतर्गत गरथवलिया निवासी अमरनाथ शर्मा ने थाना खलीलाबाद में प्रार्थना पत्र दिया कि उनके गांव में नहर पुलिया के पास एक जगह रोड मकान में गांव के मोहित ,कमलेश और गुलरिया सिरमा सिसवा जनपद बस्ती के श्रवण हिंदू धर्म की अनुसूचित जाति ,अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग की गरीब महिलाओं एवं पुरुषों को ईसाई धर्म में परिवर्तन करने के लिए लोभ लालच देकर एक प्रार्थना सभा में सम्मिलित किया जा रहा है।

वहां पर श्रवण, मोहित एवं कमलेश तीनों प्रवचन देते हैं। सप्ताह में उक्त कार्यक्रम कई दिन करते हैं। रविवार के दिन वहां पर भंडारे का भी आयोजन किया जाता है। बदल-बदल कर भोजन बनवाते हैं और खिलाते हैं। यह लोग बताते हैं कि प्रभु ईसा मसीह बहुत शक्तिशाली देवता हैं उनका धर्म, ईसाई धर्म ग्रहण करके उनकी प्रार्थना करना शुरू कर दो सारी समस्या दूर हो जाएगी। यह लोग हिंदू संप्रदाय के लोगों से अपने घर के हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां फेंकने को कहते हैं, हिंदू औरतों से अपना बिछिया, पायल एवं गले में पहने ओम का लॉकेट उतरवा देते हैं। तथा हाथ के रक्षा सूत्र को कटवाकर फेकवा देते हैं और कहते हैं कि हिंदू देवी देवताओं की पूजा मत करो तथा हिंदू देवी देवताओं के संबंध में अपमानजनक शब्द कहते हैं।

जिससे हिंदू धर्म की लोगों की भावनाएं आहत होती हैं। यह लोग दूर-दूर से हिंदू धर्म की अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़े वर्ग की गरीब महिलाओं एवं पुरुषों को अपने यहां लोभ लालच देकर बुलाते हैं और उन्हें प्रलोभित करके हिंदू धर्म से ईसाई धर्म में परिवर्तन करते हैं तथा कराने का पूरा प्रयास करते हैं। इन लोगों के द्वारा कोई व्यवसाय नहीं किया जाता है। पिछले कुछ वर्ष से इन लोगों द्वारा इस कार्य से पैसा कमाकर मकान आदि बनवा लिया गया है।

इनका एक बड़ा गिरोह है जो हिंदू धर्म से ईसाई धर्म में परिवर्तन कर रहा है। इस प्रकार इन लोगों के द्वारा हिंदू धर्म का दुष्प्रचार कर हिंदू धर्म से ईसाई धर्म ग्रहण कराया जाता है। उक्त सूचना के आधार पर थाना खलीलाबाद में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म समपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत हुआ तथा दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपी मोहित और श्रवण की जमानत पूर्व में सत्र न्यायाधीश ने निरस्त कर दी थी।

बालिका सशक्तीकरण अभियान की प्रतिभागी बच्चियों को एनटीपीसी ऊंचाहार ने दी सपनों को उड़ान

संवाददाता। ऊंचाहार

नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत साइकिल वितरित कर बालिका सशक्तिकरण अभियान की प्रतिभागी बच्चियों को एनटीपीसी ऊंचाहार ने दी सपनों की उडान करियर संवारने के लिए बालिकाएं अपने अंदर चाहत पैदा करें और गोल को केन्द्र में रखकर इच्छाशक्ति के साथ आगे बढें तो निश्चित रूप से वो अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल होंगी। उक्त विचार परियोजना प्रमुख मनदीप सिंह छाबडा ने एनटीपीसी ऊंचाहार में आयोजित साइकिल वितरण समारोह में व्यक्त किए।

यह समारोह एनटीपीसी में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले बालिका सशक्तिकरण अभियान के तहत प्रतिभाग करने वाली ग्रामीण बालिकाओं को नैगम सामाजिक दायित्व के तहत साइकिल वितरण के लिए आयोजित किया गया था। एनटीपीसी के द्वारा बालिकाओं के भविष्य को संवारने के लिए इस तरह के विशेष कार्यक्रम करने की प्रशंसा करते हुए परियोजना प्रमुख ने कहा कि एनटीपीसी विद्युत उत्पादन के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के प्रति जिस शिद्दत और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

साइकिल वितरण के कार्य को एक अच्छी पहल बताते हुए प्रियदर्शिनी लेडीज क्लब की अध्यक्षा श्रीमती तरुणा छाबडा ने कहा कि यह साइकिल इन बालिकाओं के लिए ना केवल छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने एवं स्कूल और कोचिंग आने-जाने में सुविधा प्रदान करेगी बल्कि इनके करियर को बुलंदी पर ले जाने के लिए एक पंख साबित होगी।

इस अवसर पर मानव संसाधन प्रमुख रूमा दे शर्मा ने बच्चियों का हौसला बढाते हुए उनसे वाद-संवाद किया और डर के आगे जीत है के मंत्र को साझा करते हुए उन्हें किसी भी परिस्थिति से लने एवं निरंतर आगे बढने के लिए प्रेरित किया। प्रबंधक (सीएसआर) स्नेहा त्रिपाठी ने बताया कि एनटीपीसी के बालिका सशक्तिकरण अभियान में शामिल होने वाली सभी 120 बालिकाओं को एनटीपीसी की तरफ से उनके स्कूल आने-जाने के लिए निशुल्क साइकिलें मुहैया कराई गई हैं।

समारोह में वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर जसौली के ग्राम प्रधान शमशाद, बहेरवा के ग्राम प्रधान रईस और मुरारमऊ के ग्राम प्रधान जितेन्द्र सिंह, एसोसिएशन व यूनियन के अध्यक्षों ने बालिकाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के अंत में उपमहाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. दिशा अवस्थी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। संपूर्ण कार्यक्रम में एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित प्रियदर्शिनी लेडीज क्लब की सदस्याएं उपस्थित रहीं।

बाल संप्रेक्षण गृह का एडीजे ने किया निरीक्षण

संतकबीरनगर। जिला जज अनिल कुमार वर्मा के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेंद्र कुमार सिंह द्वारा बाल संप्रेक्षण गृह-बस्ती का निरीक्षण किया गया। वर्तमान में संत कबीर नगर से संबंधित विधि के विरोध में बालक बाल संप्रेक्षण गृह में निर्वासित है, सचिव ने बाल अपचारियों से बातचीत की तथा बीमार अपचारियों के स्वास्थ संबंधी हाल-चाल लिए गए। उनके पठन-पाठन हेतु की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। संप्रेक्षण गृह में तैनात अध्यापकों से शिक्षण कार्य के संबंध में वार्ता की गई तथा शिक्षण कार्य में किसी भी प्रकार की बाधा आने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पत्राचार करने हेतु निर्देशित किया गया। पाकशाला में पक रहे पकवान का भी निरीक्षण किया गया तथा अधीक्षक को साफ-सफाई एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया गया। बाल अपचारियों को उनके अधिकारों जैसे नि:शुल्क विधिक सहायत प्राप्त करने, पैरवी हेतु नि:शुल्क अधिवक्ता पाने इत्यादि अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में सीनियर विंग के विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

संवाददाता। रायबरेली

न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला में चल रही वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं यगुरूवार सीनियर विंग में कैरम चेस बैडमिंटन और क्रिकेट प्रतियोगिताओं के फाइनल अंतिम मुकाबले के उपरान्त विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये गए। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि रहे अजय सिंह तोमर ट्रैफिक इंचार्ज सहयोगी टीएसआइ भरत राज और रमेश सिंह का प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति ने स्वागत किया।

खेलकूद प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले के विजाओं को मुख्य अतिथि और प्रधानाचार्य द्वारा मेडल एवं प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने मुख्य अतिथि एवं सहयोगियों को संस्मरण चिन्ह देकर सम्मानित किया। वार्षिक खेलकूद की फाइनल प्रतियोगिताओं में कैरम प्रतियोगिता में विवेकानंद हाउस के अनमोल सोनी विनर और विवेकानंद हाउस के अविरय अग्रहरी रनर रहे चेस प्रतियोगिता में आजाद हाउस के आदर्श यादव विनर और विवेकानंद हाउस के अभिनव शर्मा रनर रहे बैडमिंटन प्रतियोगिता में आजाद हाउस से बालक वर्ग के आर्यमान विनर और सुभाष हाउस से अंश सोनी रनर रहे।

वंही बालिका वर्ग में विवेकनन्द हाउस की छात्रा पंखुड़ी सिंह विनर और आजाद हाउस की आकांक्षा श्रीवास्तव रनर रहीं साथ ही क्रिकेट प्रतियोगिता में अनुराग सिंह के नेतृत्व में विवेकानंद हाउस की टीम ने शौर्य पटेल के नेतृत्व वाली आजाद हाउस की टीम को शिकस्त देकर विजयश्री हासिल की।

इस अवसर पर विद्यालय के उप.प्रधानाचार्य फैजान खान संयोजिका संचिता त्रिवेदी, शिवकरन पाल, रामदेव, अजय सिंहए पिंकी जायसवाल, अजयराज सिंह, कामरान, विवेक सिंह, गिरीश श्रीवास्तव सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

रामलीला मेले का भूमिपूजन भाजपा नेता राज राजेश्वर सिंह ने किया

निघासन खीरी। झण्डी राज में लगभग 50 वर्ष पूर्व से आयोजित किये जा रहे श्री रामलीला मेले का शुभारम्भ वरिष्ठ भाजपा नेता झंडी स्टेट के राजा राज राजेश्वर सिंह ने ध्वज पूजन कर व फीता काटकर किया। गंगा यमुना तहजीब का आदर्श उदाहरण है झण्डी मेला। यहा हिंदू व मुसलमान या फिर क्रिश्चियन समुदाय के लोग सभी मिल कर रामलीला के आयोजन में अपनी भूमिका अदा करते आये हैं। लगभग 50 वर्ष पूर्व से ग्राम झण्डीराज में आयोजित किये जा रहे मेले का शुभारम्भ झण्डी के राजा श्रद्धेय राजा राज ब्रजराज सिंह के संरक्षण में यहां के प्रतिष्ठित व्यक्ति व प्रधान रहे स्व0 ठाकुर लक्ष्मण सिंह एवं स्व0 महेश प्रसाद मिश्र जिन्हें लोग सम्मान से पण्डित जी कहते थे उसके आयोजन में मुख्य भूमिका निभाते थे । आज यह दोनों लोग ग्राम वासियों के बीच में नहीं है। इनके अतिरिक्त गांव के पूर्व अमीन स्व0 इजहर अली ने झण्डी ग्राम में सर्वप्रथम धनुष यज्ञ के रूप में मेले का शुभारम्भ किया था। बीते वर्षों में मेला चला बन्द हुआ लेकिन बाद में नन्द लाल कश्यप ने रामलीला के रूप में मेला चालू करने में एकजुटता दिखाई। तब से मेले का आयोजन हो रहा है। ग्राम स्तर पर आयोजित इस मेले में लगभग 20 वर्ष पूर्व एक कविसम्मेलन का आयोजन किया गया था। उस समय जनपद के तत्कालीन सीडीओ आर.बी सिंह एवं तहसील निघासन के तत्कालीन उपजिलाधिकारी कृपा शंकर पाण्डेय के साथ.साथ तहसील ब्लाक स्तर के कर्मचारी मेला मैदान के मंच पर मुख्य अतिथि के रूप में मंचासीन होकर आयोजित कवि सम्मेलन का आनन्द ले चुके हैं। विगत वर्षो में लखीमपुर के पूर्व जिला पंचायत प्रतिनिधि नरेन्द्र सिंह भी मेले में मुख्य अतिथि के रुप में आ चुके हैं।

युवती के अपहरण का प्रयास करने वालों पर मुकदमा दर्ज

फर्रुखाबाद। मऊदरवाजा थाना पुलिस ने मोहल्ला गंगा दरवाजा माधौपुर निवासी सुरेंद्र सिंह की ओर से युवती के अपहरण का प्रयास करने वालों के विरुद्ध अदालत के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया है। सुरेंद्र सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि मेरे पडोस में रहने वाले विपिन पुत्र विजयपाल मेरी पुत्री के साथ छेड़खानी व अश्लील हरकते करता था। पुत्री को रास्ते में रोककर छींटाकसी व हाथ पकड़ कर अश्लील हरकत करता था। पुत्री को कई बार बदनियत के साथ पकड़ कर जबरिया सम्बन्ध बनाने का प्रयास किया। पुत्री जब अपने स्कूल जाती है तो विपिन पीछा करते हुए पुत्री के स्कूल पहुंच जाता है।

पुत्री के मोबाइल नम्बर पर गन्दी गन्दी बाते व मैसेज करता है फोटो वायरल कर दिये है। विपिन ने लड़की को बाहर निकलना व जीना दूभर कर दिया है। विपिन के घर पर कई बार शिकायत की गई लेकिन वो मानने को तैयार नहीं है। शिकायत करने पर दरोगा ने विपिन का शन्ति भंग में चालान कर दिया था परन्तु मुकदमा पंजीकृत नहीं किया और न ही कोई विधिक कार्यवाही की। 5 सितंबर को समय सुबह 10 बजे विपिन व उसका साला गोविन्द, गांव के मीना ठेकेदार, अर्पित जाटव व बालाजीपुरम निवासी अतुल मिश्रा मेरे घर पर आये और कहा कि तेरी पुत्री को खीच कर ले जायेगे। और कहा कि तू कुछ नहीं कर पायेगा मेरे दरवाजे के अन्दर घुस आये। सभी लोगो के हाथ में नाजायज तमंचे व लाठी डंडे थे घर वालो ने डर की वजह से भाग कर खुद को कमरे में बन्द कर लिया और चीखने चिल्लाने लगे। जिससे आस पास के लोग इकट्ठा हो गये तो उक्त लोग जान से मारने की धमकी देकर चले गये। कह गए कि तुम्हारी पुत्री को नही छोडेंगे।

25 हजार के ईनामी बदमाश को मुठभेड में गिरफ्तार

● पुलिस बल पर फायरिंग की बदमाश ने, जवाबी कार्यवाही में गोली पैर में लगने से हुआ गिरफ्तार

घायल ईनामी बदमाश को ले जाते एसओ जेपी शर्मा व एसएसआई लक्ष्मण सिंह

कानपुर देहात। एसपी बीबीजीटी एस मूर्ति के नेतृत्व में जनपद की रूरा थाना पुलिस ने सर्तकता व साहस का प्रदर्शन करते हुये मुरलीपुर शराब ठेके में लूट के आरोपी 25 हजार रूपये के ईनामी बदमाश को मुठभेड में गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड के दौरान दाहिने पैर में लगी गोली से घायल हुये बदमाश को उपचार के लिये अस्पताल भेजा गया है। बुधवार की देर रात्रि रूरा थानाध्यक्ष जेपी शर्मा, एसएसआई लक्ष्मण सिंह, एसआई अतेन्द्र कुमार, आरक्षी यतेन्द्र सिह सहित पुलिस बल रूरा व रसूलाबाद थानों की सीमा के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थे उसी समय मोटरसाइकिल पर सवार एक आदमी सुँदरपुर गजेन मार्ग पर तेज रफ्तार के साथ आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस बल को देखकर उसने अपनी मोटरसाइकिल कच्चे मार्ग पर उतार दी तथा पुलिस बल पर फायरिंग करना शुरू कर दिया, आत्मरर्क्षाथ पुलिस बल ने भी फायरिंग की, जिसमें एक गोली उस बदमाश के दाहिने पैर में लगी, गोली लगने के बाद उसको हिरासत में लेकर पूछताँछ की तो उसने अपना नाम ललिया पुत्र राजकपूर निवासी पिलखनी भोनगीपुर बताया। ललिया ने 1 नवम्बर को रूरा थाना क्षेत्र के अर्न्तगत शराब की दुकान में हुयी लूट में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली।

ललिया के पास से पुलिस ने एक 315 बोर का तमॅचा, 2 खाली कारतूस व एक जिन्दा कारतूस के साथ एक सफेद अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की। ललिया ने 70 हजार रूपयों से भरी गुल्लक लूटने की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की तथा बताया कि उसके पास से बरामद 3800/- रूपये उसी लूट से खर्च के बाद बचे हुये रूपये है। सीओ तनु उपाध्याय ने बताया कि रूरा पुलिस ने शातिर 25 हजार के ईनामी बदमाश को मुठभेड में गिरफ्तार कर लिया है, घायल होने पर उसे उपचार के लिये अस्पताल भेजा जा रहा है। पकडे गये अभियुक्त के खिलाफ जनपद के विभिन्न थानों में आधा दर्जन से अधिक मुकदमें दर्ज है। सीओ ने रूरा थानाध्यक्ष जेपी शर्मा के नेतृत्व में सर्तकता व साहस के साथ की मुठभेड में गिरफ्तार शातिर बदमाश की गिरफ्तारी में पुलिस बल की प्रशॅसा की है।

खेलकूद प्रतियोगिताओं में दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने किया प्रतिभा प्रदर्शन

संडीला (हरदोई)। दिव्यांग बच्चों की तहसील स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें दिव्यांग छात्र छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ब्लाक संसाधन केन्द्र पर आयोजित इस प्रतियोगिता का शुभारंभ खण्ड शिक्षाधिकारी डॉ0 ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने किया। इस प्रतियोगिता में तहसील के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग छात्र छात्राओं ने सुलेख, चित्रकला, मालागोथना, जलेबी दौड़, कुर्सी दौड़, 50 मीटर, 100 मीटर दौड़, घण्टी दौड़ए छूकर पहचानो आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सुलेख प्रतियोगिता में भरावन के युवरान प्रथमए हिमांशु द्वितीय तथा सोनिका तृतीय स्थान पर रहे।

चित्रकला प्रतियोगिता में भरावन के हिमांशु प्रथम तथा संजीत तृतीय और संडीला के मो. आदिल द्वितीय स्थान पर रहे। मालागूथने की प्रतियोगिता में भरावन की सोनिका प्रथमए संडीला की मीनाक्षी द्वितीय और बेंहदर की रजनी तृतीय स्थान पर रहे। 100 मीटर दौड़ में भरावन के हिमांशु प्रथम, वीरू द्वितीय और संडीला के इस्लामुद्दीन तीसरे स्थान पर रहे। जलेबी दौड़ में संडीला की सोनाक्षी प्रथम, श्यामबिहारी द्वितीय और कछौना के उत्कर्ष विमल तृतीय स्थान पर रहे। कुर्सी दौड़ में संडीला के दिव्यांश प्रथम, इस्लामुद्दीन द्वितीय तथा भरावन के वीरू तृतीय स्थान पर रहे। 50 मीटर दौड़ में भरावन के युवरान प्रथम, संडीला के हर्षित द्वितीय और श्यामबिहारी तृतीय स्थान पर रहे। बालिकाओं की 100 मीटर दौड़ में भरावन की सोनिका प्रथम, संडीला की अलशिफ़ा द्वितीय और सोनाक्षी तृतीय स्थान पर रहे। घण्टी दौड़ में संडीला के राघ्वेन्द्र प्रथमए ज़ोहरा द्वितीय और धैर्य मिश्रा तृतीय स्थान पर रहे। छूकर पहचानो प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार राघ्वेन्द्र को, द्वितीय धैर्य मिश्रा तथा तृतीय जोहरा को मिला।

सीडीओ ने किया परिषदीय विद्यालय चहमलपुर का निरीक्षण, परखी व्यवस्थाएं

● बच्चों से पढ़वाई किताब, परखी शिक्षा की गुणवत्ता

लखीमपुर खीरी। परिषदीय विद्यालयों के पठन.पाठन की गुणवत्ता, साफ सफाई, छात्र.छात्राओं और शिक्षकों की उपस्थिति व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेने के उद्देश्य से गुरुवार को सीडीओ अभिषेक कुमार ने ब्लॉक नकहा के अंतर्गत संविलियन विद्यालय चहमलपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में मुख्य रूप से बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी, खंड शिक्षा अधिकारी हृदय शंकर लाल श्रीवास्तव मौजूद रहे।

कक्षा एक की क्लास में पहुंचकर सीडीओ अभिषेक कुमार ने छात्र अंकित से 100 तक की गिनती सुनी। गिनती सुनाने पर उत्साह बढ़ाया और तालियां भी बजवाई। बच्चों से प्लास्टिक के फल दिखाकर उनकी पहचान कराई और उनके अंग्रेजी में नाम भी पूछे।उन्होंने बच्चों को चॉकलेटए टॉफियां भी बांटी।

सीडीओ ने विभिन्न पंजिकाओं का अवलोकन किया। शिक्षकों की उपस्थिति के सम्बंध में भी बच्चों से ही पूछताछ की। सीडीओ ने कक्षा में छात्रों से पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्कूल में पढ़ रहे छात्र.छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने परिवार व जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। सीडीओ ने शिक्षण स्टाफ को निर्देश दिया कि बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के साथ.साथ सांस्कृतिक, खेल व उनके रूचि के अनुसार जागरूक भी करें। सीडीओ ने बच्चों से विभिन्न रंगोंए आकृतियों के बारे में पूछते हुए बच्चों को दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता की परख की। साथ ही पठन पाठन, साफ सफाई, मध्याह्न भोजन आदि की जांच की। निरीक्षण के दौरान छात्र.छात्राओं से रूबरू होते हुए उन्हें मन लगा कर पढ़नेए गुरूजनों व माता.पिता का आदर करने, स्वच्छता अपनाने की नसीहत दी।

बाइकों में हुई आमने सामने टक्कर, एक मरा, एक घायल

संडीला (हरदोई)। रात के समय दो बाइकें आमने-सामने टकरा गयीं जिससे एक युवक की मौत हो गयी जबकि उसके साथ बाइक पर बैठा उसकी पत्नी का भाई घायल हो गया। यह दुर्घटना बेनीगंज रोड पर ग्राम जनगांव के पास हुई। बताया जाता है कि थाना अतरौली के अंतर्गत ग्राम हरइया निवासी 30 वर्षीय रामकिशोर अपनी पत्नी के भाई सुनील के साथ लखनऊ से वापस लौट रहा था। जब उसकी बाइक ग्राम जनगांव के पास पहुंची तो सामने से आ रही दूसरी बाइक से उसकी तेज़ टक्कर हो गयीए जिससे बाइक चला रहा रामकिशोर सड़क पर जा गिरा। उसके सिर में गंभीर चोट लगीए जबकि पीछे बैठा सुनील सड़क के किनारे गिरा। टकराने वाली बाइन का चालक भी मामूली तौर पर चोटहिल हो गया। रामकिशोर को गंभीर अवस्था में उठाकर सीएचसी भरावन ले जाया गयाए जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी।

क्विक न्यूज

आग ले आठ बकरिया जल मरी दो युवक झुलसे

मौदहा (हमीरपुर)। मंगलवार को देर रात परछा गांव में आग लगने से गई आठ बकरिया जलक मर गयी। दो युवक बुरी तरह झुलस गये है।लेखपाल ने घटनास्थल का निरीक्षण कर रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर पशु चिकित्साधिकारियों को पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए पत्र लिखा है। गांव में महमूद खान पुत्र हकीम खान के डेरा में गुरुवार की मध्यरात्रि अज्ञात कारणों से आग लग गई जहां बने एक कच्चे मकान में 8 बकरियां बंधी हुईं थीं, आग के विकराल रूप धारण करने पर कच्चा मकान आग की चपेट में आ गया हालांकि वहीं पर दूसरे अन्य कमरे में महमूद खान तथा असलम पुत्र महमूद सो रहे थे। बकरियों की आवाज सुनकर जगे महमूद ने जब आग लगी देखी तो उसने तुरंत अपने पुत्र को जगाया और कच्चे मकान के अंदर जाकर बकरियां खोलने लगा लेकिन जब तक बकरियां खोलता तब तक मकान पूर्णतया आग की चपेट में आ चुका था और बकरियां भी अधजली हो गई थी तभी आग की चपेट में आ जाने से पिता पुत्र भी आग की चपेट में आ जाने से काफी झुलस गए। जब दोनों पिता पुत्र ने आग लगने की बात कहकर शोर मचाया तो थोड़ी ही देर में वहां लोगों की भीड़ लग गई और मौजूद लोगों ने जैसे तैसे आग बुझाई। जब तक आग बुझती तब तक सभी बकरियां जल कर मर चुकी थी। घटना की जानकारी सुबह लेखपाल को दी गई तभी मौके पर पहुंचे लेखपाल कमलेश कुमार ने आग लगने से हुए नुकसान का आंकलन कर संबंधितों को भेजा है तथा पशु चिकित्साधिकारियों को मरी हुई बकरियों का पोस्टमार्टम करने के लिए पत्र लिखा है खबर लिखे जाने तक उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ उपेंद्र ने सभी बकरियों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट भेज दी थी।

देवर भाभी की वाहन की टक्कर से मौत

राठ (हमीरपुर)। राठ उरई मार्ग पर जरिया थाना क्षेत्र के चुरहा गाँव की नहर बम्बी के पास गुरुवार को अपने मामा के लड़के की अंतिम संस्कार में शामिल होने आ रहे बाइक सवार देवर भाभी को अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। जिससे दोनों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शव का पंचनामा पर उन्हें पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। जालौन जिला के थाना रमपुरा के ग्राम लिडऊपुर निवासी अभिलाख सिंह पुत्र जगपाल सिंह ने बताया कि आज सुबह उसका भाई विकल्प (35) उसकी पत्नी नीतू (30) को बाइक में बैठाकर राठ उरई मार्ग से महोबा जनपद के ग्राम खरेला निवासी मामा स्व0 खिलावन सिंह के पुत्र अवधेश सिंह की मौत हो जाने पर उसके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए उनके घर जा रहे थे। तभी जरिया थाना क्षेत्र की चुरहा बम्बी के पास उनकी बाइक को अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। जिससे बाइक में सवार दोनों देवर भाभी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची जरिया थाना पुलिस ने दौनों के शवों को कब्जे में लेकर उन्हें पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

ताला तोड़कर चोरी किये लाखों रुपए के जेवरात व नगदी

गुरसहायगंज, कन्नौज। विगत दिन पूर्व अज्ञात चोरों ने घर के ताले तोड़कर लाखों रुपए के जेवरात व नगदी चोरी कर लिए। जानकारी होने पर गृह स्वामी के पैरों तले जमीन खिसक गई। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। नगर के मोहल्ला रामगंज निवासी दीपक पुत्र स्वर्गीय राम नारायण पाल द्वारा कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा गया है कि विगत 19 नवंबर की शाम 06:30 बजे अज्ञात चोरों ने उसके घर का ताला तोड़कर

बक्सा एवं अलमारी में रखें करीब साढे चार लाख रुपए के जेवरात एवं 82000 रुपये की नगदी चोरी कर ली। पीड़ित ने बताया कि वह कपड़े की दुकान चलाता है। शाम को पत्नी घर में ताला डालकर दुकान पर आई हुई थी। इस दौरान चोरों ने घटना को अंजाम दिया है। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस द्वारा घटना की जांच करते हुए आसपास के सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए। समाचार लिखे जाने तक घटना का मुकदमा कोतवाली में दर्ज नहीं हो सका था।

संदिग्ध हालत में महिला की मौत

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के ग्राम हिम्मतपुर में बुधवार की देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में हालत बिगड़ने पर 45 वर्षीय महिला की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हिम्मतपुर गांव निवासी सुनील की पत्नी सुमन की बुधवार की देर रात अचानक तबियत बिगड़ गई। जब तक परिजन कुछ समझ पाते उसकी मौत हो गई। मृतका के पति सुनील ने बताया कि वह गुजरात में मजदूरी करता है। रात में पत्नी की मौत के बाद वह यहां आया है। उसने मकान मालिक राम सजीवन निवासी बलिंदपुर जनपद कानपुर पर आरोप लगाते हुए बताया कि 05-06 दिन पूर्व उसकी पत्नी को थाना क्षेत्र के बैजानी गांव ले गया, जहां लगातार उससे धान कटवाया। साथ ही उसको शराब भी पिलाई। भूख-प्यास के कारण उसकी पत्नी की हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सच्चाई सामने आएगी।

डीएम ने एनआईसी कक्ष में ली बैठक, दिए निर्देश

फतेहपुर। मा. शिक्षा परिषद प्रयागराज बोर्ड की हाईस्कूल एवं इंटर की परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्रो के निर्धारण हेतु कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष में डीएम की अध्यक्षता में संपन्न हुई। यूपी बोर्ड हाईस्कूल एवं इंटर की परीक्षा के लिए मा. शिक्षा परिषद द्वारा 114 केन्द्र प्रस्तावित किये गए हैं, जिनका स्थलीय निरीक्षण कर बोर्ड द्वारा निर्धारित सभी मानकों की जाँच कर ली जाये। केन्द्र निर्धारण में जो आपत्तियां प्राप्त हुई है, नियमानुसार कार्यवाही कर आपत्तियों का निस्तारण किया जाये। नये केंद्रो को बनाने के लिए जो दावे प्राप्त हुए है, जांच संबंधित एसडीएम एवं पुलिस विभाग से करा ली जाये, जो नये केन्द्र प्रस्तावित किये जायें वह सुरक्षा एवं बोर्ड द्वारा निर्धारित सभी मानको को पूरा करते हो। सीडीओ पवन कुमार मीना, एडीएम (वित्त/राजस्व) अविनाश त्रिपाठी, एडीएम न्यायिक धीरेंद्र प्रताप, एसडीएम बिंदकी, खागा, पुलिस क्षेत्राधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

ससुरालियों के खिलाफविवाहिता की हत्या का मुकदमा दर्ज

संवाददाता। फर्रुखाबाद

विवाहिता की हत्या के मामले में ससुराल पक्ष के खिलाफ अदालत के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़िता के भाई ने पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए न्यायालय का रुख किया।गांव नगला चीटन थाना शमशाबाद निवासी गोविंद लोधी राजपूत ने अपनी बहन गीता की हत्या का आरोप ससुराल पक्ष पर लगाया है।

गोविंद ने बताया कि गीता का विवाह लगभग 13 साल पहले रामवीर उर्फ रवि निवासी गुरैयापुर शमशाबाद ;हाल निवासी रोहतकद्ध के साथ हुआ था। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष गीता का उत्पीड़न करता रहा।

गोविंद के अनुसार ससुरालीजनों ने गीता के साथ मारपीट की और अंततः उसकी हत्या कर दी। घटना की सूचना पुलिस को दी गईए लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

एसपी को प्रार्थना पत्र देने के बाद भी मामला नहीं दर्ज किया गयाए जिसके बाद पीड़ित परिवार ने न्यायालय में याचिका दाखिल की। न्यायालय ने मामले को संज्ञान में लेते हुए पुलिस को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। आदेश के बाद पुलिस ने रामवीर उर्फ रवि, ससुर देशराज, सास, मनोज, अर्जुन सहित आधा दर्जन लोगों के खिलाफ हत्या और संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित परिवार ने इस कार्रवाई के बाद न्याय मिलने की उम्मीद जताई है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की गहन जांच की जाएगी और दोषियों को कानून के अनुसार दंडित किया जाएगा।

कृषि प्रसार संबंधित प्रचार सामग्री का वितरण कृषकों के मध्य समय से कराएं

● कार्यालय में साफ सफाई का विशेष ध्यान दें

●अधिकारी क्षेत्र में जाने से पूर्व मूवमेंट पंजिका में अंकन करना सुनिश्चित करें ●मृदा परीक्षण की रिपोर्ट समय से कृषकों को कराएं उपलब्ध

कानपुर देहात। आज जिलाधिकारी आलोक सिंह द्वारा कार्यालय जिला कृषि रक्षा अधिकारी बारा व मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, कानपुर देहात का औचक निरीक्षण किया गया। उन्होंने सर्वप्रथम कार्यालय जिला कृषि रक्षा अधिकारी, बारा का औचक निरीक्षण कियाए जिसमें उन्होंने साफ सफाई व्यवस्था खराब पायीए तथा कार्यालय भी जर्जर पाया गया, जिस संबंध में उन्होनें तत्काल उप निदेशक कृषि को अवगत कराते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

उन्होंने कार्यालय में उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया जिसमें मौके पर कृषि सुरक्षा अधिकारी राम नरेश व कनिष्ठ सहायक संजय कुमार अनुपस्थित पाए गए। कार्यालय में उपस्थित धर्मेंद्र सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि कृषि सुरक्षा अधिकारी का क्षेत्र भृमण पर हैंए जिस पर जिलाधिकारी द्वारा मूवमेंट पंजिका में अंकन के संबंध में पूछा गया किन्तु पंजिका प्रस्तुत नहीं की गई। कार्यालय के निरीक्षण में सामग्री रखरखाव में अव्यवस्था पायी तथा कृषि प्रसार संबंधित प्रचार सामग्री बहुतायत में अव्यवस्थित रूप से पायी गयीए जिसपर जिलाधिकारी ने कड़ा रोष व्यक्त करते हुए समय से सामग्री का वितरण कृषकों के मध्य कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने भंडार गृह का भी निरीक्षण किया व भण्डारकर्ता से उपस्थित स्टॉक के संबंध में जानकारी करते हुए उपलब्ध स्टॉक का वितरण समय से कराए जाने के निर्देश दिए।

मृदा परीक्षण प्रयोगशालाए कानपुर देहात का भी औचक निरीक्षण करते हुए उपस्थित रसायनों की उपलब्धता के संबंध में जानकारी की जिसमें सभी रसायनों की उपलब्धता मौके पर पायी गयी। उन्होनें मौके पर मृदा परीक्षण होता पाया तथा मृदा परीक्षण प्रमाण पत्र का वितरण कृषकों के मध्य समय से सुनिश्चित कराने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। मृदा परीक्षण अधिकारी को जनपद को मृदा परीक्षण के विभिन्न घटकों के अनुरूप विभाजित करते हुए कृषक हित में कार्ययोजना तैयार कर 03 दिन में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिला खाद्य एवं विपरण अधिकारी राघवेंद्र प्रताप सिंह सहित संबंधित कार्यालय के अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित रहे।

थाना साइबर क्राइम पुलिस टीम ने वांछित को दबोचा

● गरूढ़ अभियान के दौरान कार्रवाई कर भेजा गया जेल

संवाददाता। कन्नौज

साईबर थाना पुलिस की हिरासत में मौजूद आरोपी।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी सदर कमलेश कुमार के पर्यवेक्षण मे गुरूवार को महिला सुरक्षा/सशक्तीकरण के अनुक्रम में चलाये जा रहे गरूढ़ अभियान के क्रम मे थाना साइबर क्राइम पुलिस द्वारा एक मुकदमें में काफी समय बांछित चल रहे आरोपी हिरासत में लेकर कार्रवई की है।

गुरूवार को थाना साइबर क्राइम प्रभारी जयन्ती प्रसाद गंगवार, मुख्य आरक्षी अर्जुन सिंह व रामऔतार द्वारा थाना सौरिख से सम्बंधित मुकदमें के अभियुक्त मुकेश यादव उर्फ आदित्य पुत्र मन्नाराम यादव निवासी ग्राम कीरारोड थाना प्रागपुरा जिला कोटपुतली (जयपुर) हाल पता गड़गौर पैलेस गोविन्दपुरा कलवार रोड थाना करधनी जिला जयपुर, राजस्थान को दबिस देकर नियमानुसार गिरफ्तार किया गया।

बताया कि अभियुक्त द्वारा फर्जी नाम से इंस्टाग्राम आईडी बनाकर वादी की पुत्री व उसकी सहेलियों के फोटो/वीडियो मय अभद्र/ अश्लील गानों एवं टिप्पणियों के साथ निरन्तर अपलोड़ किया जा रहा था। जिसके विरुद्ध साइबर क्राइम थाना कन्नौज पर अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुये न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

50 लाख की चोरी के मामले में खुलासा न होने पर व्यापारियों ने दी आंदोलन की धमकी

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र में एक महीने पूर्व व्यापारी नितेश गुप्ता के यहॉ 50 लाख की चोरी के मामले को एक महीने बाद भी खुलासा न करने पर जिला उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के पदाधिकारियों व व्यापारियों ने निरीक्षक अमरेन्द्र बहादुर सिंह और सीओ सॅजय से वार्ता कर एक सप्ताह का समय दिया। व्यापारियों ने खुलासा न होने की स्थिति में ऑदोलन व धरना प्रर्दशन की चेतावनी दी है।

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के जिलाध्यक्ष आशीष गुप्ता मोनू के नेतृव्व में पदाधिकारियों ने भोगनीपुर कोतवाली में क्षेत्राधिकारी सॅजय सिंह व निरीक्षक अमरेन्द्र बहादुर सिंह से मुलाकात की, व्यापारियों ने कोतवाली क्षेत्र में एक महीने पूर्व व्यापारी नितेश गुप्ता के यहॉ 50 लाख की चोरी का खुलासा न होने पर आक्रोश व्यक्त किया। पुलिस अधिकारियों ने व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों व व्यापारियों को

पुखरॉया में बैठक में मौजूद व्यापार मण्डल जिलाध्यक्ष आशीष गुप्ता मोनू सहित अन्य पदाधिकारी।

अतिशीघ्र चोरी की घटना के खुलासे का आश्वासन दिया। व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों ने एक सप्ताह में मामले का खुलासा न होने पर ऑदोलन व धरना प्रर्दशन की चेतावनी दी। प्रमुख रूप से प्रॉतीय सॅगठन मंत्री नीरज मिश्रा, जिलाध्यक्ष आशीष गुप्ता मोनू, वरिष्ठ महामंत्री पीयूष कौशल, अजय बाजपेई, गोविन्द मिश्रा जनसेवक, विनय ओमर, ध्रुव ओमर सभासद, पीडित व्यापारी नितेश गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी व व्यापारी मौजूद रहे।

खाद और बीज की अनउपलब्धता से किसान परेशान, बुआई हो रही प्रभावित

संडीला (हरदोई)। सरकार के द्वारा किसानों को सबसिडी देकर खाद और बीज उपलब्ध कराने के प्रयास मांग के अनुरूप बेहद कम होने से किसान मारे.मारे फिर रहे हैं। बीज और खाद की अनउपलब्धता के कारण फ़सलों की बुआई भी प्रभावित हो रही हैए जिससे उत्पादन में गिरावट की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। प्रदेश सरकार के सहकारिता विभाग के माध्यम से सहकारी समितियां स्थापित कर किसानों को खादए उन्नत बीज तथा कृषि उपकरण, कीट नाशक आदि रियायती दरों पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी है, लेकिन थरातल पर स्थिति बेहदर परेशान करने वाली है।

सहकारी समितियों पर बुआई के लिए अतिआवश्यक डीएपी खाद ऊंट के मुंह में जीरा के बराबर उपलब्ध हो पा रही है। हद तो यह है कि प्रातः ठंड में किसान और विशेष रूप से परिवार की औरतें समितियों के सामने लाइने लगाते हैं और फिर निराश होकर लौट जाते हैं क्योंकि उन्हें बताया जाता है कि खाद उपलब्ध नहीं है। लोगों का आरोप है कि डीएपी खाद की उपलब्धता में जमकर खेल हो रहा है। खुले बाज़ार में डीएपी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है जबकि आधिकारिक तौर पर लंबे चौड़े दावे किए जा रहे हैं कि खाद की कहीं कोई कमी नहीं है। दूसरी ओर किसानों को इन समितियों के माध्यम से गेहूं का बीज भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। समितियों पर यह बताया जाता है कि स्टॉक समाप्त हो गया है।

गौरतलब है कि इस बार गेहूं के बीज पर मिलने वाली सबसिडी के स्थान पर गेहूं के बीज का दाम आधा कर दिया गया है और यही गेहूं के बीज के समितियों से गायब होने का प्रमुख कारण बताया जा रहा है। आरोप है कि पहुंच वाले लोगों ने इस गेहूं के बीज को हस्तगत कर लिया हैए जो आराम से बारदाना बदल कर खुले बाजार में दूनी कीमत पर बिक रहा है। इस प्रकार खाद और बीज की उनउपलब्धता ने किसानों को चिंता में डाल दिया है क्योंकि इनकी अनउपलब्धता के कारण बड़ी संख्या में किसान अभी तक अपने खेतों की बुआई नहीं कर पाए हैं। क्षेत्र में जाकर देखने से यह पता चलता है कि अभी तक मात्र कुल कृषि भूमि का 1ध्3 भाग ही बोया जा सका है। किसानों का यह कहना है कि इस देर के कारण गेहूं की पैदावार कम हो सकती है। इस संबंध में सहकारी समितियों के सचिवों का रटा रटाया जवाब है कि जैसे ही खाद और बीज उपलब्ध हो जाएगा किसानों को वितरित कर दिया जाएगा। यहां यह भी विचारणीय है कि सहाकारी समितियों में बड़ी संख्या में सचिव ही नहीं हैं। इसलिए इन समितियों की कार्यप्रणाली का सहज अंदाजा ही लगाया जा सकता है।

नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए

एक लाख करोड़ रुपए के कोष का उपयोग करे उद्योग: गोयल

नई दिल्ली। (भाषा) वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को उद्योग जगत से देश में नवोन्मेष को बढ़ावा देने और अनुसंधान-आधारित परिवेश बनाने के लिए अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) के तहत एक लाख करोड़ रुपए के कोष का उपयोग करने को कहा।गोयल ने उद्योग मंडल फिक्की की 97वीं वार्षिक आम बैठक और सम्मेलन में यह भी उम्मीद जताई कि भारत को अनुसंधान एवं विकास परिवेश विकसित करने में मदद करने की सरकार की पहल से उद्योग के लोगों की रुचि बढ़ेगी। मंत्री ने कोष प्राप्त करने की प्रक्रियाओं को परिणाम उन्मुख बनाने और समय के लिहाज से कुशल बनाने के लिए सुझाव भी मांगे।

गोयल ने लोगों की जरूरतों को पूरा करने और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नवोन्मेष को बढ़ावा देने और उद्योग के साथ सहयोग के लिए उद्योग-शैक्षणिक-सरकारी भागीदारी का हिस्सा बनने को लेकर निजी क्षेत्र के संस्थानों को लाने की वकालत की। उन्होंने कहा, इस पूंजी (एएनआरएफ) के साथ और अगर हम इसे जल्दी से उपयोग कर सकते हैं, तो मैं आपको भरोसा दिलाता हूं, सरकार अतिरिक्त कोष से पीछे नहीं हटेगी। गोयल ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के तहत डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना... सौभाग्य, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई), आयुष्मान भारत जैसी अन्य पहल की गईं। स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल के तहत स्कूलों और कॉलेजों में शौचालय बनाए जाने से बच्चों के भविष्य पर बड़ा सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे भारत की विकास गाथा बढ़ेगी। गोयल ने उद्योग जगत से अधिक सक्रिय भूमिका निभाने और अनुपालन बोझ को कम करने और व्यवसायों के लिए नुकसानदायक कानूनों को अपराधमुक्त करने के अपने एजेंडा में सरकार के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे करोबार सुगमता की स्थिति में और सुधार होगा।मंत्री ने देश मं गुणवत्ता मानकों को बढ़ाने और मानकों को बनाए रखने के लिए फिक्की से अपनी तकनीकी समितियों में प्रत्एक उद्योग से एक प्रतिनिधि शामिल करने का आग्रह किया।

लूटे गए हथियारों की बरामदगी के लिए पूरे मणिपुर में अफस्पा लागू हो : कुकी विधायकों का समूह

इम्फालागुवाहाटी।(भाषा) मणिपुर विधानसभा के 10 कुकी विधायकों ने मांग की है कि लूटे गए हथियारों की बरामदगी के लिए अफस्पा (एएफएसपीए) को पूरे राज्य में लागू किया जाए। इन विधायकों में राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन के सात विधायक भी शामिल हैं। केंद्र ने 14 नवंबर को हिंसा प्रभावित जिरीबाम सहित मणिपुर के छह पुलिस थाना क्षेत्रों में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (एएफएसपीए) को फिर से लागू कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि यह निर्णय वहां की लगातार अस्थिर स्थिति को देखते हुए लिया गया। एक संयुक्त बयान में, 10 कुकी विधायकों ने कहा, 14 नवंबर, 2024 के आदेशों के अनुसार एएफएसपीए लगाने को लेकर वास्तव में शेष 13 पुलिस न्यायक्षेत्रों में अधिनियम का विस्तार करने के लिए तत्काल समीक्षा की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पिछले साल तीन मई से मेइती विद्रोहियों द्वारा लूटे गए 6,000 से अधिक अत्याधुनिक हथियारों की बरामदगी के लिए पूरे राज्य में एएफएसपीए लागू किया जाना चाहिए क्योंकि हिंसा को रोकने के लिए यह लंबे समय से अपेक्षित कार्वाई है। मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग के विरोध में राज्य के पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किए जाने के बाद मेइती और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा तीन मई, 2023 को शुरू हुई। तब से अब तक हुई हिंसा में 220 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। मणिपुर में सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के विधायकों द्वारा पारित किए गए प्रस्ताव की भी आदिवासी विधायकों ने आलोचना की। इस प्रस्ताव में सात दिनों के भीतर जिरीबाम जिले में तीन महिलाओं और तीन बच्चों की हत्या के लिए जिम्मेदार कुकी उग्रवादियों के खिलाफ जन अभियान चलाने का आह्वान किया गया है। कुकी विधायकों ने आरोप लगाया कि यह प्रस्ताव विभाजनकारी, एकतरफा और सांप्रदायिक था। उन्होंने यह भी दावा किया कि छह नागरिकों की मौत से संबंधित मामलों को एनआईए को सौंपने की मांग करने वाले प्रस्ताव से सांप्रदायिक राज्य की गंध आ रही है।

जेडीए ने जम्मू में विस्थापित कश्मीरियो की दुकाने तोड़ी, लोगो ने किया प्रदर्शन

जम्मू। जम्मू विकास प्राधिकरण ने जम्मू शहर में विस्थापित कश्मीरी पंडितों की एक दर्जन दुकानों को कथित तौर पर बिना नोटिस जारी किए तोड़ दिया। प्राधिकरण की इस कार्वाई का विभिन्न वर्गों ने विरोध किया और अधिकारियों के खिलाफ कार्वाई की मांग की।अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया गया जिसमें विस्थापित कश्मीरी पंडितों द्वारा तीन दशक पहले मुथी कैंप के पास बनाई गई दुकानों को निशाना बनाया गया।उन्होंने बताया कि पुरानी दुकानें जम्मू विकास प्राधिकरण (जेडीए) की जमीन पर स्थित थीं।राहत आयुक्त अरविंद करवानी ने स्थिति का आकलन करने के लिए इलाके का दौरा किया और प्रभावित परिवारों को आश्वासन दिया कि इलाके में उनके लिए नई दुकानें बनाई जाएंगी। न्होंने बताया, ए दुकानें जेडीए की जमीन पर थीं। राहत संगठन ने मुथी कैंप फेज-2 में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए टेंडर जारी किए हैं। जल्द ही दस दुकानें बनाकर इन दुकानदारों को आवंटित कर दी जाएंगी। ारतीय जनता पार्टी (भाजपा), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और अपनी पार्टी समेत राजनीतिक दलों तथा कई कश्मीर पंडित संगठनों ने जेडीए की कार्वाई की निंदा की और विस्थापित समुदाय के लिए नई दुकानों के निर्माण की मांग की ताकि उन्हें अपनी आजीविका बनाए रखने में मदद मिल सके। दुकान के मालिक कुलदीप किसरू ने अपनी तोड़ी हुई दुकान की ओर इशारा करते हुए कहा, बेहतर सुविधाएं और वित्तीय सहायता प्रदान कर हमें जीवित रहने में मदद करने के बजाय इस सरकार ने हमारी दुकानों को बुलडोजर से गिराकर हमारी रोटी भी छीन ली है।

कांग्रेस-बीजद ने ओडिशा में अदाणी के भूमि खरीदने पर सवाल उठाए

भुवनेश्वर। (भाषा) अदाणी समूह द्वारा ओडिशा में गंधमर्दन पहाड़ियों के पास जमीन खरीदने के बाद विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) एवं कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार से स्पष्टीकरण मांगकर यह जनना चाहा कि क्या कंपनी की उस क्षेत्र में खनन करने की कोई योजना है। हालांकि, अदाणी समूह ने कहा कि भूमि अधिग्रहण का उद्देश्य वनीकरण के माध्यम से स्थानीय पारिस्थितिकी को समृद्ध करना है, और उसका कोई व्यावसायिक इरादा नहीं है। वर्ष 2023 में जब बीजद सत्ता में था, तब बारगढ़ से बलांगीर जिले तक विस्तृत गंधमर्दन पहाड़ी क्षेत्र को जैव विविधता विरासत स्थल (बीएचएस) घोषित किया गया था। बीएचएस समृद्ध जैव विविधता के साथ एक अद्वितीय और नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र वाला एक क्षेत्र है। बोलांगीर के बीजद विधायक कलिकेश सिंह देव ने कहा, सरकार को अदाणी समूह द्वारा गंधमर्दन पहाड़ी के पास भूमि अधिग्रहण के उद्देश्य पर बोलना चाहिए, जहां अनुमानित तौर पर 20.7 करोड़ टन बॉक्साइट का भंडार है। चूंकि राज्य सरकार इस मामले पर चुप है, इसलिए लोगों का संदेह बढ़ता है। उन्होंने दावा किया कि 1980 के दशक में दो जिलों के लोगों ने गंधमर्दन पहाड़ियों में बॉक्साइट खनन करने की भारत एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (बाल्को) की योजना का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि लोग आवश्यकता पड़ने पर फिर आंदोलन शुरू करने के लिए तैयार हो रहे हैं और यदि कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न होती है तो राज्य सरकार जिम्मेदार होगी। वयोवृद्ध कांग्रेस नेता नरसिंह मिश्रा ने कहा कि अगर सैकड़ों औषधीय पौधों के खजाने गंधमर्दन पहाड़ियों में खनन की कोई योजना है तो पार्टी बड़े पैमाने पर आंदोलन शुरू करेगी। हालांकि, वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि गंधमर्दन पहाड़ियों में खनन का कोई प्रस्ताव नहीं है। प्रधान ने कहा, चूंकि बीजद के पास राज्य सरकार के खिलाफ कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वह एक गैर-मुद्दा उठाने की कोशिश कर रही है।

उपमुख्यमंत्री केवी सिंह देव, जो बीजद विधायक के रिश्तेदार भी हैं, ने दावा किया कि बोलांगीर विधायक सिर्फ सुर्खियों में बने रहने के लिए बिना बात का मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ओडिशा के प्रधान मुख्य वन संरक्षक देबिदत्त बिस्वाल ने कहा कि उन्हें अदाणी समूह द्वारा जमीन खरीद के बारे में कोई जानकारी नहीं है। बिस्वाल ने कहा, किसी वन भूमि का हस्तांतरण किसी समूह को नहीं किया गया है। इस बीच, अदाणी समूह ने एक बयान में कहा, महानदी माइंस एंड मिनरल्स ने बोलांगीर और बारगढ़ जिलों में इच्छुक भूमि मालिकों से निजी भूमि का अधिग्रहण किया है ताकि इसे वनीकरण उद्देश्यों के लिए ओडिशा सरकार के वन विभाग को हस्तांतरित किया जा सके।

पुलिस पर हमला करने के आरोप में 100 से ज्यादा कार्यकर्ताओं पर मुकदमा

मुजफ्फरनगर। (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुजफ्फर नगर स्थित ककरौली क्षेत्र में पुलिस पर पथराव करने और जान से मारने की नीयत से हमला करने के आरोप में समाजवादी पार्टी (सपा) एवं आल इंडिया मजलिसएइत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के 100 से अधिक कथित कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।सपा और एआईएमआईएम के जिलाध्यक्षों का आरोप है कि पुलिस बुधवार को मीरापुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में मतदाताओं को वोट डालने से रोक रही थी। इसका विरोध करने पर झूठे आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (देहात) आदित्य बंसल ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि ककरौली गांव में बुधवार शाम सपा एवं एआईएमआईएम के कार्यकर्ता आपस में झगड़ रहे थे और पुलिस जब बीचबचाव करने पहुंची तो मौके पर मौजूद दोनों दलों के कार्यकर्ताओं ने पुलिस दल पर पथराव कर दिया।

उन्होंने बताया कि इस मामले में पुलिस ने बुधवार देर रात सपा के 15 और एआईएमआईएम के 10 नामजद तथा 90 से ज्यादा अज्ञात कार्यकर्ताओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 (हत्या का प्रयास), 115 (जानबूझकर चोट पहुंचाना), 121 (सरकारी काम में बाधा डालना), 125 (किसी व्यक्ति की जान या सुरक्षा को जानबूझकर खतरे में डालना), 131 (किसी व्यक्ति पर गंभीर और अचानक उकसावे के अलावा हमला करने या आपराधिक बल का इस्तेमाल), 132 (किसी सरकारी कर्मचारी को उसके काम करने से रोकने के लिए बल प्रयोग करना) 190 (गैर कानूनी तरीके से भीड़ जुटाना), 191 (दंगा), 223 (सरकारी आदेशों का पालन न करना), 351 (किसी व्यक्ति के सम्मान को नुकसान पहुंचाना) और 352 (शांति भंग करने के लिए जानबूझकर अपमान करना) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कार्यवाही शुरू की है। इस बीच, सपा के जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस लोगों को वोट डालने से रोक रही थी। यहां तक कि ककरौली के थानाध्यक्ष राजीव शर्मा ने पिस्टल लहराते हुए मतदाताओं को आतंकित किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

उन्होंने कहा कि इसका विरोध करने पर पुलिस ने झूठे आरोपों में मुकदमा दर्ज करवा दिया है, जिन 15 नामजद आरोपियों को सपा का कार्यकर्ता बताया जा रहा है, वे दरअसल पार्टी के कार्यकर्ता नहीं हैं। वे आम लोग हैं।

महिला प्रशिक्षु खिलाड़ियों से छेड़खानी के आरोप में क्रीड़ाधिकारी समेत दो के खिलाफ मामला दर्ज

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में फुटबॉल का प्रशिक्षण ले रही दो खिलाड़ियों ने जिले के प्रभारी क्रीड़ाधिकारी और कोच के खिलाफ छेड़छाड़ और उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया है। खिलाड़ियों का आरोप है कि खेल अधिकारी चयन ट्रायल जैसी गतिविधियों में बालिका खिलाड़ियों के साथ छेड़खानी करते थे। पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) सुमित त्रिपाठी ने बृहस्पतिवार को बताया कि शहर स्थित के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम में फुटबॉल का प्रशिक्षण ले रही दो खिलाड़ियों ने पुलिस को दी गई शिकायत में प्रभारी क्रीड़ाधिकारी राजेश कुमार सोनकर पर प्रशिक्षण के दौरान महिला प्रशिक्षु खिलाड़ियों को गलत तरीके से छूने और छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि स्टेडियम में तैनात फुटबॉल प्रशिक्षक श्रद्धा सोनकर इस तरह की हरकत में क्रीड़ाधिकारी का साथ देती हैं। त्रिपाठी ने बताया कि क्रीड़ाधिकारी राजेश कुमार सोनकर और फुटबॉल प्रशिक्षक श्रद्धा के विरुद्ध धारा भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 (महिला की गरिमा भंग करने के इरादे से उस पर हमला करना या आपराधिक बल का प्रयोग करना), 315 (2) (धमकाना) और 85 (महिला को धमकी देना और लगातार प्रताड़ित करना) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। प्रशिक्षु खिलाड़ियों का आरोप है कि राजेश सोनकर बाराबंकी में होने वाले फुटबाल संबंधी सभी प्रतियोगिताओं, चयन ट्रायल जैसी गतिविधियों में अपनी ड्यूटी के दौरान बालिका खिलाड़ियों को गलत तरीके से छूने के साथ-साथ शारीरिक व मानसिक रूप से उत्पीड़न करते रहते हैं। शिकायत में कहा गया है कि लोक लाज के भय से कोई भी खिलाड़ी कभी उनके विरुद्ध बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पाती है। शिकायत में कहा गया है कि श्रद्धा सोनकर आरोपी क्रीड़ाधिकारी राजेश सोनकर की रिश्तेदार है। शिकायत के मुताबिक श्रद्धा खिलाड़ियों पर राजेश के आवास पर मिलते रहने का अनावश्यक दबाव बनाती हैं।

तमिलनाडु का अदाणी की कंपनी से कोई लेना-देना नही : सेंथिल बालाजी

करूर। तमिलनाडु के ऊर्जा मंत्री वी सेंथिल बालाजी ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित बिजली निगम का गौतम अदाणी की कंपनी के साथ कोई वाणिज्यिक संबंध नही है और राज्य को केवल केंद्र सरकार की एक कंपनी से बिजली खरीदने का समझौता है।मंत्री ने यहां संवाददाताओ से बात करते हुए कहा कि उन्होने उद्योगपति गौतम अदाणी के संबंध मे कुछ खबरो और सोशल मीडिया की पोस्ट मे तमिलनाडु का संदर्भ देखा है। अदाणी पर सौर ऊर्जा अनुबंधो के संबंध मे अमेरिका मे आरोप लगाए गए है।उन्होने कहा, मै सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि जहां तक टीएएनजीईडीसीओ (टीएन जेनरेशन एंड डिस्ट्रीक्यूशन कॉर्पोरेशन) का संबंध है, इसका पिछले तीन वर्षो के दौरान (मई 2021 मे द्रमुक के सत्ता संभालने के बाद) अदाणी की कंपनी के साथ किसी भी तरह का व्यावसायिक संबंध नही रहा है।

विकास के लिए शांतिपूर्ण माहौल जरूरी: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली>(भाषा) उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत की विदेश नीति राष्ट्रों की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान तथा संघर्ष के मुकाबले संवाद को प्राथमिकता देने पर जोर देती है। उन्होंने कहा कि दुनिया देश के सद्भाव और सह-अस्तित्व के सदियों पुराने सिद्धांतों से सीख सकती है।

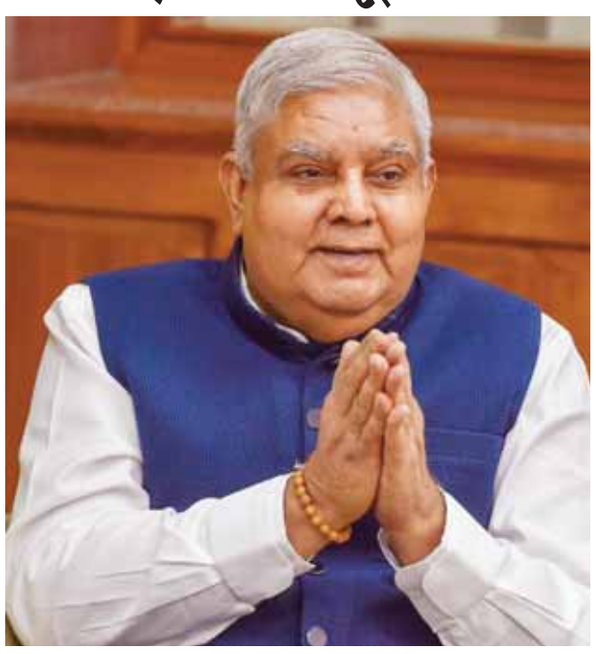

उन्होंने राष्ट्रों द्वारा मजबूत रक्षा क्षमताओं के माध्यम से सामरिक सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया तथा इस बात को रेखांकित किया कि विकास के लिए शांतिपूर्ण माहौल आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विश्व के किसी भी भाग में शांति भंग होने या हिंसा भड़कने से विकास में बाधा उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति पर आधारित एक मजबूत राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचा हमारे विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूर्व शर्त है। यहां राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय में भारत के मूल मूल्य, हित और उद्देश्य विषय पर व्याख्यान देते हुए धनखड़ ने इस बात पर जोर दिया कि समावेशी विकास, शांति और सार्वभौमिक कल्याण, पर्यावरण का पोषण करते हुए, भारतीय दर्शन के केंद्र में है। उन्होंने कहा कि सदियों से भारत के मूल मूल्य इसकी पहचान का आधार हैं और इसकी सभ्यतागत प्रकृति पर आधारित हैं। वर्तमान समय में, वे प्राचीन ज्ञान और आधुनिकता का मिश्रण हैं जिसका उद्देश्य लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत अपनी विविधता का जश्न मनाता है, जिसमें अनेक आधिकारिक भाषाएं, कई धर्म और विभिन्न जातियां एक ही संविधान के तहत आती हैं, जो स्वतंत्रता और समानता सुनिश्चित करती हैं। अपने संबोधन में धनखड़ ने कहा कि भारत के हित उसके लोगों के कल्याण और वैश्विक शांति से प्रेरित हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद और कट्टरवाद के खतरे से मिलकर और एकजुट होकर मुकाबला किया जाना चाहिए। लैंगिक न्याय के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, भारत लैंगिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है, यह अर्थव्यवस्था और सामाजिक मूल्यों के साथ-साथ सद्भाव के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसके परिणामस्वरूप न केवल महिलाओं का सशक्तिकरण हुआ है, बल्कि वे महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के अगले स्तर पर पहुंच गई हैं।

भाजपा ने औरंगाबाद पूर्व सीट पर फर्जी वोट डलवाए : एआईएमआईएम नेता जलील

छत्रपति संभाजीनगर। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) नेता इम्तियाज जलील ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि एक दिन पहले हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान औरंगाबाद पूर्व सीट पर फर्जी वोट डाले गए। उन्होंने पत्रकारों को कुछ वीडियो दिखाए और चुनाव अधिकारियों से कार्वाई की मांग की। महाराष्ट्र विधानसभा की सभी 288 सीट के लिए बुधवार को मतदान हुआ, जबकि मतों की गिनती शनिवार को होगी। औरंगाबाद पूर्व में जलील का मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अतुल सावे से है। यह निर्वाचन क्षेत्र छत्रपति संभाजीनगर जिले का हिस्सा है। जलील ने एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया,"भाजपा ने फर्जी वोट डलवाए और नकद भी बांटा। अगर जवाहरनगर थाने के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाए, तो पता चल जाएगा कि उस दिन कितनी मुस्लिम महिलाएं पार्टी कार्यालय गई थीं। एआईएमआईएम नेता ने दावा किया कि दूसरा वीडियो भरतनगर इलाके का है, जहां के लोगों ने उन्हें बताया कि भाजपा फर्जी मतदान करवा रही है। उन्होंने कहा,"कुछ लोगों ने मुझे बताया कि वोट देने आई एक महिला के पास कोई पहचानपत्र नहीं था। मैं उसके पास पहुंचने ही वाला था कि पुलिस ने उससे जाने के लिए कह दिया। इस बीच, एक अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन क्षेत्र के नेहरू विद्यालय स्थित एक मतदान केंद्र पर अनधिकृत रूप से एकत्र होने के लिए जलील और कुछ अन्य के खिलाफ पुंडलिक नगर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

पेज 1 का शेष

शीतकालीन...

अलग-अलग मुद्दे हैं। राहुल ने कहा, 'लेकिन अगर अडानी उचित प्रक्रिया के तहत काम कर रहे हैं, तो हमें कोई समस्या नहीं है। जांच करना सरकार का काम है।' अमेरिकी अभियोजकों द्वारा गैर-भाजपा शासित कुछ राज्यों के नाम लिए जाने के बारे में पूछे जाने पर राहुल ने कहा कि जहां भी ऐसा हुआ है, चाहे सत्ता में कोई भी पार्टी हो, इसकी जांच होनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अडानी समूह के कामकाज के सभी पहलुओं, जिसमें विदेशों में इसके निवेश भी शामिल हैं, की संयुक्त संसदीय समिति द्वारा व्यापक जांच शुरू की जानी चाहिए।भाजपा ने प्रधानमंत्री पर राहुल गांधी के हमले को अपने नेता को निशाना बनाने के उनके लंबे समय से चल रहे प्रयासों का हिस्सा बताया और कहा कि अमेरिकी अदालतों में जिन चार राज्यों (आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु और ओडिशा) का नाम लिया गया है, उनमें से किसी में भी भाजपा की सरकार नहीं है। भाजपा प्रवक्ता और लोकसभा सांसद संबित पात्रा ने स्पष्ट किया कि जहां तक अडानी समूह के खिलाफ आरोपों का सवाल है, तो कंपनी को स्पष्टीकरण जारी करना चाहिए और अपना बचाव करना चाहिए। भाजपा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानना चाहा कि 'कानून अपना काम करेगा और अगर अडानी भ्रष्ट हैं, तो कांग्रेस सरकारें उनकी कंपनी से निवेश क्यों मांग रही हैं।' अमेरिकी अधिकारियों ने कथित योजना के संबंध में एक बड़े कनाडाई पेंशन फंड, सीडीपीक्यू के तीन पूर्व कर्मचारियों पर भी आरोप लगाया, जिसमें कहा गया कि उन्होंने ईमेल डिलीट करके और अमेरिकी सरकार को गलत जानकारी देने के लिए सहमत होकर रिश्वत की जांच में बाधा डाली। सीडीपीक्यू, जो बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश करता है, अडानी कंपनियों में एक शेयरधारक है। इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए, अडानी के प्रवक्ता ने अमेरिकी न्याय विभाग के बयान की ओर इशारा किया, जिसमें कहा गया था कि 'अभियोग में आरोप आरोप हैं और जब तक दोषी साबित नहीं हो जाते, तब तक प्रतिवादियों को निर्दोष माना जाता है।' प्रवक्ता ने कहा, 'अडानी समूह ने हमेशा अपने संचालन के सभी अधिकार क्षेत्रों में शासन, पारदर्शिता और विनियामक अनुपालन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपने हितधारकों, भागीदारों और कर्मचारियों को आश्वस्त करते हैं कि हम एक कानून का पालन करने वाला संगठन हैं, जो सभी कानूनों का पूरी तरह से अनुपालन करता है।'

गंभीर से....

सचिवालय सेवा अधिकारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक निकाय ने 18 नवंबर को गंभीर प्रदूषण स्तर के चलते घर से काम करने, काम के अलग-अलग समय और सभी कार्यालय भवनों में वायुशोधक लगाने की मांग की थी।

रूस ने...

में हुआ है जब युद्ध ने रूस की मदद के लिए उत्तर कोरियाई सैनिकों के आगमन के साथ युद्ध को अंतरराष्ट्रीय आयाम दिया है - एक ऐसा घटनाक्रम जिसके बारे में अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि इसने यूक्रेन को रूस में लंबी दूरी की अमेरिकी मिसाइलों को दागने की अनुमति देने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बिडेन की नीति में बदलाव किया।

आप...

विश्वास नगर से दीपक सिंघला और रोहतास नगर से सरिता सिंह चुनाव लड़ेंगी। लक्ष्मी नगर से बीबी त्यागी और बदरपुर से राम सिंह नेताजी को आप का उम्मीदवार बनाया गया है। सीलमपुर से जुबैर चौधरी और सीमापुरी से वीर सिंह धींगान आप के उम्मीदवार होंगे। घोंडा से गौरव शर्मा और करावल नगर से मनोज त्यागी को उम्मीदवार बनाया गया है। मटियाला से सोमेश शौकीन आप के उम्मीदवार होंगे। तंवर और झा दोनों ही पूर्व भाजपा विधायक हैं और इसी साल आप में शामिल हुए हैं। बीबी त्यागी भी पूर्व भाजपा नेता हैं और दिल्ली नगर निगम के दो बार पार्षद रह चुके हैं। दीपक सिंघला पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं, जो पिछली बार विश्वास नगर से भाजपा के ओम प्रकाश शर्मा से हार गए थे। सरिता सिंह आप की छात्र शाखा छात्र युवा संघर्ष समिति की प्रमुख हैं और रोहतास नगर से पूर्व विधायक हैं। राम सिंह नेताजी बदरपुर से दो बार विधायक रह चुके हैं और जुबैर चौधरी सीलमपुर से पांच बार विधायक रह चुके और कांग्रेस नेता मतीन अहमद के बेटे हैं। वीर सिंह धींगान, जो पहले कांग्रेस में थे, सीमापुरी से तीन बार विधायक रह चुके हैं। गौरव शर्मा आप के संगठन निर्माण के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव हैं और मनोज त्यागी पूर्व पार्षद हैं। सोमेश शौकीन भी पूर्व कांग्रेस विधायक हैं, जो इस साल आप में शामिल हुए हैं। पिछला दिल्ली विधानसभा चुनाव फरवरी 2020 में हुआ था, जिसमें आप ने 70 में से 62 सीटें हासिल करते हुए निर्णायक जीत हासिल की थी। भाजपा को केवल 8 सीटें मिलीं और कांग्रेस अपना खाता भी नहीं खोल पाई। अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री बने। हालांकि, केजरीवाल के कार्यकाल में बड़ी चुनौतियां आईं। मार्च 2024 में उन्हें रद्द की गई दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था।

पटियाला..

जिला न्यायाधीश (वाणिज्यिक न्यायालय) विद्या प्रकाश ने अपने पांच पन्नों के आदेश में कहा कि नगर पालिका द्वारा इस वर्ष की शुरुआत में की गई अपील खारिज होने के बाद एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में 2020 का मध्यस्थता अवार्ड अंतिम रूप ले चुका है। उपर्युक्त तथ्यों और परिस्थितियों तथा इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि बार-बार अवसर दिए जाने के बावजूद जेडी अपनी संपत्ति का हलफनामा प्रस्तुत करने के निर्देश का पालन करने में विफल रहा है, न्यायालय डीएच की ओर से प्रस्तुत किए गए तर्कों से सहमत होते हुए, इसे जजमेंट डेब्टर (जेडी) यानी बीकानेर हाउस, नई दिल्ली की अचल संपत्ति के खिलाफ कुर्की वारंट जारी करने के लिए उपयुक्त मामला पाता है। आदेश में कहा गया है, तदनुसार, डीएच द्वारा अपेक्षित कदम उठाए जाने पर, सीपीसी के आदेश 21 नियम 54 में निहित प्रावधानों के अनुसार, इस न्यायालय के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में स्थित जेडी यानी बीकानेर हाउस, नई दिल्ली की अचल संपत्ति की कुर्की के वारंट जारी किए जाते हैं, जिसमें कहा जाएगा कि निर्णय देनदार (जेडी) को किसी भी तरह से संपत्ति को स्थानांतरित या चार्ज करने से प्रतिबंधित किया जाता है, और सभी व्यक्तियों को ऐसे हस्तांतरण या चार्ज से कोई लाभ लेने से प्रतिबंधित किया जाता है और जेडी को इस न्यायालय द्वारा निर्धारित की जाने वाली अगली तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित होने की आवश्यकता होगी, ताकि बिक्री की घोषणा की शर्तों को निपटाने के लिए तय की जाने वाली तारीख का नोटिस लिया जा सके, अगली तारीख के लिए वापस किया जा सके। 18 सितंबर को पारित एक आदेश में, न्यायाधीश ने अदालत के निर्देशों का पालन न करने का उल्लेख किया था। 1911 में, दिल्ली दरबार के भव्य समारोहों के दौरान, किंग जॉर्ज पंचम ने घोषणा की कि ब्रिटिश भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित की जानी थी। इरादा ऐतिहासिक दिल्ली में एक भव्य शाही उपस्थिति बनाना था। शाही निवास के रूप में उपयोग किए जाने के दौरान, भूतल पर रिसेप्शन सुइट्स, निजी कमरे और अतिथि कक्ष थे, जबकि जनाना या महिलाओं का क्वार्टर पहली मंजिल पर था। इसका वर्तमान स्वरूप अभी भी अपने मूल संरक्षकों की शाही भव्यता और स्वाद को दर्शाता है। 1947 में भारतीय स्वतंत्रता के समय, बीकानेर हाउस भारतीय शाही परिवारों के बीच कई महत्वपूर्ण बैठकों का स्थल था, जिन्होंने अपने भविष्य पर विचार-विमर्श किया। यहीं पर उन्होंने विलय नीति पर विचार किया जो उन्हें औपचारिक रूप से स्वतंत्र भारत में शामिल होने की अनुमति देगा।

बैंड बाजा...

उन्होंने कहा, 'इस प्रकार, उन्हें पूरे भारत में घोषित अपराधी घोषित किया गया है।' हालांकि, दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने आखिरकार गिरोह के चार सदस्यों कुमार, 30 वर्षीय मोहित, 19 वर्षीय सुमित और 30 वर्षीय करण को घिटोरानी मेट्रो स्टेशन के पास से गिरफ्तार करके सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया, जो मुख्य अपराधी थे, जो बैग उठाने के काम को अंजाम देते थे और शादी के मेहमानों से कीमती सामान चुराते थे। एक अन्य अधिकारी ने कहा, 'चोरी के बाद, राजकुमार चोरी की गई वस्तुओं को गिरोह के सदस्यों के बीच बांट देता था।' 12 नवंबर की रात को, सुमित और करण ने अलीपुर में दो शादी समारोहों से नकदी और कीमती सामान चुराए और 17 नवंबर की रात को उन्होंने छतरपुर के मैदान गढ़ी में एक फार्महाउस में शादी समारोह से नकदी और कीमती सामान से भरा बैग भी चुरा लिया। अधिकारी ने कहा, 'जब वे चोरी करने के लिए समारोह में घुसे, तो राज कुमार और मोहित एक निजी टैक्सी में बाहर इंतजार कर रहे थे, निगरानी कर रहे थे और मोबाइल फोन पर उन्हें दिशा-निर्देश दे रहे थे।'

बंधुआ मजदूरों की अंतर-राज्यीय तस्करी से निपटने के लिए प्रस्ताव तैयार करे केंद्र: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने नाबालिगों सहित बंधुआ मजदूरों की अंतर-राज्यीय तस्करी के मुद्दे को सुलझाने के लिए केंद्र को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ बैठक कर एक प्रस्ताव तैयार करने का बृहस्पतिवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने उत्तर प्रदेश में रिहा कराए गए 5,264 बंधुआ मजदूरों में से केवल 1,101 को तत्काल वित्तीय सहायता मिलने के आंकड़ों को चिंताजनक बताया।

शीर्ष अदालत ने कहा कि समस्या बचाए गए बच्चों को तत्काल वित्तीय सहायता के वितरण में थी, क्योंकि कुछ मामलों में नाबालिगों को उनके गृह राज्यों से ले जाया गया और पड़ोसी राज्यों में बंधुआ मजदूरी करने के लिए मजबूर किया गया। पीठ ने कहा, बच्चों की अंतर-राज्ईय तस्करी के मुद्दे को सुलझाने के लिए हमें लगता है कि केंद्र एवं सभी राज्यों को एकीकृत तरीके से इसे निपटाना चाहिए। शीर्ष अदालत बंधुआ मजदूरों के रूप में तस्करी किए गए लोगों के मौलिक अधिकारों को लागू करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसलिए इसने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के सचिव को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अपने समकक्षों के साथ बैठक करने और इस सामाजिक बुराई से निपटने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया।

पीठ चाहती है कि बचाए गए बाल मजदूरों को तत्काल वित्तीय

सहायता प्रदान करने की योजना की सहायता के लिए प्रस्ताव में एक सरल प्रक्रिया शामिल हो। न्यायालय ने कहा, इस मामले के महत्व को ध्यान में रखते हुए हम पाते हैं कि अटॉर्नी जनरल की सहायता लेना उचित होगा। इसलिए, हम अटॉर्नी जनरल से इस मामले में हमारी सहायता करने का अनुरोध करते हैं। शीर्ष अदालत ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह इस प्रक्रिया को अंतिम रूप देते समय राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को भी शामिल करे। इस मामले की सुनवाई अब छह सप्ताह बाद होगी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वकील ने बचाए गए बंधुआ मजदूरों को तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान करने का मुद्दा उठाया। पीठ ने उत्तर प्रदेश के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 4,100 से अधिक रिहा किए गए बंधुआ मजदूरों को वित्तीय सहायता नहीं मिली है।

राज्य की ओर से पेश वकील ने कहा कि उन्होंने रिहा किए गए बंधुआ मजदूरों की संख्या और उन्हें किए गए भुगतान के साथ-साथ जिलावार डेटा संकलित किया है और वह इसे रिकॉर्ड में दर्ज कराएंगे। जब उनसे पूछा गया कि राज्य सरकार बंधुआ मजदूरी को कैसे रोकती है, तो वकील ने कहा कि वह उत्तर प्रदेश में अपनाई जा रही प्रक्रिया को भी रिकॉर्ड पर लाएंगे। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि यह एक अंतर-राज्ईय मुद्दा है, क्योंकि ऐसे मामले हैं, जिनमें बिहार के लोगों को बंधुआ मजदूरी के लिए उत्तर प्रदेश ले जाया गया था। पीठ ने केंद्र की ओर पेश वकील से पूछा, आप एक संघ के रूप में सभी राज्य सरकारों के साथ समन्वय क्यों नहीं करते? शीर्ष अदालत ने कहा कि संबंधित मंत्रालय के सचिव को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अपने समकक्षों के साथ बैठक करनी चाहिए और सभी पर लागू होने वाला एकीकृत फॉर्मूला तैयार करना चाहिए।

वक्फ संबंधी रिपोर्ट तैयार : पाल

नई दिल्ली (भाषा)। वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि रिपोर्ट तैयार है और इस पर सभी सदस्यों के बीच सहमति बनाने का प्रयास किया जाएगा। हालांकि, समिति में शामिल विपक्षी सदस्यों ने समिति का 29 नवंबर तक निर्धारित समिति का कार्यकाल आगे बढ़ाने की मांग की और कहा कि उन्हें मसौदा कानून में बदलावों का अध्ययन करने के लिए और समय चाहिए। विपक्षी सदस्य इस मामले पर 25 नवंबर को लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात करेंगे।

समिति ने बृहस्पतिवार को करीब छह घंटे तक बैठक की जिसमें अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के बाद पाल ने संवाददाताओं से कहा, मसौदा रिपोर्ट तैयार है। हम जल्द ही इसकी सिफारिशों पर खंड दर खंड चर्चा के लिए तिथि निर्धारित करेंगे। पाल ने कहा, हमारा प्रयास होगा कि सबकी सहमति हो तथा कोई असहमति नोट नहीं दे। सूत्रों ने समिति का कार्यकाल कुछ समय के लिए बढ़ाए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया क्योंकि इसकी विस्तृत रिपोर्ट को तैयार करने और बैठक में इस पर चर्चा से पहले की औपचारिकताएं पूरी करने में कुछ समय लगेगा।

विपक्षी सदस्यों ने कई मौकों पर पाल पर मनमाने ढंग से कार्य करने का आरोप लगाया है। पाल ने कहा कि समिति ने सभी संबंधित पक्षों के साथ विस्तृत बैठक कर चर्चा की।उनके अनुसार, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ भी पांच दिनों में 29 घंटे से ज्यादा समय तक चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि संशोधन विधेयक को लेकर अलग अलग संगठनों के साथ 25 बैठकें की गईं तथा समिति ने कई राज्यों का दौरा किया। यह पूछे जाने पर कि विपक्षी सदस्य समिति का कार्यकाल बढ़ाने के लिए लोकसभा अध्यक्ष से मिलने की बात कर रहे हैं, तो पाल ने कहा कि उन्हें ऐसा करने का अधिकार है। पाल ने कहा कि कार्यकाल बढ़ाने को लेकर लोकसभा अध्यक्ष का फैसला मान्य होगा। समिति में शामिल भाजपा के एक सदस्य ने कहा कि लगभग 146 संगठनों ने समिति के समक्ष अपना पक्ष रखा तथा समिति को ईमेल सहित विभिन्न माध्यमों से 95.86 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए। समिति की बैठक में अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ सांसद पाल ने कहा कि समिति की यह आखिरी बैठक होगी और एक मसौदा रिपोर्ट शीघ्र ही सदस्यों को वितरित की जाएगी। इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने विरोध जताया और नारेबाजी की। उनमें से कुछ ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को फोन किया और मामले में उनसे हस्तक्षेप की मांग की। लोकसभा ने समिति को सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के आखिरी दिन अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा है। वक्फ संशोधन विधेयक को शीतकालीन सत्र में पेश और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

मणिपुर के विधायक के आवास पर हमले के दौरान नकदी, 1.5 करोड़ के आभूषण लूटे गए

इंफाल (भाषा)। मणिपुर में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विधायक के. जॉयकिशन सिंह की मां ने शिकायत दर्ज कराई है कि 16 नवंबर को विधायक के आवास पर तोड़फोड़ करने वाली भीड़ ने 18 लाख रुपए नकद और 1.5 करोड़ रुपए के आभूषण लूट लिए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हमले के दौरान पश्चिम इंफाल के थांगमेइबंद इलाके में विधायक के आवास पर आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों के लिए रखे गए कई सामान भी नष्ट कर दिए गए। पुलिस के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, थांगमेइबंद निर्वाचन क्षेत्र के विधायक के. जॉयकिशन सिंह की मां ने इंफाल पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि भीड़ के हमले में 18 लाख रुपए नकद और 1.5 करोड़ रुपए मूल्य की कई मूल्यवान वस्तुएं लूट ली गईं या नष्ट कर दी गईं। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। उन्होंने बताया कि 16 नवंबर की शाम को भीड़ ने विधायक के आवास पर करीब दो घंटे तक तोड़फोड़ की। जब भीड़ ने विधायक के आवास पर हमला किया था उस वक्त वह घर पर नहीं थे बल्कि अपने किसी परिजन के इलाज के लिए दिल्ली में थे। जॉयकिशन के घर से कुछ मीटर की दूरी पर टॉम्बिसाना हायर सेकेंडरी स्कूल में स्थापित राहत शिविर में रह रहे एक विस्थापित व्यक्ति ने कहा, हमारे जैसे लोगों के लिए आलू, प्याज और सर्दियों के कपड़े आदि रखे थे, ए सब लूट लिए गए। जॉयकिशन की देखरेख में राहत शिविर का प्रबंधन करने वाली स्वयंसेवक सनयाई ने कहा, हमने भीड़ से विधायक के आवास में तोड़फोड़ न करने का आग्रह किया, क्योंकि वहां विस्थापितों को बांटा जाने वाला सामान रखा था।

भारतीय संस्कृति की जड़ों की तरफ लौटें : वेंकैया

हैदराबाद (भाषा)। पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने बृहस्पतिवार को भारतीय संस्कृति की जड़ों की तरफ लौटने और इसकी भाषाओं को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। यहां राष्ट्रवादी विचारकों के सम्मेलन लोकमंथन-2024 के हिस्से के रूप में आयोजित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद नायडू ने इस बात की आवश्यकता पर बल दिया कि हर किसी को फिर से हमारी परंपराओं, संस्कृति और पहनावे का पालन करना शुरू कर देना चाहिए।

सनातन धर्म को श्रेष्ठ करार देते हुए नायडू ने कहा कि हिंदू धर्म इतना पवित्र है कि लोग चींटियों और सांपों को खाना खिलाते हैं और पेड़ों एवं मवेशियों की भी पूजा करते हैं। उन्होंने कहा, कृपया देखें कि हम वहां से कहां जा रहे हैं। अंग्रेज आए और हम पर आक्रमण कर दिया। उन्होंने न केवल हमें लूटा बल्कि हमारे हीरे और अन्य कीमती सामान भी छीन लिए। इतना ही नहीं, उन्होंने हमारे कुछ लोगों के दिमाग भी लूट लिए। यही कारण है कि आज हममें (संस्कृति और परंपराओं को अपनाने के संबंध में) बदलाव आ रहे हैं। उन्होंने युवाओं को प्रकृति के साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार करने की सलाह दी। नायडू ने शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं मानसिक रूप से सतर्क रहने के लिए योग का अभ्यास करने के महत्व पर जोर दिया। लोकमंथन पर, नायडू ने कहा कि इस आयोजन का अंतर्निहित विचार भारतीयों के मन को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त कराना और भारतीय बौद्धिक विमर्श, संस्कृति, विरासत, संगीत और नृत्य के प्रति गर्व और प्रतिबद्धता की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा, यही इस कार्यक्रम का उद्देश्य है। इस कार्यक्रम के पीछे यह एक नेक विचार है। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी भी इस कार्यक्रम में मौजूद थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 22 नवंबर को लोकमंथन-2024 का उद्घाटन करेंगी। राष्ट्र-प्रथम बुद्धिजीवियों, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के संगठन प्रज्ञा प्रवाह द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर बहस के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के भी शामिल होने की उम्मीद है। पूर्व-अब्राहमिक परंपराओं का पालन करने वाले समूहों सहित विदेशी देशों के प्रतिनिधि भी इसमें भाग लेकर सांस्कृतिक नृत्य और अन्य तरह की प्रदर्शनी प्रस्तुत करेंगे। आयोजकों ने कहा कि आईएसआईएस के हमलों का सामना करने वाले यजीदियों के भी सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद है। द्विवार्षिक कार्यक्रम लोकमंथन को पहले भोपाल और फिर रांची और गुवाहाटी में आयोजित किया गया था।

के. संजय मूर्ति ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के रूप में कार्यभार संभाला

नई दिल्ली (भाषा)। पूर्व उच्चतर शिक्षा सचिव के. संजय मूर्ति ने बृहस्पतिवार को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के रूप में कार्यभार संभाला। वह भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के हिमाचल प्रदेश कैडर के 1989 बैच के अधिकारी हैं। उन्होंने गिरीश चंद्र मुर्मू की जगह ली है, जिन्होंने सीएजी के रूप में बुधवार को अपना कार्यकाल पूरा किया था। इससे पहले दिन में, राष्ट्रपति भवन में एक कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मूर्ति को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के रूप में शपथ दिलाई। मूर्ति शिक्षा मंत्रालय में उच्चतर शिक्षा विभाग के सचिव रह चुके हैं। उन्होंने आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के रूप में भी सेवा दी है। मूर्ति ने राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के सीईओ और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में भी सेवा दी है।

असम के करीमगंज जिले का नाम बदलकर श्रीभूमि किया गया

गुवाहाटी (भाषा)। असम सरकार ने बृहस्पतिवार को बराक घाटी के करीमगंज जिले का नाम बदलकर श्रीभूमि कर दिया। एक आधिकारिक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है। जिला मुख्यालय करीमगंज टाउन का नाम भी बदलकर श्रीभूमि टाउन कर दिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग के प्रधान सचिव मुकेश चंद्र साहू ने अधिसूचना में कहा है कि असम के राज्यपाल ने करीमगंज जिले का नाम बदलकर श्रीभूमि जिला और करीमगंज टाउन का नाम बदलकर श्रीभूमि टाउन कर दिया है। इसमें कहा गया है कि बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू होगा। असम मंत्रिमंडल ने मंगलवार को करीमगंज जिले का नाम बदलकर श्रीभूमि करने का निर्णय लिया था। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कैबिनेट बैठक के बाद कहा, 100 साल से भी पहले कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर ने असम के आधुनिक करीमगंज जिले को श्रीभूमि (मां लक्ष्मी की भूमि) बताया था। आज असम कैबिनेट ने अपने लोगों की इस लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि जिले का नाम बदलने का निर्णय जिले के लोगों की उम्मीदों और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करता है। शर्मा ने कहा, हम उन नामों को बदलना जारी रखेंगे जिनका कोई शब्दकोश संदर्भ या कोई अन्य ऐतिहासिक साक्ष्य नहीं है। हम यह काम लंबे समय से कर रहे हैं और यह एक सतत प्रक्रिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले का नाम बदलने से इसे एक अलग पहचान मिलेगी और इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को मान्यता मिलेगी।

झारखंड में बस पलटने से सात यात्रियों की मौत

हजारीबाग (भाषा)। झारखंड के हजारीबाग जिले में बृहस्पतिवार को पटना जा रही एक बस के पलट जाने से उसमें सवार कम से कम सात यात्रियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर गोरहर थाना क्षेत्र के पास हुई। बस एक तीव्र घुमावदाड़ मोड़ पर मुड़ते समय पलट गई। हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अरविंद कुमार सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया, अब तक सात लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। बस में कुछ और लोगों के फंसे होने की आशंका है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के समय बस में लगभग 50 यात्री सवार थे। बस कोलकाता से पटना जा रही थी। बस में सवार एक यात्री मोतीचंद प्रसाद ने बताया कि उनकी पत्नी राजकुमारी प्रसाद की इस दुर्घटना में मौत हो गई। बिहार के गोपालगंज निवासी प्रसाद ने कहा, सुबह जब यह दुर्घटना हुई तब हम सो रहे थे। हम बुधवार को कोलकाता से बिहार के लिए बस में सवार हुए थे। बिहारशरीफ निवासी एक अन्य यात्री गणेश कुमार ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब छह बजे हुई। कुमार ने बताया, बस में करीब 50 यात्री सवार थे। जैसे ही चालक एक तीव्र घुमावदार मोड़ पर पहुंचा, उसने वाहन से नियंत्रण खो दिया और बस पलट गई। मौके पर मौजूद एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना में घायल हुए लोगों में से करीब 10 की हालत गंभीर है।

शीतकालीन सत्र के लिए 16 विधेयक सूचीबद्ध

नई दिल्ली(भाषा)। सरकार ने सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र के लिए वक्फ संशोधन विधेयक समेत 16 विधेयक सूचीबद्ध किए हैं। इनमें पांच नए विधेयक भी शामिल हैं। इन पांच नए प्रस्तावित कानूनों में एक सहकारी विश्वविद्यालय स्थापना से जुड़ा विधेयक भी है। लंबित विधेयकों में वक्फ (संशोधन) विधेयक भी शामिल है जिसे दोनों सदनों की संयुक्त समिति द्वारा लोकसभा में अपनी रिपोर्ट सौंपने के बाद विचार और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। समिति को शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के आखिरी दिन अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया है।शीतकालीन सत्र 20 दिसंबर तक चलेगा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट पर आधारित एक राष्ट्र एक चुनावै से जुड़ा कोई विधेयक फिलहाल सूचीबद्ध नहीं है। मंत्रिमंडल इस रिपोर्ट को मंजूरी दे चुका है। सरकार द्वारा सूचीबद्ध अन्य विधेयक पंजाब न्यायालय (संशोधन) विधेयक है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 66 प्रतिशत मतदान हुआ

मुंबई(भाषा)। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 66 प्रतिशत मतदान हुआ। वर्ष 2019 में 61.1 प्रतिशत मतदान हुआ था। राज्य की 288 सदस्ईय विधानसभा के लिए बुधवार को मतदान हुआ था, जबकि मतगणना शनिवार को होगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने एक बयान में कहा, प्रत्एक विधानसभा क्षेत्र के आधिकारिक आंकड़े डाक मतपत्रों की गिनती पर निर्भर करेंगे। 66 प्रतिशत मतदान का आंकड़ा विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर डाले गए वोटों को संदर्भित करता है। बयान में कहा गया कि डाक मतपत्रों को छोड़कर यह वृद्धि व्यापक मतदाताओं को शामिल करने के निर्वाचन आयोग के प्रयासों को उजागर करती है। राज्य में सबसे ज्यादा कोल्हापुर में 76.63 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि गडचिरौली में 75.26 प्रतिशत मतदान हुआ, जहां कुछ क्षेत्र वामपंथी उग्रवाद प्रभावित हैं। सबसे कम मतदान मुंबई में 52.07 प्रतिशत तथा महानगर के उपनगरीय जिले में 55.95 प्रतिशत रहा। चुनाव में 85 वर्ष से अधिक आयु के 68,000 से अधिक नागरिकों और 12,000 दिव्यांग व्यक्तियों ने घर पर मतदान (सुविधा) के माध्यम से अपने वोट डाले। बयान में कहा गया, इसके अतिरिक्त, आवश्यक सेवाओं से जुड़े 36,000 मतदाताओं ने डाक मतदान का उपयोग किया। चुनाव ड्यूटी पर तैनात मतदाताओं को कुल 466,823 डाक मतपत्र जारी किए गए और सेवा मतदाताओं के लिए लगभग 16,000 इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रेषित डाक मतपत्र (ईटीपीबी) स्वीकार किए गए। कुल 288 मतगणना केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें से एक नांदेड़ लोकसभा उपचुनाव के लिए भी है, जो 20 नवंबर को हुआ था।

हम विश्व युद्ध की कगार पर, बुद्ध का बताया गया मार्ग ही एकमात्र समाधान: नितिन गडकरी

भाषा। बोधगया

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वैश्विक हालात से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि हम युद्ध के करीब और बुद्ध का दिखाया शांति का मार्ग ही स्थिरता का एकमात्र साधन है। गडकरी ने बिहार के बोधगया में स्थित महाबोधि मंदिर में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक समारोह में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, आज दुनिया एक बड़ी समस्या का सामना कर रही है। हम विश्व युद्ध की कगार पर हैं। यह ऐसा समय है, जब हमें विश्व शांति (विश्व शांति) की आकांक्षा करनी चाहिए। भगवान गौतम बुद्ध हमें प्रेरित कर सकते हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने बुद्ध के सिद्धांतों के साथ अपने लगाव का जिक्र करते हुए कहा कि नागपुर वह स्थान है, जहां बाबा साहेब अंबेडकर ने बौद्ध धर्म अपनाया था। नागपुर, गडकरी का गृह नगर और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र है। गडकरी ने कहा, महाराष्ट्र की तत्कालीन सरकार में मंत्री के रूप में मुझे नागपुर दीक्षाभूमि को अंतिम रूप देने का सौभाग्य मिला, जिस पर कुछ समय से काम

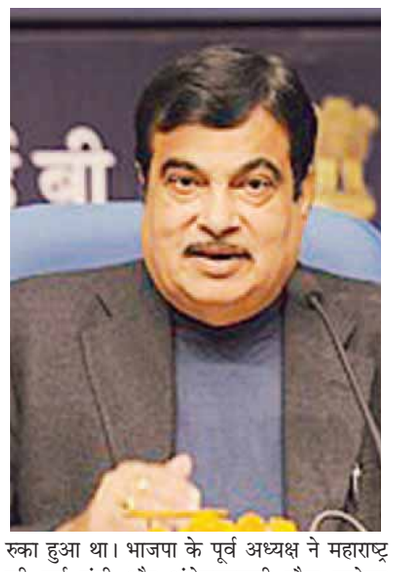

रुका हुआ था। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने महाराष्ट्र की पूर्व मंत्री और अंबेडकरवादी बौद्ध सुलेखा कुंभारे को अपनी बहन बताया। कुंभारे ने नागपुर में ड्रैगन पैलेस मंदिर के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। गडकरी ने कहा, हाल ही में मुझे अपनी पत्नी के साथ मंदिर जाने और कुछ समय ध्यान लगाने का सौभाग्य मिला।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने महसूस किया कि वह अपने जीवन में जो कुछ भी हासिल कर पाए हैं, वह सब भगवान बुद्ध का आशीर्वाद है, जो उन्हें गरीबों के लिए काम करने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने यह भी बताया, हम बुद्ध सर्किट के हिस्से के रूप में 22,000 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से लगभग 1600 किलोमीटर सड़क का निर्माण कर रहे हैं। 1100 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है और अगले वर्ष की शुरुआत तक 370 किलोमीटर का काम पूरा हो जाएगा। शेष 130 किलोमीटर के लिए निविदा प्रक्रिया जारी है। मंत्री ने कहा कि बिहार और उत्तर प्रदेश के वे स्थान, जिनका बुद्ध के साथ ऐतिहासिक संबंध था उन्हें अच्छी गुणवत्ता वाली कई लेन वाली सड़कों से जोडने के दृष्टिकोण से ऐसा किया जा रहा है। उन्होंने कहा, यह कहने की जरूरत नहीं है कि यह स्थान (बोधगया) जहां बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था, ऐसे ही स्थान में से एक है।

संघर्षों के समाधान के लिए शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के बौद्ध सिद्धांतों को अपनाना आवश्यक : राजनाथ

नई दिल्ली (भाषा)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को लाओस में क्षेत्रीय सुरक्षा सम्मेलन में कहा कि दुनिया को अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के समक्ष जारी संघर्षों और चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए बौद्ध सिद्धांतों को अपनाना चाहिए। सिंह ने सम्मेलन में चीन के डोंग जून सहित कई देशों के अपने समकक्षों की उपस्थिति में कहा कि भारत ने जटिल अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के समाधान के लिए हमेशा से संवाद की वकालत की है तथा सीमा विवादों से लेकर व्यापार समझौतों तक, अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों की एक विस्तृत शृंखला को लेकर अपना दृष्टिकोण जाहिर किया है।

रक्षा मंत्री ने लाओस की राजधानी विएंतियान में 10 देशों के संगठन आसियान समूह और उसके कुछ वार्ता साझेदारों के सम्मेलन में ए टिप्पणी की। उन्होंने कहा, विश्व तेजी से गुटों और खेमों में बंटता जा रहा है, जिससे स्थापित विश्व व्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है। इसलिए समय आ गया है कि शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के बौद्ध सिद्धांतों को सभी लोग और अधिक गहराई से अपनाएं। उन्होंने कहा, इन सिद्धांतों का पालन करते हुए भारत ने जटिल अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के समाधान के लिए सदैव बातचीत की वकालत की है और इसे अपनाया भी है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि खुले संवाद और शांतिपूर्ण वार्ता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता, सीमा विवादों सहित कई अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के प्रति उसके दृष्टिकोण से स्पष्ट होती है। उन्होंने आसियान (दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संघ) रक्षा मंत्रियों की बैठक आसियान डिफेंस मिनिस्टर्स मीटिंग प्लस (एडीएमएम-प्लस) समूह के सम्मेलन में कहा, खुली बातचीत विश्वास, समझ और सहयोग को बढ़ावा देती है तथा स्थाई साझेदारी की नींव रखती है। बातचीत की ताकत हमेशा प्रभावी साबित हुई है, जिसके ठोस परिणाम सामने आए हैं, जो वैश्विक मंच पर स्थिरता और सद्भाव में योगदान करते हैं।

हिंद-प्रशांत को लेकर भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत क्षेत्र में शांति एवं समृद्धि के लिए आधारशिला के रूप में 10 देशों के आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ) की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकारता है। उन्होंने कहा, दक्षिण चीन सागर के लिए आचार संहिता पर जारी चर्चाओं के संबंध में भारत एक ऐसी संहिता देखना चाहेगा, जिससे उन देशों के वैध अधिकारों और हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े, जो इन चर्चाओं में पक्षकार नहीं हैं।

दक्षिण चीन सागर के लिए आचार संहिता पर उनकी टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत की पृष्ठभूमि में विभिन्न देश इस संबंध में आचार संहिता की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं। चीन इस आचार संहिता का दृढ़ता से विरोध करता है। सिंह ने कहा, यह संहिता अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून 1982 के बिल्कुल अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता, बेरोकटोक वैध वाणिज्य और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन का

पक्षधर रहा है।

दक्षिण चीन सागर हाइड्रोकार्बन का एक बड़ा स्रोत है। समूचे दक्षिण चीन सागर पर चीन के व्यापक दावों को लेकर वैश्विक स्तर पर चिंताएं बढ़ रही हैं। वियतनाम, फिलीपीन और ब्रुनेई सहित क्षेत्र के कई देश भी दक्षिण चीन सागर को लेकर अपने अपने दावे करते हैं। जटिल चुनौतियों के प्रति भारत के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए सिंह ने कहा कि उनका मानना है कि वैश्विक समस्याओं का वास्तविक और दीर्घकालिक समाधान तभी प्राप्त किया जा सकता है जब देश रचनात्मक रूप से जुड़ेंगे, एक-दूसरे के दृष्टिकोण का सम्मान करेंगे तथा सहयोग की भावना से साझा लक्ष्यों की दिशा में काम करेंगे। उन्होंने कहा, हम ऐसे समय में लाओस में मिल रहे हैं जब विश्व के विभिन्न भागों में संघर्ष जारी हैं और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के समक्ष चुनौतियां हैं। लाओस ने लंबे समय से अहिंसा और शांति के बौद्ध सिद्धांतों को आत्मसात किया है।

सिंह ने तर्क दिया कि बौद्ध धर्म न केवल लोगों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व बल्कि प्रकृति के साथ लोगों के सह-निवास का भी आदर्श विचार प्रदान करता है। उन्होंने कहा, अपने पूरे जीवन में बुद्ध प्रकृति के करीब रहे। वह प्राय: वन और खुली जगहों पर ध्यान करते थे तथा शिक्षा देते रहे। अपनी शिक्षाओं में उन्होंने पृथ्वी के साथ जीवन के जुड़ाव पर जोर दिया। रक्षा मंत्री ने आसियान क्षेत्र के साथ भारत के घनिष्ठ संबंधों पर भी प्रकाश डाला और कहा कि 21वीं सदी एशिया की सदी है। उन्होंने कहा, विशेष रूप से आसियान क्षेत्र हमेशा से आर्थिक रूप से गतिशील रहा है तथा हजारों वर्षों से व्यापार, वाणिज्य और सांस्कृतिक गतिविधियों से भरा रहा है। इस परिवर्तनकारी यात्रा के दौरान भारत इस क्षेत्र का एक विश्वसनीय मित्र बना रहा है। इस संदर्भ में सिंह ने रवींद्रनाथ टैगोर के एक कथन का भी उल्लेख किया, जो उन्होंने 1927 में दक्षिण पूर्व एशिया की यात्रा के दौरान कहा था। टैगोर ने कहा था, मैं हर जगह भारत को देख सकता हूं, फिर भी मैं इसे पहचान नहीं सका।

रक्षा मंत्री ने कहा कि यह बयान इस बात का प्रतीक है कि भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध कितने गहरे और व्यापक हैं। उन्होंने कहा, यह मित्रता और साझेदारी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी तब थी तथा आने वाले समय में इसे और मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, भारत की एक्ट ईस्ट नीति का एक दशक पूरा हो गया है और हम आसियान तथा हिंद-प्रशांत देशों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत बनाने में इसके लाभ देख रहे हैं। इस दृष्टिकोण ने हमारे राष्ट्र की नीति के आधार के रूप में आसियान की महत्वपूर्ण भूमिका पर पुन: जोर दिया है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में प्राकृतिक आपदाओं के कहर के मद्देनजर सिंह ने कहा कि यह जलवायु परिवर्तन के खतरों की याद दिलाता है। उन्होंने कहा, रक्षा क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन मजबूत करने के लिए बहु-हितधारक सहभागिता की आवश्यकता है, जिसमें नवीन समाधान विकसित करने से लेकर जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के प्रबंधन तक शामिल है। सिंह ने कहा, इसमें कमजोर आबादी की रक्षा के साथ-साथ हमारे रक्षा प्रतिष्ठानों की सुरक्षा भी शामिल है। सिंह ने मुख्य रूप से एडीएमएम-प्लस बैठक में भाग लेने के लिए बुधवार को विएंतियान की अपनी तीन-दिवसीय यात्रा शुरू की। रक्षा मंत्री ने जलवायु परिवर्तन और सुरक्षा खतरों के बीच संबंधों की समझ को गहरा करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। एडीएमएम-प्लस एक मंच है, जिसमें 10 आसियान देश और इसके आठ वार्ता साझेदार- भारत, चीन, ऑस्ट्रेलिया, जापान, न्यूजीलैंड, कोरिया गणराज्य, रूस और अमेरिका शामिल हैं। लाओस एडीएमएम-प्लस के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में इस बैठक की मेजबानी कर रहा है।

मोदी ने शीर्ष कैरेबियाई नेताओं से द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की

भाषा। जॉर्जटाउन (गुयाना)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन से इतर कैरेबियाई देशों के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने तथा ग्लोबल साउथ को मजबूत करने के लिए कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है, जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित के रूप में जाना जाता है और ए मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं। प्रधानमंत्री बुधवार को गुयाना पहुंचे। यह पिछले 50 वर्षों से अधिक समय में किसी भारतीय राष्ट्र प्रमुख की पहली गुयाना यात्रा है। उन्होंने भारत-कैरेबियाई समुदाय (कैरिकॉम) शिखर सम्मेलन से इतर कैरेबियाई साझेदार देशों के नेताओं से मुलाकात की। दूसरे कैरिकॉम शिखर सम्मेलन के अवसर पर मोदी ने राष्ट्रपति चान संतोखी (सूरीनाम) और राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली (गुयाना) तथा अपने छह समकक्षों फिलिप जे. पियरे (सेंट लूसिया), गैस्टन ब्राउन (एंटीगुआ और बारबुडा), डिकॉन मिशेल (ग्रेनाडा), फिलिप ब्रेव डेविस (बहामास), मिया अमोर मोटली (बारबाडोस) और डॉ. कीथ रोले (त्रिनिदाद और टोबैगो) से मुलाकात की। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। राष्ट्रपति का स्वयं भारत के साथ प्रगाढ़ संबंध है। दोनों नेताओं ने कौशल विकास, क्षमता निर्माण, कृषि, फार्मास्यूटिकल, शिक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय विकास सहयोग की समीक्षा की। मोदी ने कहा, भारत बुनियादी ढांचे, जहाजरानी, प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में गुयाना के लिए हमेशा एक विश्वसनीय साझेदार रहेगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए), आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) और वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन (जीबीए) जैसी पहल के लिए कैरेबियाई राष्ट्र के समर्थन को उल्लेखनीय बताया। सूरीनाम के राष्ट्रपति संतोखी के साथ अपनी बैठक के दौरान, मोदी ने व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और टेली-मेडिसिन जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सूरीनाम के साथ दोस्ती मजबूत हो रही है। हमने सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों को और बेहतर बनाने के तरीकों पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत सूरीनाम में विकास संबंधी विभिन्न पहल का समर्थन करता रहेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा, दोनों नेताओं ने रक्षा एवं सुरक्षा, व्यापार एवं वाणिज्य, कृषि, यूपीआई, आईसीटी, स्वास्थ्य सेवा, पारंपरिक चिकित्सा और फार्मास्यूटिकल, क्षमता निर्माण, मानव संसाधन विकास, सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के बीच जुड़ाव के साथ डिजिटल पहल सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि त्रिनिदाद एवं टोबैगो के अपने समकक्ष कीथ रोले के साथ उनकी बैठक बहुत सार्थक रही और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में विविधता लाने के बारे में चर्चा की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, विज्ञान, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। यह बेहद खुशी की बात है कि त्रिनिदाद और टोबैगो ने यूपीआई को अपनाया है। कृषि और खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी एक स्वागत योग्य कदम है। विदेश मंत्रालय ने एक अलग पोस्ट में कहा कि दोनों नेताओं की उपस्थिति में त्रिनिदाद और टोबैगो में एकीकृत स्वचालित फल एवं सब्जी प्राथमिक प्रसंस्करण गतिविधियां स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान भी हुआ। मोदी की बारबाडोस की प्रधानमंत्री मोटली के साथ भी बहुत अच्छी बैठक हुई। इस दौरान, दोनों नेताओं ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, जलवायु परिवर्तन और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस उच्च स्तरीय बैठक ने दोनों नेताओं को भारत-बारबाडोस संबंधों की पुष्टि करने और उन्हें मजबूत करने का अवसर प्रदान किया। साथ ही दोनों नेताओं ने स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल तथा संयुक्त राष्ट्र में सहयोग सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की। मोटली ने कहा कि बैठक में संस्थागत सुधार, आर्थिक सहयोग और ग्लोबल साउथ के सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, चर्चा में सुधारों के लिए राजनीतिक समर्थन, दवा उद्योग में संभावित सहयोग और एक कैरेबियाई बैंक की स्थापना का विचार शामिल था। मोदी ने बहामास के प्रधानमंत्री फिलिप डेविस से भी मुलाकात की और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने, जलवायु परिवर्तन कार्वाई एवं हरित साझेदारी पर केंद्रित सार्थक चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दोनों नेताओं ने एक पेड़ मां के नाम अभियान पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। मोदी और ग्रेनेडा के प्रधानमंत्री डिकॉन मिशेल के बीच सार्थक बैठक हुई, जिसमें दोनों ने आईटी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कृषि में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। मोदी ने दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन की मेजबानी में मिशेल के प्रयासों की भी सराहना की। मोदी ने एंटीगुआ और बारबुडा के प्रधानमंत्री गैस्टन ब्राउन के साथ भी बैठक की। ब्राउन के साथ अपनी बैठक के बारे में मोदी ने कहा, व्यापार, फिनटेक, नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ावा मिलने की अपार संभावनाएं हैं। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में आईएसए और सीडीआरआई को एंटीगुआ और बारबुडा के सहयोग के लिए भी ब्राउन को धन्यवाद दिया। मोदी ने भारत और कैरेबियाई समुदाय के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए सात प्रमुख स्तंभों का प्रस्ताव रखा और कहा कि भारत इन संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि मोदी और ब्राउन ने व्यापार एवं निवेश, एसआईडीएस के लिए क्षमता निर्माण और जलवायु परिवर्तन कार्वाई के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। ब्राउन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थाई सदस्यता के लिए समर्थन की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने शिखर सम्मेलन से इतर सेंट लूसिया के प्रधानमंत्री फिलिप जे पियरे से भी मुलाकात की और दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध बढ़ाने पर चर्चा की। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमने स्वास्थ्य सेवा, फार्मास्यूटिकल, ऊर्जा, खेल समेत अन्य क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ाने के बारे में भी बात की। विदेश मंत्रालय ने कहा, दोनों पक्षों ने क्षमता निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य, क्रिकेट और योग के क्षेत्र में सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया तथा भारत-सेंट लूसिया द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने डोमिनिका के अपने समकक्ष रूजवेल्ट स्केरिट से भी मुलाकात की, जिन्हें उन्होंने देश का सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा, दोनों नेताओं ने जलवायु अनुकूलन, स्वास्थ्य सेवा, क्षमता निर्माण और लोगों के बीच संबंधों को गहरा करने जैसे क्षेत्रों में सहयोग के अवसर तलाशे। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में सहयोग पर भी चर्चा की। भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री ने भारत और कैरेबियाई समुदाय के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए जिन सात प्रमुख स्तंभों का प्रस्ताव रखा, उनमें क्षमता निर्माण, कृषि और खाद्य सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन नवाचार, प्रौद्योगिकी और व्यापार, क्रिकेट और संस्कृति, महासागर अर्थव्यवस्था तथा चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा शामिल हैं।

गुयाना, डोमिनिका ने पीएम मोदी को प्रदान किया देश का शीर्ष पुरस्कार

जॉर्जटाउन (गुयाना)।(भाषा) गुयाना और डोमिनिका ने कोविड-19 महामारी के दौरान दोनों कैरेबियाई राष्ट्रों को दी गई मदद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योगदान और दोनों देशों के साथ द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने के उनके प्रयासों के लिए मोदी को देश के शीर्ष पुरस्कारों से सम्मानित किया है। प्रधानमंत्री अपनी तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में गुयाना में हैं। उन्हें बुधवार को गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली ने ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुझे गुयाना का सर्वोच्च सम्मान द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस प्रदान करने के लिए राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली का हार्दिक धन्यवाद। यहभारत के 140 करोड़ लोगों के लिए है। प्रधानमंत्री मोदी ने पुरस्कार स्वीकार करते हुए कहा, यह हमारे संबंधों के प्रति आपकी गहरी प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है जो हमें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहेगा। विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि मोदी ने यह सम्मान भारत की जनता और दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे ऐतिहासिक संबंधों को समर्पित किया। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत के लिए एक और उपलब्धिउ गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को वैश्विक समुदाय के लिए उनकी असाधारण सेवा, नेतृत्व और भारत-गुयाना संबंधों को गहरा करने में योगदान के लिए गुयाना के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया। मंत्रालय के अनुसार मोदी गुयाना के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होने वाले चौथे विदेशी नेता हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री को बुधवार को भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन के दौरान डोमिनिका की राष्ट्रपति सिल्वेनी बर्टन ने डोमिनिका अवार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, डोमिनिका का सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए जाने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं इसे भारत के 140 करोड़ लोगों को समर्पित करता हूं। प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में कहा, यह सम्मान भारत की मेरी बहनों और भाइयों को समर्पित है। यह हमारे देशों के बीच अटूट संबंधों को भी प्रदर्शित करता है। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह पुरस्कार प्रधानमंत्री के नेतृत्व और कोविड-19 महामारी के दौरान डोमिनिका को दी गई मदद के साथ ही भारत-डोमिनिका संबंधों को मजबूत करने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए है।

वहीं डोमिनिका के प्रधानमंत्री रूजवेल्ट स्केरिट के एक पोस्ट के उत्तर में मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री रूजवेल्ट स्केरिट, आपकी बातों से अभिभूत हूं। विनम्रता और कृतज्ञता के साथ मैं डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर स्वीकार करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आपने कोविड-19 के दौरान मिले सहयोग के बारे में बात की। यह देखकर मेरा दिल खुशी से भर गया कि कैसे कोविड-19 के दौरान हमारी एकजुटता ने सीमाओं और महाद्वीपों के पार संबंधों को मजबूत किया। हम आने वाले समय में डोमिनिका के साथ मिलकर काम करते रहेंगे। दरअसल प्रधानमंत्री स्केरिट ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा था, 2021 में कोविड-19 महामारी के वक्त आपने एस्ट्राजेनेका के 70,000 टीके भेजे जिसने डोमिनिका के लोगों को नई जिंदगी दी।

स्केरिट ने कहा कि यह सम्मान एक प्रतीक से कहीं अधिक है: यह नेतृत्व की आपकी स्थाई विरासत, मानवता के प्रति आपकी प्रतिबद्धता, तथा आपकी सीमाओं से परे हमारे देश सहित अन्य देशों पर आपके द्वारा छोड़ी गई अमिट छाप को सम्मानित करने के लिए है।

बारबाडोस भी प्रधानमंत्री मोदी को अपना सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान करेगा, जिससे मोदी को प्रदान किए गए अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की संख्या 19 हो जाएगी। डोमिनिका ने कुछ दिन पहले ही मोदी को अपना सर्वोच्च पुरस्कार देने की घोषणा की थी।

पाकिस्तान में आतंकवादी हमले में 50 लोगों की मौत, 20 घायल

पेशावर। (भाषा) पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बृहस्पतिवार को आतंकवादियों ने यात्रियों को ले जा रहे तीन वाहनों को निशाना बनाकर हमला किया, जिसमें कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई जबकि 20 अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आतंकवादियों ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे प्रांत के कुर्म जिले में वाहनों पर घात लगाकर हमला किया। अधिकारियों ने बताया कि ए वाहन पाराचिनार से खैबर पख्तूनख्वा की राजधानी पेशावर की ओर आ रहे थे, तभी बंदूकधारियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी।

जिला अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि हमले में आठ महिलाओं और पांच बच्चों समेत 50 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि अधिकतर मृतक शिया समुदाय के थे। एक स्थानीय पत्रकार ने बताया कि तालिबान के प्रभुत्व वाले इलाकों में वाहनों पर घात लगाकर हमला किया गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, काफिले में 200 से अधिक वाहन थे। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन खान गंडापुर ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए प्रांत के कानून मंत्री, क्षेत्र के सांसदों और मुख्य सचिव के एक प्रतिनिधिमंडल को स्थिति का आकलन करने और एक रिपोर्ट पेश करने के लिए तुरंत कुर्म जाने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रांत की सभी सड़कों पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रांतीय राजमार्ग पुलिस इकाई के गठन की खातिर कार्य करने का भी निर्देश दिया। गंडापुर ने शोकसंतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और पीड़ितों के परिवारों के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा की।

पाकिस्तान में वाहनों पर हुए हमले में शिया समुदाय के कम से कम आठ लोगों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में बृहस्पतिवार को शिया मुसलमानों को ले जा रहे वाहनों पर हुई गोलीबारी में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। हमला कुर्म जिले में हुआ, जहां हालिया महीनों में बहुसंख्यक सुन्नी और अल्पसंख्यक शिया मुसलमानों के बीच हुई झड़पों में दर्जनों लोगों की मौत हुई है। किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। स्थानीय पुलिस अधिकारी नुसरत हुसैन ने कहा कि कई वाहन यात्रियों को लेकर पाराचिनार शहर से खैबर पख्तूनख्वा की राजधानी पेशावर जा रहे थे, तभी बंदूकधारियों ने गोलीबारी शुरू कर दी।

ट्रंप की प्रवासियों को बाहर करने की योजना के लिए टेक्सास ने 1400 एकड़ जमीन की पेशकश की

ह्यूस्टन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रवासियों को देश से बाहर करने की योजना के समर्थन में टेक्सास ने अमेरिकी-मेक्सिको सीमा के समीप राज्य सरकार के स्वामित्व वाली 1400 एकड़ खेती की जमीन को इस्तेमाल के लिए देने की पेशकश की है। टेक्सास लैंड कमिश्नर डॉन बकिंघम ने मंगलवार को ट्रंप को लिखे एक पत्र में होमलैंड सुरक्षा विभाग और आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) सहित संघीय एजेंसियों के साथ सहयोग में मदद करने की बात कही।उन्होंने स्टैर काउंटी में स्थित संपत्ति को हिंसक अपराधियों को हिरासत और देश से निकालने से पहले यहां रखने के लिए इसके एक स्थल के रूप में इस्तेमाल करने की पेशकश की।बकिंघम ने खेती की जमीन पर दीवार के निर्माण कार्य का विरोध करने के लिए अपने पूर्ववर्ती की आलोचना की और आरोप लगाया कि इस कदम से आपराधिक गिरोहों के बीच हिंसा और प्रवासियों के शोषण को बढ़ावा मिला।

ब्रिटेन की उपप्रधानमंत्री ने हर्षिता ब्रेला की हत्या को बर्बर कृत्य करार दिया

लंदन। (भाषा) ब्रिटेन की उप प्रधानमंत्री ने भारतीय मूल की युवती हर्षिता ब्रेला (24) की हत्या को बर्बर कृत्य करार दिया है। पीड़िता का शव पूर्वी लंदन में एक कार की डिग्गी में मिला था। हत्या के इस मामले की जांच शुरू की गई है। शुरुआती जांच से पता चला है कि हर्षिता घरेलू हिंसा का सामना कर रही थी। हर्षिता ने अपने पति पंकज लांबा के खिलाफ 28 दिन का घरेलू हिंसा संरक्षण आदेश हासिल किया था। लेकिन इस महीने नॉर्थहेम्पटनशायर के कॉर्बी स्थित उसके घर में हत्या किए जाने से पहले इसका नवीनीकरण नहीं कराया गया था। इस निर्वाचन क्षेत्र के स्थानीय सांसद ली बैरन ने बुधवार को हाउस ऑफ कॉमन्स में इस मुद्दे को उठाया और उप प्रधानमंत्री एंजेला रेनर से पूछा कि क्या कुछ परिस्थितियों में घरेलू हिंसा संरक्षण आदेश (डीवीपीओ) 28 दिनों से अधिक समय तक चलना चाहिए। डीवीपीओ अदालत के आदेश होते हैं जो घरेलू हिंसा के अपराधी को अपने घर लौटने या पीड़ित के साथ संपर्क करने से प्रतिबंधित करते हैं। बैरन ने कहा, इस दुखद हत्या ने एक समुदाय को स्तब्ध करने के साथ उसे भयभीत कर दिया है और पुलिस द्वारा इसकी जांच की जा रही है। हर्षिता को 28 दिनों तक चलने वाले घरेलू हिंसा संरक्षण आदेश द्वारा संरक्षित किया गया था। लेकिन इसका नवीनीकरण नहीं कराया गया। अपने जवाब में एंजेला रेनर ने कहा कि सरकार महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को आधा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, भयावह परिस्थितियों में मेरी संवेदनाएं हर्षिता के परिवार के साथ हैं, जहां हर्षिता को संरक्षित किया जाना चाहिए था और उसे संरक्षित महसूस कराया जाना चाहिए था... उम्मीद है कि सदन में हम अपना काम करना जारी रखेंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हम हर्षिता द्वारा सामना की गई परिस्थितियों को समाप्त कर सकें। हम इस तरह के बर्बर कृत्य को रोक सकते हैं। इस बीच हर्षिता ब्रेला की हत्या की जांच बुधवार को नॉर्थम्प्टन में शुरू की गई और 21 मई, 2025 तक के लिए स्थगित कर दी गई। उसके 23 वर्षीय पति पंकज लांबा की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तलाश जारी है। जांच से जुड़ी सुनवाई के दौरान हर्षिता की मौत का अनंतिम कारण हाथ से गला घोंटा जाना बताया गया। पुलिस ने सीसीटीवी में रिकॉर्ड वीडियो के आधार पर लांबा की तस्वीरों की एक श्रृंखला जारी की है। पंकज पर संदेह है कि उसने 10 नवंबर को कॉर्बी स्थित अपने घर में पत्नी की हत्या की और फिर उसके शव को लगभग 145 किमी दूर लंदन ले गया और कार छोड़कर देश से भाग गया।

अमेरिका के नामित रक्षा मंत्री हेगसेथ के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों का खुलासा

सांता क्रूज (अमेरिका। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रक्षा मंत्री के तौर पर नामित पीट हेगसेथ पर 2017 में एक महिला ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। बुधवार को सार्वजनिक की गई एक विस्तृत जांच रिपोर्ट से यह जानकारी मिली। जांच रिपोर्ट के अनुसार महिला ने पुलिस को बताया कि 2017 में पीट हेगसेथ (44) ने उसका यौन उत्पीड़न किया था। महिला ने कहा कि हेगसेथ ने उसका फोन ले लिया, कैलिफोर्निया के होटल के कमरे में बंद कर दिया और उसे बाहर नहीं जाने दिया था। फॉक्स न्यूज के प्रस्तोता हेगसेथ ने उस समय पुलिस को बताया था कि यह संबंध सहमति से बने थे और उन्होंने किसी भी गलत काम से इनकार किया था। आरोपों के बारे में खबर पिछले सप्ताह तब सामने आई जब स्थानीय अधिकारियों ने एक संक्षिप्त बयान जारी कर पुष्टि की कि एक महिला ने अक्टूबर 2017 में हेगसेथ पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था, जब वह मोंटेरे में रिपब्लिकन पार्टी के महिला कार्यक्रम में गए थे। हेगसेथ के वकील ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। पुलिस की 22 पन्नों की रिपोर्ट सार्वजनिक रिकॉर्ड जारी करने के अनुरोध के जवाब में जारी की गई और इसमें महिला के साथ कथित तौर पर जो कुछ हुआ उसका पहला विस्तृत विवरण दिया गया है-जो घटनाक्रम पर हेगसेथ के बयान से अलग है। रिपोर्ट में कथित पीड़ित, उसका इलाज करने वाली एक नर्स, होटल के एक कर्मचारी, कार्यक्रम में मौजूद एक अन्य महिला और हेगसेथ के साथ पुलिस साक्षात्कार का हवाला दिया गया है। महिला का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया। ट्रंप के एक प्रवक्ता ने कहा कि रिपोर्ट हेगसेथ के वकीलों द्वारा कही गई बातों की पुष्टि करती है: घटना की पूरी तरह से जांच की गई थी और कोई आरोपपत्र दाखिल नहीं किया गया क्योंकि पुलिस ने आरोपों को झूठा पाया। रिपोर्ट में यह नहीं कहा गया है कि पुलिस ने आरोप को झूठा बताया। पुलिस ने सिफारिश की है कि मामले की रिपोर्ट समीक्षा के लिए मोंटेरे काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के कार्यालय को भेजी जाए। रिपोर्ट में कहा गया है कि जांच अधिकारियों को कथित उत्पीड़न के बारे में सबसे पहले एक नर्स ने बताया था, जिसने एक मरीज द्वारा यौन उत्पीड़न जांच का अनुरोध करने के बाद उन्हें फोन किया था। मरीज ने चिकित्सा कर्मियों को बताया कि उसके साथ पांच दिन पहले भी उत्पीड़न की घटना हुई थी लेकिन उसे घटना पूरी तरह याद नहीं है। उसने बताया कि होटल के कमरे में पहुंचने से पहले उसके पेय पदार्थ में कुछ मिलाया गया था, जहां उत्पीड़न की घटना हुई।

नेपाल के राष्ट्रपति ने भारतीय सेना के प्रमुख जनरल द्विवेदी को मानद उपाधि से सम्मानित किया

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने 1950 में शुरू हुई दशकों पुरानी परंपरा को जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी को नेपाल सेना के जनरल की मानद रैंक से सम्मानित किया, जो दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाता है। पांच-सदस्ईय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे जनरल द्विवेदी अपने नेपाली समकक्ष जनरल अशोक सिगडेल के आमंत्रण पर पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा के लिए बुधवार को यहां पहुंचे।राष्ट्रपति पौडेल ने अपने आधिकारिक आवास शीतल निवास पर जनरल द्विवेदी को मानद उपाधि प्रदान की। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले दिन में जनरल द्विवेदी ने यहां नेपाली सेना के मुख्यालय में जनरल सिगडेल से मुलाकात की और दोनों सेनाओं के बीच सहयोग से संबंधित मामलों पर चर्चा की।उन्होंने काठमांडू के टुंडीखेल में सेना मंडप में बीर स्मारक (शहीद स्मारक) पर पुष्पचक्र अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। सेना मुख्यालय में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। अपनी यात्रा के दौरान द्विवेदी काठमांडू के बाहरी इलाके शिवपुरी में आर्मी स्टाफ कॉलेज का दौरा करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि उनकी योजना विमान के जरिए पर्वतीय क्षेत्र का भ्रमण करने की भी है। जनरल द्विवेदी के साथ उनकी पत्नी और भारतीय सेना की आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष सुनीता द्विवेदी भी हैं।

विकासशील देशों के लिए नए जलवायु वित्त पैकेज का मसौदा तैयार

सीओपी29

बाकू (अजरबैजान)।(भाषा) विकासशील देशों के लिए नए जलवायु वित्त पैकेज का अधिक सुव्यवस्थित मसौदा बृहस्पतिवार सुबह पेश किया गया, जो 25 पन्नों से घटकर 10 पन्नों का हो गया, लेकिन इसमें प्रमुख मुद्दे अब भी बरकरार हैं।

मसौदे पर गौर करने पर पता चलता है कि विकसित देश अब भी एक प्रमुख सवाल का जवाब देने से कतरा रहे हैं कि वे वर्ष 2025 से विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए हर साल कितना वित्तीय सहयोग देने को तैयार हैं? विकासशील देश लगातार कहते आए हैं कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती और जलवायु अनुकूलन के लिए उन्हें कम से कम 13 खरब अमेरिकी डॉलर की जरूरत है। बाकू में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन को समाप्त होने में बस दो दिन बचे हैं, ऐसे में वार्ताकारों पर किसी समझौते पर पहुंचने की बड़ी जिम्मेदारी है। जलवायु कार्यकर्ता एवं जीवाश्म ईंधन अप्रसार संधि पहल के वैश्विक सहभागिता निदेशक हरजीत सिंह ने कहा, संशोधित मसौदा अधिक सुव्यवस्थित है और यह कई विकल्प पेश करता है, जिनमें से कुछ अच्छे, कुछ बुरे और कुछ पूरी तरह से खराब हैं। उन्होंने कहा कि संशोधित मसौदे में विकसित देशों से वित्तीय सहयोग की आवश्यकता को स्वीकार किया गया है, लेकिन इसमें एक महत्वपूर्ण सवाल का जवाब नहीं दिया गया है कि कितने वित्त की जरूरत है, जिससे विकासशील देशों पर घरेलू स्तर पर अधिक धन जुटाने का दबाव बरकरार है। सिंह ने यह भी कहा कि मसौदा बढ़ती वित्तीय आवश्यकताओं और सीमित संसाधनों वाले क्षेत्रों, मसलन-शमन, अनुकूलन और जलवायु प्रभावों से होने वाले नुकसान एवं क्षति से निपटने के लिए स्पष्ट वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करने में विफल साबित होता है। उन्होंने कहा, जीवाष्म ईंधन से (नवीकरणीय ऊर्जा की तरफ) वास्तविक एवं न्यायसंगत परिवर्तन के लिए मजबूत सार्वजनिक वित्त की आवश्यकता है, खोखले वादों की नहीं। दिल्ली स्थित थिंकटैंक ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद के वैभव चतुर्वेदी ने कहा कि नए जलवायु वित्त पैकेज का अधिक सुव्यवस्थित मसौदा तैयार होना एक सकारात्मक घटनाक्रम है, लेकिन विकसित देशों ने (वित्तीय सहयोग पर) स्पष्ट आंकड़ा नहीं पेश किया है।

विश्व संसाधन संस्थान (डब्ल्यूआरआई) की अंतर्राष्ट्रीय जलवायु पहल के निदेशक डेविड वास्को ने कहा कि मसौदा में कई मुद्दों का जिक्र नहीं है। उन्होंने कहा, समय बहुत कम है और मसौदे को और अधिक सुव्यवस्थित बनाने तथा उसमें अन्य विकल्प शामिल करने के लिए काफी काम किए जाने की जरूरत है। मसौदा जलवायु वित्त पर दो रुख पेश करता है, एक विकासशील देशों का और दूसरा विकसित देशों का। विकासशील देशों का रुख है कि विकसित देशों को 2025 से 2035 तक हर साल खरबों डॉलर का जलवायु वित्त उपलब्ध कराना चाहिए। उनका कहना है कि उक्त राशि का अधिकतर हिस्सा अनुदान या अनुदान-समतुल्य शर्तों (सार्वजनिक वित्त) के तहत दिया जाना चाहिए और लक्ष्य को पूरा करने के लिए जुटाए गए निजी वित्त से विकासशील देशों पर कर्ज नहीं चढ़ना चाहिए। विकासशील देशों का यह भी कहना है कि जो विकासशील देश अन्य विकासशील देशों का समर्थन करना चाहते हैं, उन्हें ऐसा स्वेच्छा से करना चाहिए और यह स्वैच्छिक सहायता जलवायु वित्त पैकेज में शामिल नहीं होगी। विकासशील देशों ने बोझ-साझाकरण व्यवस्था कायम करने का सुझाव भी दिया है, जिसके तहत देशों के उत्सर्जन इतिहास और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आधार पर तय किया जाएगा कि जलवायु वित्त में कौन कितना योगदान देगा। वहीं, विकसित देशों का रुख दो स्थितियां पेश करता है। पहली, वैश्विक जलवायु वित्त 2035 तक प्रति वर्ष एक ट्रिलियन (10 खरब) अमेरिकी डॉलर का आंकड़ा छुएगा, जिसमें सभी स्रोतों से धन आएगा। हालांकि, इसकी राशि अभी स्पष्ट नहीं है। यह विकल्प पेरिस जलवायु समझौते के अनुच्छेद-9 में शामिल नहीं है, जो विकसित देशों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना अनिवार्य बनाता है। इसका मतलब है कि कुछ संपन्न, उच्च उत्सर्जन वाले विकासशील देशों से जलवायु वित्त में योगदान देने के लिए कहा जा सकता है। दूसरी स्थिति अनुच्छेद-9 को ध्यान में रखती है और एक ऐसे लक्ष्य का आह्वान करती है, जो सार्वजनिक और निजी सहित विभिन्न स्रोतों से सामूहिक रूप से विकासशील देशों के लिए 2035 तक प्रति वर्ष 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि जुटाए।

भारतीय टीम के सामने ऑस्ट्रेलिया की कठिन चुनौती

भाषा। पर्थ

अपनी धरती पर न्यूजीलैंड के हाथों टेस्ट श्रृंखला में सफाए के बाद भारी दबाव का सामना कर रही भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार से यहां शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच में जब आस्ट्रेलिया से भिड़ेगी तो यह मुकाबला खराब फॉर्म से जूझ रहे बल्लेबाजों का भी होगा। भारत ने 2018 - 19 और 2020 - 21 दौरों पर आस्ट्रेलिया को हराया लेकिन जिस तरह से हाल ही में न्यूजीलैंड ने भारत को उसकी धरती पर टेस्ट श्रृंखला में 3 - 0 से हराया , इससे भारतीय टीम का मनोबल जरूर गिरा होगा। असलियत यह भी है कि भारतीय टीम के आधार रहे कुछ सितारे अपने कैरियर के आखिरी पड़ाव पर हैं। पैट कमिंस के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला उनके भावी कैरियर की दशा और दिशा तय करेगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले रिकॉर्ड तीसरी बार विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में प्रवेश लगभग तय लग रहा था लेकिन अब मंजिल काफी दूर नजर आ रही है। भारत को इसके लिए आस्ट्रेलिया को हर हालत में 4 - 0 से हराना होगा। यह उतना ही मुश्किल लग रहा है जैसे भारतीय फुटबॉल टीम का फीफा के दोस्ताना मैच में ब्राजील या अर्जेंटीना को हराना। वैसे मौजूदा टीम को करीब से जानने वालों को पता है कि यह टीम दबाव में भी किस तरह वापसी कर सकती है। टीम की क्षमता पर जब भी सवाल उठे हैं , इसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर दिखाया है। कार्यवाहक कप्तान बुमराह ने पहले टेस्ट से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा , जब आप जीतते हैं तो शून्य से शुरूआत करते हैं लेकिन जब हारते हैं , तब भी तो ऐसा ही होता है। हम भारत से कोई बोझ लेकर नहीं आए हैं। न्यूजीलैंड श्रृंखला से हमने सबक लिया है लेकिन यहां हालात अलग हैं और यहां हमारे नतीजे अलग रहे हैं। दूसरी ओर आस्ट्रेलिया पिछले पांच साल में भारत से मिली करारी हार का बदला चुकता करने के लिए तैयार है। पहले मैच में उसके सामने भारत के नियमित कप्तान (रोहित शर्मा),रिवर्स स्विंग के महारथी (मोहम्मद शमी) और भावी कप्तान (शुभमन गिल) नहीं होंगे। रोहित पिता बनने के कारण पहले टेस्ट से बाहर हैं जबकि शमी पूरी तरह से फिट नहीं हैं और गिल के अंगूठे में फ्रेक्चर है। आस्ट्रेलिया दौरे पर कैरियर बनते और बिगड़ते हैं। सचिन तेंदुलकर ने घुमावदार दरारों वाली वाका की पिच पर शतक बनाया है। दिलीप वेंगसरकर और कृष्णामाचारी श्रीकांत को 1991-92 दौरे के बाद विदा लेनी पड़ी , वह भी सभी ने देखा। विराट कोहली, रोहित शर्मा और आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन कैरियर के उस मुकाम पर हैं जहां खराब प्रदर्शन भारी पड़ सकता है। कोहली 2014 में आस्ट्रेलिया में ही किंग कोहली बने जब उन्होंने चार शतक लगाए जबकि चेतेश्वर पुजारा और ऋषभ पंत ने आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की नींदें हराम की थी। यह ऐसी श्रृंखला होगी जिसमें गेंदबाजों का पलड़ा भारी होगा और पहले टेस्ट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में शुमार जसप्रीत बुमराह भारत की कमान भी संभालेंगे। मोहम्मद सिराज और आकाश दीप तेज गेंदबाजी में उनका साथ दे सकते हैं लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा भी चयन के दावेदार हैं। टीम संयोजन चाहे जो हो , आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उसे हलके में नहीं ले सकते। स्टीव स्मिथ का मौजूदा विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में औसत 36 के आसपास है जबकि उनके कैरियर का औसत 56 से अधिक है।

पहला टेस्ट मैच आज से

टीमें : भारत : जसप्रीत बुमराह (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पड्डिक्कल, विराट कोहली, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, नीतिश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, अभिमन्यु ईश्वरन, वॉशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कारी, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क।

कप्तानी को एक पद नहीं, जिम्मेदारी के रूप में देखता हूं : बुमराह

पर्थ। जसप्रीत बुमराह को हमेशा से जिम्मेदारी लेना और चुनौतियो का सामना करना पसंद है और यही वजह है कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मे भारतीय टीम की कप्तानी को लेकर वह रोमांचित है। इंग्लैंड के खिलाफ 2022 के एडबस्टन टेस्ट के बाद वह दूसरी बार रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी मे कप्तान होगे। उन्होने पहले टेस्ट से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस मे कहा , मै कप्तानी को एक पद के तौर पर नही देखता। मुझे हमेशा से जिम्मेदारियां उठाना पसंद रहा है। उन्होने कहा , मै बचपन से कठिन काम करने का शौकीन रहा हूं। कठिन हालात मे काम करना मुझे पसंद है और यह एक नई चुनौती है। उन्हे पता है कि यह जिम्मेदारी एक टेस्ट के लिए ही है लेकिन इससे इनकार नही है बुमराह ने कहा , स्वाभाविक है कि रोहित को मै नही बोलूंगा कि मै कर लेता हूं। वह हमारा कप्तान है और बेहतरीन काम कर रहा है। अभी यह एक मैच के लिए है लेकिन भविष्य के बारे मे कौन जानता है। उन्होने कहा , अगले मैच मे हालात बदल सकते है और क्रिकेट मे ऐसा ही होता है। मै फिलहाल वर्तमान मे जी रहा हूं। मुझे एक जिम्मेदारी मिली है जो मै पहले भी एक बार उठा चुका हूं और मुझे बहुत मजा आया। मै यही सोच रहा हूं कि अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ योगदान कैसे दे सकता हूं। भविष्य पर मेरा वश नही है। उनका मानना है कि किसी और की कप्तानी शैली की नकल करने से काम नही चलता। उन्होने कहा , आपको किसी की नकल करने की बजाय अपनी शैली तलाशनी होगी। विराट और रोहित काफी कामयाब रहे है और नतीजे भी दिए है। मेरा तरीका यही है कि मै कॉपीबुक रणनीति पर अमल नही करता। बुमराह ने कहा , मेरी गेदबाजी मे भी आपको दिखेगा कि मेरी अपनी शैली है। मैने हमेशा ऐसे ही क्रिकेट खेली है। उनका मानना है कि तेज गेदबाज रणनीति के माहिर होते है और अच्छे कप्तान बनते है। उन्होने आस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव का उदाहरण दिया। बुमराह ने हमेशा से खुद को नेतृत्व दल का हिस्सा माना है। उन्होने कहा , जब रोहित होता है या विराट कप्तान था , तब भी मै हमेशा अतिरिक्त योगदान देना चाहता था। मैने उनसे सीखने की कोशिश की और अब नए खिलाड़ियो के साथ मै अपना अनुभव बांटता हूं।

कोहली की जायसवाल को सलाह

लंबे समय तक खेलना है तो अच्छी आदतें अपनाएं

पर्थ। (भाषा) युवा भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत की है और उन्होंने कहा कि सुपरस्टार विराट कोहली की जीवन के हर पहलू में अनुशासित रहने की सलाह ही राष्ट्रीय टीम में लंबा करियर बनाने की उनकी महत्वाकांक्षा का मार्गदर्शक है।बाइस साल के जायसवाल ने अब तक सिर्फ 14 टेस्ट खेले हैं लेकिन इस दौरान उन्होंने तीन शतक और आठ अर्धशतक की मदद से 56 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। अब वह शुक्रवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए तैयार हैं। जायसवाल ने बीसीसीआई.टीवी से कहा, जब मैंने सीनियर क्रिकेट खेलना शुरू किया तो मैंने विराट पाजी से बात की कि वह खुद को कैसे मैनेज करते हैं। उन्होंने कहा, पाजी (कोहली) ने मेरे से कहा कि अगर मुझे इतना क्रिकेट खेलना है (जितना उन्होंने खेला है) तो मुझे अपनी दिनचर्या में अनुशासित होना होगा और प्रक्रिया का पालन करना होगा। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा, मैंने उन्हें (कोहली) दिन-प्रतिदिन लगातार ऐसा करते देखा है। वह मुझे खुद पर काम करने और अपनी आदतों में बदलाव लाने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके बाद जायसवाल ने अपनी दिनचर्या के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा अपने काम में निरंतरता पर

विश्वास किया है। जब भी मैं अभ्यास के लिए जाता हूं तो मेरे पास हमेशा एक योजना होती है। मेरा ध्यान उबरने पर होता है, अगले अभ्यास के लिए तरोताजा रहना और अपने खान-पान का ध्यान रखना। जायसवाल ने कहा, भारत के लिए खेलने की इच्छा मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है। मुझे यह अवसर मिलना वाकई सौभाग्य की बात है और मैं इसके लिए तैयार हूं। मुंबई के इस बल्लेबाज ने परिस्थितियों से तेजी से सामंजस्य बैठाने की टीम की क्षमता पर कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह के भरोसा से सहमति जताई। उन्होंने कहा, यह अलग जगह है। गेंद एक अलग ऊंचाई पर आती है लेकिन हम सभी जानते हैं और हम मानसिक रूप से तैयार हैं। मैं मैदान पर उतरना चाहता हूं, इसे देखना चाहता हूं और वहां टिके रहना चाहता हूं। जायसवाल जानते हैं कि विपरीत परिस्थितियों में अवसर तलाशना ही पुरुषों को लड़कों से अलग करता है और उनका मानना है कि वे चुनौतियों के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैं हमेशा इसे अपने लिए एक अवसर के रूप में देखता हूं कि मैं वहां जाऊं और सीखूं। जायसवाल ने कहा, लोग अक्सर ऐसी बातें करते हैं कि ऐसा होता है और वैसा होता है लेकिन मैं जाकर उन चीजों का सामना करना चाहता हूं और उस मुस्कान का आनंद लेना चाहता हूं, मैं बस यही सोचता हूं।

राहुल को ऑस्ट्रेलिया में रन बनाने में समस्या नहीं होगी

नई दिल्ली।(भाषा) महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर को यकीन है कि लोकेश राहुल ऑस्ट्रेलिया के विकेटों पर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं, जैसे उन्होंने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका में किया था। नियमित कप्तान रोहित शर्मा पितृत्व अवकाश पर हैं जिससे भारत के पास शुक्रवार से पर्थ में शुरू हो रहे पहले टेस्ट में यशस्वी जायसवाल के सलामी जोड़ीदार के रूप में रिजर्व सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन और अनुभवी राहुल में से किसी एक को उतारने का विकल्प है। फिलहाल टीम प्रबंधन राहुल के पक्ष में दिख रहा है जो भारत के लिए पहले भी टेस्ट मैच में पारी का आगाज कर चुके हैं और पिछले साल सेंचुरियन में उन्होंने यादगार शतक जड़ा था। हालांकि 53 टेस्ट खेलने के बावजूद उनके प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखी है। गावस्कर ने श्रृंखला के पहले टेस्ट से पूर्व पीटीआई को दिए विशेष साक्षात्कार में कहा, लोकेश राहुल ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका में बल्लेबाजी करते हुए सबसे बेहतरीन शतकों में से एक बनाया था जिसे मैंने देखा है इसलिए यहां भी ऐसा करना उनके लिए कोई समस्या नहीं होगी। उन्होंने कहा सभी बल्लेबाजों की तरह उन्हें भी शुरुआत में थोड़े भाग्य की जरूरत होगी और अगर उन्हें यह मिल जाता है तो वह टीम को ठोस शुरुआत दिला सकते हैं। भारतीय क्रिकेट के सबसे सम्मानित व्यक्तियों में से एक गावस्कर का हमेशा से मानना रहा है कि टेस्ट क्रिकेट में टीम को हमेशा अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों

को खिलाना चाहिए, भले ही इसके लिए दो स्पिनरों को मैदान में उतारना पड़े। भारतीय टीम में आंध्र के ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को मौका मिलने की पूरी संभावना है जो चौथे तेज गेंदबाज की भूमिका भी निभाएंगे। गावस्कर ने कहा, मेरा मानना है कि आपको टेस्ट मैच के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों को चुनना होगा फिर चाहे पिच कैसा भी व्यवहार करे। अश्विन और जडेजा जैसे गेंदबाजों ने मिलकर लगभग 900 विकेट लिए हैं। उन्होंने मिलकर आधा दर्जन से अधिक टेस्ट शतक भी लगाए हैं। पूर्व भारतीय कप्तान ने अपने तर्क को स्पष्ट करते हुए कहा, भले ही उन्हें पिच से ज्यादा मदद नहीं मिले लेकिन वे अपने कौशल और अनुभव से रन बनाने की गति को धीमा कर सकते हैं और बल्लेबाजों पर दबाव बना सकते हैं।एक खिलाड़ी और फिर एक विश्लेषक के रूप में बहुत से बदलावों को देखने वाले लिटिल मास्टर गावस्कर भविष्य में क्या होने वाला है इस बारे में चिंता नहीं करना चाहते।

रोहित शर्मा रविवार को पर्थ में भारतीय टीम से जुड़ेंगे

पर्थ। कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन रविवार को यहां भारतीय टीम से जुड़ जाएंगे। रोहित ऑप्टस स्टेडियम मे होने वाले पहले टेस्ट मे नही खेलेंगे क्योकि वह अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए भारत मे ही रूक गए थे। उनके बेटे का जन्म 15 नवंबर को हुआ। मुख्य तेज गेदबाज जसप्रीत बुमराह पर्थ टेस्ट मे भारतीय टीम की अगुआई करेगे।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, रोहित टेस्ट मैच के तीसरे दिन पर्थ मे आ जाएंगे। इस तरह 37 साल के रोहित छह दिसंबर से एडीलेड मे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध होगे।

पुजारा ने तीसरे नंबर पर राहुल का समर्थन किया

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के गेदबाजी आक्रमण का उसकी सरजमी पर कई बार सफलतापूर्वक सामना कर चुके चेतेश्वर पुजारा ने बृहस्पतिवार को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी मे महत्वपूर्ण तीसरे स्थान पर लोकेश राहुल के बल्लेबाजी करने का समर्थन किया और कहा कि आक्रामक बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल वह करने मे सक्षम है जो डेविड वार्नर उस समय करते थे जब अपने खेल के शीर्ष पर थे।पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला शुक्रवार से यहां शुरू होगी। पुजारा ने स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम मे कहा, मुझे बल्लेबाजी क्रम नही पता। मै उन्हे (राहुल को) नंबर तीन पर पसंद करूंगा क्योकि उनके पास वहां बल्लेबाजी करने का अनुभव है। हालांकि राहुल के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के साथ पारी का आगाज करने की उम्मीद है जबकि कर्नाटक के देवदत्त पडिक्कल को बाएं-दाएं हाथ के बल्लेबाजो का संयोजन बनाए रखने के लिए नंबर तीन पर उतारा जा सकता है।पुजारा ने कहा, ऐसा लगता है कि टीम बाएं-दाएं हाथ के संयोजन के लिए नंबर तीन पर देवदत्त (पडिक्कल) को प्राथमिकता दे रही है। उन्होने पांचवे और छठे नंबर तथा मध्य क्रम मे बल्लेबाजी की है। पारी का आगाज करने की तुलना मे नंबर तीन पर बल्लेबाजी करना आसान होगा। अगर वह नंबर तीन पर बल्लेबाजी कर सकते है तो यह अच्छा होगा।

लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में, सिंधू चीन मास्टर्स से बाहर

शेनझेन (चीन)। (भाषा) भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने बृहस्पतिवार को यहां सीधे गेम में जीत के साथ चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई लेकिन दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू का अभियान थम गया जब उन्हें महिला एकल के दूसरे दौर में शिकस्त झेलनी पड़ी। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक से चूकने वाले लक्ष्य ने पुरुष एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में रासमस गेम्के को 46 मिनट में 21-6 21-18 से हराया। लक्ष्य अगले दौर में जापान के ताकुमा ओबायाशी और तीसरे वरीय डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। पहले दौर में अपने से बेहतर रैंकिंग वाली बुसानन ओंगबैमरुंगफान को हराने वाली दुनिया की 19वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू को दूसरे दौर में सिंगापुर की यिओ जिया मिन के खिलाफ कड़े मुकाबले में एक घंटे नौ मिनट में 16-21 21-17 21-23 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल में अनुपमा उपाध्याय और मालविका बंसोड़ को भी एकतरफा मुकाबलों में हार मिली।

अनुपमा को जापान की नात्सुकी निदाइरा के खिलाफ 7-21 14-21 से हार का सामना करना पड़ा जबकि मालविका को आठवीं वरीय थाईलैंड की सुपानिदा केटथोंग के खिलाफ 9-21 9-21 से शिकस्त मिली। त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला

युगल जोड़ी के पास भी ल्यू शेंग शू और टेन निंग की चीन की दूसरी वरीय महिला युगल जोड़ी का कोई जवाब नहीं था।दुनिया की 18वें नंबर की भारतीय जोड़ी को चीन की प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ दूसरे दौर के मुकाबले में सिर्फ 43 मिनट में 16-11 11-21 से हार मिली। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की गत चैंपियन जोड़ी भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। पेरिस ओलंपिक के बाद पहला टूर्नामेंट खेल रहे सात्विक और चिराग ने पुरुष युगल मुकाबले में रासमस जाएर और फ्रेडेरिक सोगार्ड की डेनमार्क की जोड़ी को 21-19 21-15 से हराया। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विक और चिराग अंतिम आठ के मुकाबले में किम एस्ट्रूप और एंडर्स स्कारूप रासमुसेन की डेनमार्क की जोड़ी से खेलेंगे। लक्ष्य ने गेम्के के खिलाफ आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले गेम में दबदबा बनाया। उन्होंने नेट पर शानदार प्रदर्शन करते हुए अंक जुटाए और पहला गेम जीतने में भारतीय खिलाड़ी को अधिक मशक्कत नहीं करनी पड़ी। दूसरे गेम में कड़ी टक्कर देखने को मिली। दोनों खिलाड़ियों ने 10 अंक तक प्रत्एक अंक के लिए कड़ी चुनौती पेश की। ब्रेक तक लक्ष्य 11-10 की मामूली बढ़त हासिल करने में सफल रहे।लक्ष्य ने अपने दमदार स्मैश की बदौलत 14-12 की बढ़त बनाई और फिर विरोधी की सहज गलतियों का फायदा उठाकर स्कोर 20-16 किया।

गेम्के ने दो मैच प्वाइंट बचाए लेकिन लक्ष्य ने दमदार स्मैश के साथ अंक जुटाते हुए मुकाबला जीत लिया। इससे पहले सिंधू को जिया मिन के खिलाफ छह मैच में पहली बार हार का सामना करना पड़ा।दोनों खिलाड़ियों ने सतर्क शुरुआत की जिसके बाद जिया मिन ने सिंधू की गलतियों का फायदा उठाकर ब्रेक तक 11-6 की बढ़त बना ली। सिंधू ने हालांकि लगातार चार अंक के साथ स्कोर 10-11 कर दिया। दोनों खिलाड़ियों के बीच 16 अंक तक कड़ी टक्कर देखने को मिली जिसके बाद सिंगापुर की खिलाड़ी ने लगातार पांच अंक के साथ पहला गेम जीत लिया।दूसरे गेम में सिंधू ने 8-5 की बढ़त बनाई लेकिन जिया मिन वापसी करके स्कोर बराबर करने में सफल रही। भारत खिलाड़ी ने हालांकि 17-17 के स्कोर पर लगातार चार अंक के साथ गेम जीतकर मुकाबला।-। से बराबर कर दिया। तीसरे और निर्णायक गेम में भी कड़ी टक्कर देखने को मिली। सिंधू एक समय 13-9 से आगे थी लेकिन जिया मिन ने आक्रामक खेल दिखाने के अलावा सिंधू की गलतियों का फायदा उठाकर जीत हासिल कर ली।

जीत के साथ मिशन लॉस एंजिलिस 2028 का आगाज किया भारतीय महिला हॉकी टीम ने

राजगीर (बिहार)।पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाने के गम को भुलाते हुए भारत की युवा और पहले से फिट महिला हॉकी टीम ने एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी खिताब बरकरार रखकर मिशन 2028 लॉस एंजिलिस अभियान का आगाज किया। भारत की पुरूष जूनियर टीम को लखनऊ में 2016 में विश्व कप जिता चुके अनुभवी कोच हरेंद्र सिंह और इस टीम के लिए यह नई शुरूआत है। अप्रैल में टीम के साथ फिर जुड़ने के बाद से हरेंद्र का एक ही लक्ष्य है ...लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई करना। उनका मानना था कि एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी जीतकर विश्व कप 2026 और ओलंपिक 2028 की तैयारियों की सही शुरूआत की जा सकती है। चीन पर फाइनल में। . 0 से मिली जीत के बाद कप्तान सलीमा टेटे ने कहा , मुझे पूरा विश्वास है कि इस जीत से अधिक से अधिक लड़कियों को हॉकी खेलने की प्रेरणा मिलेगी। मुझे खुशी है कि हम अपने देश को और प्रशंसकों को इस जीत का तोहफा दे सके। हरेंद्र का फोकस भारतीय टीम की फिटनेस का स्तर सुधारने पर रहा है और इस टूर्नामेंट में उसकी बानगी भी देखने को मिली कि खिलाड़ियों ने वाकई इस पर काफी मेहनत की है।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद नजीर का निधन

कराची। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर और अंपायर मोहम्मद नजीर जूनियर का लंबी बीमारी के बाद बृहस्पतिवार को उनके गृहनगर लाहौर मे निधन हो गया। वह 78 वर्ष के थे। नजीर पिछले कुछ महीनो से बिस्तर पर थे। उनके बेटे नोमान नजीर ने इसकी पुष्टी की। उन्होने वेस्टइंडीज के दिग्गज विव रिचर्ड्स को अपनी ऑफ स्पिन गेदबाजी से काफी परेशान किया था। नोमान ने कहा, मेरे पिता करीब पांच साल पहले एक सड़क दुर्घटना मे बुरी तरह घायल हो गए थे। इसके बाद वह अपनी स्वास्थ्य समस्याओ से कभी उबर नही पाए और पिछले कुछ महीनो से बिस्तर पर थे। उनका अस्पताल मे निधन हो गया। नोमान ने पिछले हफ्ते पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से अपने बीमार पिता की मदद करने की अपील की थी। नजीर जूनियर ने अपनी ऑफ स्पिन गेदबाजी के लिए तब सुर्खियां बटोरी जब इमरान खान ने 1979-80 मे वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेलने के लिए पांच साल बाद उन्हे टीम मे शामिल किया। प्रथम श्रेणी मे 800 से अधिक विकेट चटकाने वाले नजीर ने अंपायरिंग करने से पहले भारत के खिलाफ एक श्रृंखला सहित 14 टेस्ट और चार एकदिवसीय मैच खेले। उन्होने पांच टेस्ट और 15 वनडे मे अंपायरिंग की।

पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए मुख्य परिचालन अधिकारी नियुक्त किया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बृहस्पतिवार को सुमेर अहमद सैयद को चैंपियंस ट्रॉफी का मुख्य परिचालन अधिकारी नियुक्त किया। हालांकि अगले साल की शुरुआत मे टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। पीसीबी द्वारा जारी एक बयान मे अध्यक्ष मोहसिन नक्वी ने बोर्ड का रुख दोहराया कि वह टूर्नामेंट को पूरी तरह से पाकिस्तान मे आयोजित करने का इरादा रखता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को इस 50 ओवर की प्रतियोगिता के लिए अपनी टीम पाकिस्तान नही भेजने की इच्छा जाहिर कर चुका है जिसे वैश्विक संस्था ने पीसीबी को बता दिया है। इस बीच नक्वी ने सैयद की क्षमताओ पर भरोसा जताते हुए कहा, सुमेर प्रशासनिक विशेषज्ञता रखने वाले बेहतरीन पेशेवर है। क्रिकेट के प्रति उनके जुनून को देखते हुए मुझे विश्वास है कि वह खिलाड़ियो, अधिकारियो और प्रशंसको के लिए एक अविस्मरणीय आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पेश करेगे।

जमाल हुसैन ने इंडियन ऑयल सर्वो मास्टर्स में बढ़त बनाई

डिगबोई। बांग्लादेश के जमाल हुसैन ने दूसरे दौर मे सात अंडर 65 के स्कोर से बृहस्पतिवार को यहां इंडियन ऑयल सर्वो मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट मे बढ़त बना ली। जमाल का कुल स्कोर 11 अंडर 33 है। उन्होने गुरुग्राम के शिवेंद्र सिंह सिसोदिया पर दो शॉट की बढ़त बना रखी है जो दूसरे दौर मे 66 के स्कोर से कुल नौ अंडर 135 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर है। करनाल के मणि राम और हैदराबाद के मिलिंद सोनी आठ अंडर 136 के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर है।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।